नई दिल्ली। गुरुवार, 27 अगस्त, 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्दशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 232/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल कोलंबो टेस्ट : संकट में फॉलोऑन खेलने उतरी... | @ विचार हिंसा नहीं, संवाद ही लोकतंत्र की संजीवनी... | @ व्यापार कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते शेयर बाजार लाल...

नेपाल में बाढ़ से तबाही, 1000 लापता, अब तक 100 लोगों की मौत

पॉवर प्लांट-पुल बहे, 133 भारतीय लापता, कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर थे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

काठमांडू। भोटेकोशी बाढ़ की चपेट में कमर्शियल बैंक की नौ शाखाएं भी आई हैं। नेपाल बैंकर्स एसोसिएशन ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने ये भी बताया कि रसुवा में इन शाखाओं में काम करने वाले लगभग 26 कर्मचारियों से भी संपर्क नहीं हो पाया है। एसोसिएशन का कहना है कि टेलीफोन लाइनें खराब होने और बिजली न होने के कारण संपर्क करने में दिक्कतें आ रही हैं।

एसोसिएशन के अनुसार, रसुवा में माछापुछ्रे, नबिल, सनिमा, लक्ष्मी सनराइज, हिमालयन, प्रभु, ग्लोबल आईएमई, इन्वेस्टमेंट मेगा और एनएमबी बैंक की शाखाएं थीं। कान्तिपुर टाइम्स ने बताया कि बैंकर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष कोइराला ने जानकारी दी कि इन शाखाओं में काम करने वाले 26 कर्मचारियों से अभी तक संपर्क नहीं हो सका है। सूत्रों से जानकारी में त्रासदी में 100 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 1000लापता हैं। इनमें 133 भारतीय शामिल हैं, जो कैलाश मानसरोवर की यात्रा में थे। त्रासदी में पुल सहित पावर प्लांट बह गए हैं।

बुधवार तड़के अचानक नेपाल की भोटेकोशी नदी का जलस्तर बढ़ा और उसने बाढ़ का रूप ले लिया। देखते ही देखते कई पुल, प्रोजेक्ट्स और इमारतें भरभरा कर गिरने लगीं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक इस त्रासदी में अब तक कुल 25 शव बरामद किए गए हैं। इनमें से 1 रसुवा में, 7 नुवाकोट में (3 महिलाएं और 4 पुरुष), 6 धाडिंग में (3 महिलाएं, 2 पुरुष और 1 अज्ञात व्यक्ति), 4 गोरखा में (2 पुरुष और 2 अज्ञात व्यक्ति) और गोरखा की ओर त्रिशूली नदी के किनारे छह शव मिले हैं। पुलिस ने बताया है कि गंडकी ग्रामीण नगर पालिका-8 के धावादिघाट में त्रिशूली नदी के किनारे एक व्यक्ति का शव मिला है। पुलिस अलग-अलग जिलों में बाढ़ की चपेट में आने वाले घरों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही है, विभिन्न एजेंसियों और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर ज़रूरी बचाव और खोज अभियान चला रही है, और कई जगहों पर रास्ते की रुकावटें हटा रही है।

रसुवा के बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव और राहत कार्य के लिए काठमांडू हवाई अड्डे से 49 बचाव उड़ानें भरी गईं। काठमांडू हवाई अड्डे पर स्थित आरसीसी कार्यालय के अनुसार, बुधवार शाम 5:20 बजे तक निजी और सरकारी हेलीकॉप्टरों ने धुंचे, तिमुरे, स्याफ्रुबेसी, मैलुंग, त्रिशूली और धाडिंग इलाकों में बचाव और राहत पहुंचाने के लिए उड़ान भरी।

वहीं, इस विपत्ति में भारत ने पड़ोसी देश की हर मुमकिन मदद का आश्वासन दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी की पीएम बालेंद्र से बात मुश्किल घड़ी में हरसभंव मदद का भरोसा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह से बात कर फ्लैश फ्लड से मची तबाही पर दुख जताया है। उन्होंने इस विपत्ति में पड़ोसी राष्ट्र की हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। पीएम ने कहा, 'प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बात की और नेपाल में बाढ़ से हुई जान-माल की हानि पर संवेदना व्यक्त की। इस मुश्किल समय में भारत के लोग नेपाल में अपने भाई-बहनों के साथ खड़े हैं। भारत नेपाल को हर संभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है। हमारी टीमें बचाव और राहत कार्यों के लिए मिलकर काम कर रही हैं।'

नेपाल में बाढ़ से भारत में अलर्ट, बिहार के कई जिलों में तैयारी बढ़ाई गई

पटना। नेपाल में अचानक आई बाढ़ से मची तबाही के बीच, भारत में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। बुधवार को नेपाल के रसुवा जिले में भोटे कोशी नदी में अचानक आई बाढ़ से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों के लापता होने की खबर है। बाढ़ से प्रभावित इलाकों में भारी नुकसान हुआ है, जिसके चलते भारत के पड़ोसी इलाकों में अधिकारियों ने निगरानी और एहतियाती कदम बढ़ा दिए हैं। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि हालात पर लगातार नजर रखने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति बनाई गई है। उन्होंने मीडिया से कहा, 'एक उच्च-स्तरीय टीम बनाई गई है। मुख्य सचिव और डीजीपी इस पर नजर रख रहे हैं और मैं भी एक बैठक कर रहा हूं। जरूरत पड़ने पर मैं खुद वहां जाऊंगा।' नेपाल में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ) की आशंका और बिहार से होकर बहने वाली नदियों में जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए, पश्चिम चंपारण के जिला मजिस्ट्रेट तरनजोत सिंह ने अधिकारियों और कार्यकारी इंजीनियरों को निर्देश दिया।

विश्व केसरी खबर झरोखा

अमेरिका में अप्रवासी वीजा अपॉइंटमेंट पर रोक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने दुनिया भर में अप्रवासी वीजा के आवेदकों के अपॉइंटमेंट पर अस्थायी रोक लगा दी है। यह कदम अमेरिका में जारी व्यापक आव्रजन कार्रवाई के बीच उठाया गया है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि दुनिया भर के सभी अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में एक वैश्विक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। प्रशिक्षण के कारण वीजा सेवाओं के अपॉइंटमेंट में बदलाव किया जाएगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान-ओमान में बातचीत

ईरान और पड़ोसी ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के संचालन को लेकर नए दौर की बातचीत हुई है। यह जलमार्ग करीब छह महीने से जारी संघर्ष के कारण अवरुद्ध है। ओमान के विदेश मंत्री ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही इस जलमार्ग से आवागमन के लिए अस्थायी गलियारे की घोषणा की जा सकती है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति इसी जलमार्ग से होती थी।

अडानी एनर्जी को 4,700 करोड़ रुपये की परियोजना

भारत की अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस को महाराष्ट्र में 4,700 करोड़ रुपये की बिजली पारेषण परियोजना मिली है। कंपनी के अनुसार, यह परियोजना नवीकरणीय ऊर्जा और स्टोरेज से मिलने वाली 4,500 मेगावाट तक बिजली के पारेषण में मदद करेगी। इसे 36 महीनों के भीतर पूरा किया जाना है। यह परियोजना अडानी समूह के स्वच्छ ऊर्जा ढांचे के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

नेपाल-तिब्बत में बाढ़ और भूस्खलन से तबाही, 9 की मौत

हिमालयी सीमा क्षेत्रों में नेपाल और चीन के तिब्बत में मूसलाधार बारिश से आई बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है। बुधवार को कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि सड़कें, पुल और बिजली परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हुई हैं। नेपाल में कई मकान और सड़कें बाढ़ में बह गईं। तिब्बत के अधिकारियों ने ग्यिरोंग काउंटी में भूस्खलन के बाद कई लोगों के लापता होने की जानकारी दी है और बड़ी संख्या में लोगों के हताहत होने की आशंका जताई है।

बुमराह को पछाड़कर नंबर-1 बने स्टार्क

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने भारत के जसप्रीत बुमराह को नंबर-1 से हटाकर पहली बार आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में खेले गए दूसरे टेस्ट में स्टार्क ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 विकेट झटके। ऑस्ट्रेलिया ने यह मुकाबला एक पारी और 51 रन से जीता था। स्टार्क को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। पहली पारी में उन्होंने सिर्फ 12 रन देकर छह विकेट लिए, जिसमें पहली ही गेंद पर विकेट और महज 22 गेंदों में पांच विकेट शामिल थे। यह प्रदर्शन उन्हें टेस्ट क्रिकेट की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचाने के लिए निर्णायक साबित हुआ।

भारतीयों को लेकर केंद्र से त्वरित कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ (फ्लैश फ्लड) पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। उन्होंने नेपाल के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार से लापता भारतीयों का जल्द पता लगाने और उनके परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि नेपाल में आई भीषण बाढ़ से वह गहरे दुखी हैं। उन्होंने कहा कि इस आपदा में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति उनकी हार्दिक संवेदनाएं हैं।

छत्तीसगढ़ खेल अलंकरणों का ऐलान

खेल दिवस पर 29 अगस्त को मुख्यमंत्री करेंगे

संवाददाता ■ रायपुर

राज्य शासन द्वारा खेल अलंकरणों के लिए चयनित खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों की सूची जारी कर दी गई है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विगत तीन वर्षों 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के लिए कुल 82 लोगों को पुरस्कार और सम्मान दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ट्रॉफी के लिए 5 दलों के कुल 43 खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का चयन किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राष्ट्रीय खेल दिवस पर 29 अगस्त को इन खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को राज्य अलंकरण प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य और उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव की अध्यक्षता में राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य अलंकरण समारोह में शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार, शहीद कौशल यादव पुरस्कार, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार, शहीद पंकज विक्रम सम्मान, शहीद विनोद चौबे सम्मान और मुख्यमंत्री ट्रॉफी के लिए चयनित खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा।

हरियाणा के सिंगर अंकित बालियान की गोली मारकर हत्या

एजेंसी ■ शामली

उत्तर प्रदेश के जनपद शामली में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना बुधवार शाम की है, जब अंकित जिम से निकल रहे थे।

शामली पुलिस ने बताया कि डायल 112 के जरिए सूचना मिली कि बंटीखेड़ा निवासी मृतक अंकित बालियान को जिम से निकलते समय 3-4 अज्ञात लोगों ने गोली मार दी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही शामली कोतवाली पुलिस की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची, शव को कब्जे में लिया और पंचनामा व पोस्टमार्टम की कार्रवाई की।

पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने बताया, 'शाम को करीब 7 बजे सूचना प्राप्त हुई कि अंकित बालियान कोतवाली शहर में एक जिम में एक्सरसाइज करने आते थे, जैसे ही वह वहां से निकले, उन्हें गोली मारी गई। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां मृत घोषित कर दिया गया। अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार चार लड़के थे, जो दो बाइक पर आए थे। हम मामले की जांच कर रहे हैं। मौके से हमें दो-तीन खोखे मिले थे। पूरी टीम मामले की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आरोपी की पहचान की जा रही है।' पुलिस के अनुसार, पूछताछ में जानकारी मिली है कि गायक सोनीपत में रहकर गाने बनाता था, लेकिन वहां पर विवाद होने के बाद यहां भाग कर आ गया था। ऐसे में संभावना है कि यह पूरा मामला हरियाणा और सोनीपत से जुड़ा हुआ है। इस एंगल पर भी जांच की जा रही है और हरियाणा पुलिस से संपर्क किया जा रहा है। घटना के जल्द खुलासा और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें बनाई गई हैं।

10 टन राहत सामग्री और जरूरी दवाएं भारत ने भेजी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्राकृतिक आपदाओं में पहले मददगार (फर्स्ट रिस्पॉन्डर) की अपनी भूमिका निभाते हुए भारत ने बुधवार को नेपाल में आई विनाशकारी फ्लैश फ्लड के बाद 10 टन मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) सामग्री और आवश्यक दवाएं भेजीं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि नेपाल में बाढ़ से निपटने के लिए 10 टन राहत सामग्री और जरूरी दवाएं रवाना की गई हैं। उन्होंने कहा कि इस त्रासदी में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं और इस कठिन समय में भारत नेपाल और उसके लोगों के साथ खड़ा है।

भारत और जापान ने स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने पर जताई सहमति

नवाचार और डीप-टेक सहयोग को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी ■ टोक्यो

भारत और जापान ने स्टार्टअप, डीप-टेक, नवाचार और एमएसएमई क्षेत्र में सहयोग को नई ऊंचाई पर ले जाने की प्रतिबद्धता जताई है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को टोक्यो में आयोजित भारत-जापान स्टार्टअप गोलमेज बैठक में कहा कि पिछले एक दशक में लगभग 2.5 लाख स्टार्टअप्स के साथ भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है और जापानी निवेश तथा तकनीकी सहयोग के लिए भारत एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभरा है। बैठक में दोनों देशों के वरिष्ठ सरकारी प्रतिनिधियों, निवेशकों, उद्योग जगत के नेताओं और स्टार्टअप संस्थापकों ने हिस्सा लिया। चर्चा का मुख्य फोकस प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत बनाने, निवेश को बढ़ावा देने और नवाचार-आधारित आर्थिक सहयोग के अगले चरण को गति देने पर रहा। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत का विशाल घरेलू बाजार, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्र में कुशल प्रतिभाओं का बड़ा आधार, मजबूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और तेजी से विकसित होता नवाचार तंत्र जापानी कंपनियों के लिए बड़े अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भारत और जापान की क्षमताएं एक-दूसरे की पूरक हैं और दोनों देश मिलकर भविष्य की तकनीकों में वैश्विक नेतृत्व स्थापित कर सकते हैं। जापान में भारत की राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक ने कहा कि दोनों देशों के बीच स्टार्टअप सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने बताया कि भारत-जापान पिचिंग सीरीज के माध्यम से अब तक 65 भारतीय स्टार्टअप्स को लगभग 100 जापानी कंपनियों से जोड़ा जा चुका है और इससे 30 से अधिक व्यावसायिक साझेदारियां स्थापित हुई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 222 सदस्यीय भारतीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी दोनों देशों के नवाचार तंत्र के बीच नए संबंध स्थापित करने का अवसर प्रदान कर रही है। बैठक के दौरान पीयूष गोयल ने भारत-जापान स्टार्टअप सहयोग के लिए चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित एक नई रूपरेखा भी प्रस्तावित की।

इस्लामाबाद के अस्पताल में एसी कंप्रेसर फटने से लगी आग, 15 नवजातों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में 26 अगस्त की सुबह एक भयानक हादसा हो गया। एक अस्पताल में आग लगने से करीब 15 नवजात शिशुओं की मौत हो गई। यह हादसा पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के गायनेकोलॉजी वार्ड में हुआ।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस अस्पताल की नर्सरी में एयर-कंडीशनर का कंप्रेसर फटने से आग लग गई। पीआईएमएस अधिकारियों के मुताबिक, घटना के समय नर्सरी में 16 नवजात शिशु थे, जिनमें से 15 बच्चों की मौत हो गई। वहीं सिर्फ एक बच्चे को ही बचाया जा सका। आग लगने की खबर मिलने के साथ ही बचाव कार्य शुरू किया गया। नवजात शिशुओं को गायनेकोलॉजी वार्ड से बाहर निकाला गया। इस घटना में 16 बच्चों में से सिर्फ एक नवजात शिशु की जान बच पाई।

तीर तेवर — सागर कुमार

सीएम योगी ने नेपाल में आई भीषण बाढ़ को लेकर सतर्कता बरतने के दिए निर्देश

विश्व केसरी

लखनऊ। नेपाल के रसुवा क्षेत्र में भोटेकोशी नदी में आई भीषण बाढ़ को देखते हुए उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती महाराजगंज और कुशीनगर जिलों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेपाल में भीषण बाढ़ से हुई क्षति को अत्यंत चिंताजनक बताते हुए महाराजगंज और कुशीनगर में स्थानीय प्रशासन को सभी जरूरी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नेपाल में बाढ़ के प्रभाव से महाराजगंज और कुशीनगर में गंडक एवं नारायणी नदियों का जलस्तर बढ़ने की आशंका है।

इसे लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्थानीय प्रशासन को नदियों के जलस्तर पर नजर रखते हुए पूरी सतर्कता बरतने को कहा है। उन्होंने कहा कि नेपाल में आई बाढ़ से हुई क्षति अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने भगवान पशुपतिनाथ से सभी के सकुशल रहने की प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नेपाल के रसुवा क्षेत्र में भोटेकोशी नदी में आई भीषण बाढ़ से हुई क्षति अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने भगवान पशुपतिनाथ से सभी के सकुशल होने की प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके प्रभाव से उत्तर प्रदेश के जनपद महराजगंज और कुशीनगर में गंडक एवं नारायणी नदियों के जलस्तर में वृद्धि तथा बाढ़ की संभावना के दृष्टिगत स्थानीय प्रशासन को पूर्ण सतर्कता बरतने और आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

महाराजगंज जिले के कुछ गांवों को संभावित बाढ़ के लिहाज से संवेदनशील माना जा रहा है। इनमें सोहगीबरवा, भोतियाही और शिकारपुर शामिल हैं। नेपाल से आने वाले पानी का दबाव बढ़ने पर इन क्षेत्रों में बाढ़ का असर दिखाई दे सकता है। फिलहाल, हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। आने वाले घंटों में नेपाल से आने वाले पानी के आधार पर यूपी में बाढ़ की स्थिति और स्पष्ट हो सकती है।

गुजरातः गांधीनगर में 77वें वन महोत्सव के मौके पर 551 देसी पेड़ लगाए गए

विश्व केसरी

गांधीनगर। गांधीनगर में जिला-स्तरीय 77वें वन महोत्सव के तहत मनसा तालुका के जामला गांव में आसुदेव महादेव मंदिर परिसर में 551 देसी पेड़ लगाए गए। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल्ल पानशेरिया ने पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा में लोगों की ज्यादा भागीदारी की अपील की।

कार्यक्रम करते हुए पानशेरिया ने आसुदेव महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की और पर्यावरण जागरूकता अभियान के तहत 'वृक्ष रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उन्होंने बिल्व, आम, नीम और अशोक जैसी देसी प्रजातियों के पेड़ भी लगाए। मंदिर परिसर में लगाए गए विभिन्न देसी पेड़ों में 300 से ज्यादा बिल्व के पौधे शामिल थे।

कार्यक्रम में बोलते हुए पानशेरिया ने कहा कि प्रकृति का सम्मान करने और उसकी पूजा करने की परंपरा भारतीय संस्कृति में गहराई से रची-बसी है।

कन्हैयालाल मुंशी और प्राचीन ऋषियों जैसे विचारकों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा: 'उन्होंने समाज के लिए प्रकृति पूजा की परंपरा छोड़ी थी।'

उन्होंने भगवान कृष्ण और पीपल के पेड़ के जुड़ाव का भी जिक्र किया और कहा कि इससे यह समझ मिलती है कि पेड़-पौधे भी जीवित होते हैं। मंत्री ने कहा कि हवा, पानी और जमीन को प्रदूषण से बचाना सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि भारतीय धर्मग्रंथों में हवा, पानी और धरती को देवता और मां का दर्जा दिया गया है। उन्होंने नागरिकों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में शामिल होने और पेड़ लगाने व उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी लेने की अपील की।

बिहारः भागलपुर में गंगा नदी में नाव पलटी, छह मजदूर लापता

विश्व केसरी

पटना। बिहार के भागलपुर में बुधवार को गंगा नदी में बाढ़ से बचाव और कटाव-रोधी काम में लगे मजदूरों को ले जा रही एक नाव पलट गई, जिससे छह मजदूर लापता हो गए।

यह घटना भागलपुर के नवगछिया पुलिस जिले के खरिक ब्लॉक के अंतर्गत राघोपुर पंचायत इलाके में हुई। बताया जा रहा है कि नाव का इस्तेमाल एक ठेकेदार कर रहा था, जो काजिकोरैया-राघोपुर जमींदारी तटबंध की सुरक्षा का काम कर रहा था।

हाल के दिनों में नदी की मुख्य धारा का जबरदस्त दबाव इस तटबंध पर पड़ रहा था। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, नाव पर 18 मजदूर सवार थे। तेज बहाव के बीच नाव का संतुलन बिगड़ा और वह नदी के बीचों-बीच पलट गई।

बारह मजदूर तैरकर नदी के किनारे पहुंचने में कामयाब रहे, जबकि छह अन्य लापता हो गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद, स्थानीय प्रशासन और पुलिस, मोटरबोट और लाइफ जैकेट से लैस एसडीआरएफ की टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

ओडिशा सरकार ने जमीन रजिस्ट्रेशन दफ्तरों की कड़ी निगरानी के आदेश दिए

विश्व केसरी

भुवनेश्वर। राज्य के कुछ हिस्सों में जमीन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में गड़बड़ी की खबरों के बाद ओडिशा के राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग ने बुधवार को जिला कलेक्टरों को सख्त निर्देश दिया है। कलेक्टरों से कहा गया है कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले रजिस्ट्रेशन दफ्तरों के कामकाज की नियमित रूप से निगरानी करें और उन पर कड़ी नजर रखें।

राजस्व विभाग ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि राज्य सरकार जमीन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी, जवाबदेह और नियमों व कानूनों के अनुरूप बनाने पर जोर दे रही है।

कलेक्टरों को भेजे गए एक संदेश में राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरबिंद कुमार पाधी ने कहा कि राज्य के नुआपाड़ा जिले में जमीन रजिस्ट्रेशन से जुड़ा धोखाधड़ी का एक गंभीर मामला सामने आया है।

मामला विभाग के संज्ञान में आने के बाद नुआपाड़ा जिले की कोमना तहसील के तहसीलदार और सब-रजिस्ट्रार के तौर पर काम कर रहे सर्वेश्वर जल को राज्य सरकार ने तुरंत सस्पेंड कर दिया है।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि अधिकारी ने कथित तौर पर अपने निजी स्वार्थ वाले समूहों के साथ मिलकर जमीन के एक बड़े हिस्से का धोखाधड़ी से रजिस्ट्रेशन करवाया।

इस मामले में नुआपाड़ा के कलेक्टर मधुसूदन डैश से मिली जानकारी के बाद, राज्य सरकार ने संबंधित तहसीलदार को तुरंत सस्पेंड कर दिया।

विभाग ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके जिलों के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट (एडीएम) और डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार रजिस्ट्रेशन से जुड़ी गतिविधियों पर नियमित रूप से नजर रखें और कड़ी निगरानी बनाए रखें।

विधायक जयराम महतो की पांच दिनों में गिरफ्तारी न हुई तो राज्यव्यापी आंदोलनः झारखंड पुलिस एसोसिएशन

रांची। डुमरी के विधायक जयराम महतो द्वारा धनबाद के बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार से मोबाइल पर कथित तौर पर अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने विधायक जयराम महतो समेत अन्य आरोपियों की पांच दिनों के भीतर गिरफ्तारी की मांग की है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो पूरे राज्य में पुलिसकर्मी व्यापक आंदोलन करेंगे। एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू, प्रदेश उपाध्यक्ष रोहित कुमार रजक और महामंत्री संजीव कुमार ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस घटना से राज्यभर के पुलिस पदाधिकारियों और जवानों में भारी आक्रोश है। एसोसिएशन के अनुसार, 21 अगस्त 2026 की रात डुमरी विधायक ने अपने मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप कॉल कर थाना प्रभारी (पुलिस अवर निरीक्षक) रवि कुमार के साथ कथित तौर पर गाली-गलौज और अभद्र भाषा का प्रयोग किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं- 1) -::संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर ::
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /.... 34742..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2026

रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34742

वार्ड का नाम 15- कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR107L00340** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MAMTA KATARIYA** पिता / पति श्री/श्रीमती **MANSUKH LAL KATARIYA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 01. श्री अंशु तिवारी, 02. श्रीमती पारुल तिवारी पिता / पति श्री/श्रीमती 01. पिता आर. के. तिवारी, 02. पति अंशु तिवारी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6) -:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34680..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026

रायपुर, दिनांक 26-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34680

वार्ड का नाम - 61 - श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663S00394** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **HIMANSHU GUPT** पिता / पति श्री/श्रीमती **MAHESH KUMAR GUPT** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती शीतल यादव गुप्ता पिता / पति श्री/श्रीमती पति एकलब्य गुप्ता ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6) -:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34678..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026

रायपुर, दिनांक 26-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34678

वार्ड का नाम - 61 - श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663M00010** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **BISHAMBER SAHU** पिता / पति **JAGNU SAHU** श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री होरीलाल साहू पिता / पति श्री/श्रीमती पिता स्व. बिसंभर साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / shapath patr, sahmati patr, adhar card, mrityu praman patr, panchnama, nigem ta& copy / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....34715.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026

रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34715

वार्ड का नाम 18 बालगंगाधर तिलक वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR803A00304** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **LALIT KUMAR AGRAWAL** पिता / पति श्री / श्रीमती **PRABHUDAYAL AGRAWAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **NIRBHAY KUMAR SINGH** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O HEMANT KUMAR SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /.... 34827.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026

रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34827

वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR104K00104** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **GHANSHYAM SAHU, SURESH KUMAR SAHU** पिता / पति श्री / श्रीमती **BISUN SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SURESH KUMAR SAHU** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O BISUN SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत हक़ त्याग विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुरः-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /.... 34831..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2026

रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34831

वार्ड का नाम - 15 - कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR108E00168** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **H.D. MANIK GIRDHAR-LAL, HARENDRA SHANTI LAL NARENDRA LALIT S/O JAVERI LAL GOVARDHAN DAS MANIK** पिता / पति श्री/श्रीमती **GIRDHARLAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. **DEEP-ANSH SARAOGI** 2. **MANOJ SARAOGI** पिता / पति श्री/श्रीमती स/ह 1. **DINESH SARAOGI** 2. **LATE SATYANARAYAN SARAOGI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /... 34832.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026

रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34832

वार्ड का नाम 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR108E0168C** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **H.D. MANIK GIRDHAR-LAL, HARENDRA SHANTI LAL NARENDRA LALIT S/O JAVERI LAL GOVARDHAN DAS MANIK** पिता / पति श्री/श्रीमती **GIRDHARLAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. **DEEP-ANSH SARAOGI** 2. **MANOJ SARAOGI** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O** 1. **DINESH SARAOGI** 2. **LATE SATYANARAYAN SARAOGI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) -:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /...34849..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026

रायपुर, दिनांक 26-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34849

वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227T00419** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DINESH CHAND NAHATA** पिता/पति श्री श्रीमती **TARACHAND NAHATA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती धनलक्ष्मी नाहटा पिता/पति श्री श्रीमती दिनेश चंद नाहटा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) -:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /...34813..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026

रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34813

वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227P00036** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ADITI DUBEY** पिता/पति श्री श्रीमती **SUNIL DUBEY** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती रौशन कुमार सिंह पिता / पति श्री श्रीमती रंजीत कुमार सिंह ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) -:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /...34812..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026

रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34812

वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227A00446** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHARAT BHAI PATEL** पिता/पति श्री श्रीमती **HAN-SRAJ BHAI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती नोबल मार्केटिंग, रायपुर द्वारा पार्टनर वडालिया भावेशभाई वल्लभभाई पिता / पति श्री/श्रीमती वल्लभ भाई नानजी भाई वडालिया ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) - : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /...34810..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026

रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34810

वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227500713** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KRISHNA KANT PARASAR** पिता / पति श्री श्रीमती **SHRIRAM SHANKAR PARASAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. अंजली पारवानी 2. दीपशिखा खत्री पिता/पति श्री श्रीमती 1. संजय पारवानी 2. हर्ष पारवानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक पा दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) - : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /...34601..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026

रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34601

वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RP R227M00251** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHANDA PRA-JAPATI** पिता/पति श्री श्रीमती **PRADEEP PRAJAPATI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती नाजिया खान पिता/पति श्री श्रीमती फहीम खान ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) -:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /...34664..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026

रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34664

वार्ड का नाम 7-कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226K00613** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **SAVITRI GEMS AND JEW-ELRY PVT LTD:- SANJAY KUMAR SONI S/O HARIPRASAD SONI** पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **AMBUJA REALTY DEVELOP-MENT LIMITED PANKAJ MALIK** पिता/पति श्री/श्रीमती **BHUSHAN KUMAR MALIK** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7) - : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /.....34499..../ न. पा. नि. जोन क्रं 2026

रायपुर ,दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34499

वार्ड का नाम 38 स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR715D00194** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SANTOSH KUMAR** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 01. श्रीमती सरोज देशमुख, 02. श्री अमित देशमुख, 03. श्री संजय कुमार देशमुख, 04. शुभा (नेहा) बंगाली पिता / पति श्री श्रीमती 01. पति स्व. संतोष कुमार देशमुख, 02. पिता स्व. संतोष कुमार देशमुख, 03. पिता स्व. संतोष कुमार देशमुख, 04. पति नितिन बंगाली ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / shapath patr, adhar card, mrityu praman patr, old ragistri, nigam ta& copy / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3) : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....34721..../ न. पा. नि. / जोन क्र 3/2026

रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34721

वार्ड का नाम 30 - शंकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 30 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR331D00153** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MRS. SUBHADRA JHA** पिता/पति श्री स्व. **SURENDRA P . JHA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती श्रीमती मनीषा पाराशर पिता/पति श्री श्रीमती पति विनीत पाराशर ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / अपंजीकृत अपंज वसीयत नामा / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

पूर्वी उत्तर प्रदेश के 21 और बुंदेलखंड के 7 जनपदों में कृषि उत्पादकता व अन्नदाताओं की आय में होगी वृद्धिः सीएम योगी

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गूगल एवं ग्लोबल एंड नेटवर्क फॉर ह्यूमैनिटी, आईटीसी, एक्वाब्रिज के साथ हुए एमओयू एग्रीकल्चर प्रोडक्टिविटी, किसान की आय और यूपी में कृषि के भविष्य को नई दिशा देने का संकल्प हैं।

यूपीएग्रीज प्रदेश के एग्रीकल्चर को प्रोडक्टिविटी से प्रॉस्पैरिटी व फ्यूचर इकॉनमी की ओर ले जाने की महत्वपूर्ण पहल है। इसका लक्ष्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि किसान की आय, फॉर्मिंग की क्लाईमेट रेजिलिएंट कैपिसिटी (जलवायु अनुकूलन क्षमता) को वैल्यू एडिशन व रूरल एंटरप्रेन्योरशिप को एक साथ मजबूत करना भी है। ये एमओयू पूर्वी उत्तर प्रदेश के 21 तथा बुंदेलखंड के 7 जनपदों में कृषि उत्पादकता व अन्नदाताओं की आय में वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में बुधवार को विश्व बैंक वित्तपोषित उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर ग्रोथ एंड रूरल एंटरप्राइज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग (यूपी-एग्रीज) परियोजना के अंतर्गत यूपीडीएएसपी (उत्तर प्रदेश विविधीकृत कृषि सहायता परियोजना) के साथ ये एमओयू हस्ताक्षरित किए गए। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि गत वर्ष विश्व बैंक के अध्यक्ष का आगमन हुआ था। उप्र के वे क्षेत्र, जो उस समय कृषि प्रोडक्टिविटी में अत्यंत पिछड़े थे। वहां क्या होना चाहिए, इस पर उनसे चर्चा हुई, फिर यूपीएग्रीज की इस योजना को हमने आगे बढ़ाया। यूपीएग्रीज पीएम मोदी जी और विश्व बैंक के अध्यक्ष के विजन के अनुरूप यूपी में धरातल पर कार्य करते दिख रहा है। यह एमओयू उसी कड़ी को मजबूत तरीके से बढ़ाने के लिए किया गया है। हम दशकों तक यही सुनते रहे कि अन्नदाता किसानों की जय-जयकार होती थी। देश में अन्न उत्पादन बढ़ाने के दावे किए जाते थे। पैदावार बढ़ती भी थी, लेकिन किसान वहीं का वहीं खड़ा था। किसान को कभी नहीं बताया गया कि लागत कैसे घटेगी, उसकी फसल को कौन खरीदेगा और उसका माल मंडी तक कैसे जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 4000 करोड़ की विश्व बैंक समर्थित इस परियोजना का फोकस पूर्वी उत्तर प्रदेश व बुंदेलखंड है। जहां पोटेंशियल भी है और परिवर्तन की आवश्यकता भी। इन क्षेत्रों को पिछड़ेपन का पर्याय मानकर दशकों तक उपेक्षित छोड़ दिया गया था। जो क्षेत्र कभी सरकार के लिए चिंता व तनाव का कारण होता था, आज वही क्षेत्र सरकार की प्राथमिकता व प्रदेश के प्रोडक्टिविटी का कारण भी बन रहा है।

2026 एपेक की तीसरी वरिष्ठ अधिकारी बैठक ताल्येन में आयोजित

विश्व केसरी

बीजिंग। 2026 एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) की मेजबानी कर रहे चीन ने 17 से 28 अगस्त तक पूर्वोत्तर चीन के ल्याओनिंग प्रांत के ताल्येन शहर में एपेक की तीसरी वरिष्ठ अधिकारी बैठक और संबंधित सम्मेलनों का आयोजन किया।

इस दौरान प्रतिनिधियों ने व्यापार, परिवहन, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा समेत कई मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया। साथ ही, उन्होंने ताल्येन का दौरा कर उत्तर पूर्वी चीन के विकास की गति और संभावनाओं को भी करीब से देखा।

इस साल फरवरी और मई में एपेक की वरिष्ठ अधिकारी बैठक और संबंधित सम्मेलन क्रमशः क्वांगचो और शांगहाई में सफलतापूर्वक आयोजित किए गए थे। ऐसे में, ताल्येन में तीसरी वरिष्ठ अधिकारी बैठक और संबंधित सम्मेलनों का आयोजन एक बार फिर दुनिया के सामने चीन के अलग-अलग क्षेत्रों की विकास विशेषताओं को पेश कर रहा है। इसके तहत ताल्येन ने एपेक के मेहमानों के लिए उद्योग और संस्कृति को जोड़ने वाले तीन अध्ययन दौरे के मार्ग तैयार किए हैं। इन मार्गों में जहाज निर्माण से लेकर आधुनिक मत्स्य पालन और उच्च प्रौद्योगिकी से लेकर ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत तक के क्षेत्र शामिल हैं। इससे विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं के प्रतिनिधियों को चीन के विकास को समझने का एक नया अवसर मिला है।

मेक्सिको के मिचोआकन सैन निकोलस विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय अनुसंधान संस्थान के निदेशक अमेरिका ज़मोरा ने कहा कि चीन की विकास गति बहुत तेज है और यहां उद्योगों में लगातार नए बदलाव हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ताल्येन एक बेहद खूबसूरत शहर है, जो आधुनिक और आकर्षक होने के साथ-साथ फैशनेबल भी है।

शीत्सांग के नगारी क्षेत्र में फल और सब्जी उद्योग से बढ़ी लोगों की आय

विश्व केसरी

बीजिंग। 4,500 मीटर से अधिक की औसत ऊंचाई पर स्थित चीन के शीत्सांग स्वायत्त प्रदेश का नगारी क्षेत्र ऊंचाई, ठंडी जलवायु, ऑक्सीजन की कमी और कम पाला मुक्त अवधि जैसी परिस्थितियों के कारण पारंपरिक रूप से खेती के लिए अनुकूल नहीं माना जाता था।

ऐसे में स्थानीय लोगों के लिए सर्दियों में ताजी हरी सब्जियां मिलना मुश्किल होता था और फलों तथा सब्जियों की कीमतें भी लगातार ऊंची रहती थीं। लेकिन, अब सुविधा संपन्न कृषि के विकास से स्थिति बदल रही है। स्थानीय बाजारों में फल और सब्जियां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं और कीमतें भी पहले के मुकाबले कम हुई हैं। इससे लोगों की खाने की थाली भी पहले से ज्यादा समृद्ध हुई है।

नगारी क्षेत्र में फल और सब्जियों की आपूर्ति के एक प्रमुख केंद्र के रूप में, गार काउंटी पारिस्थितिक कृषि औद्योगिक पार्क 2018 से काम कर रहा है। करीब 1,000 म्यू यानी 66.7 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस पार्क में कई ग्रीनहाउस बनाए गए हैं। यहां सब्जियों, फलों और खाद्य कवक समेत 30 से अधिक तरह की फसलें उगाई जाती हैं। यह नगारी क्षेत्र का सबसे बड़ा उच्च ऊंचाई वाला फल और सब्जी उत्पादन केंद्र है। वर्ष 2024 में इसे स्वायत्त प्रदेश स्तर के कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी पार्क का दर्जा भी दिया गया।

इसी बीच, कृषि विशेषज्ञों की मदद से पार्क ने कम तापमान, तेज पराबैंगनी विकिरण और कम पाला मुक्त अवधि जैसी कई मुश्किलों का सामना करते हुए बिना मिट्टी के खेती की तकनीक को बढ़ावा दिया है। गर्मियों में यहां पैदा होने वाले फल और सब्जियां स्थानीय मांग का 40 प्रतिशत तक पूरा कर सकती हैं। इससे स्थानीय बाजार में आपूर्ति बढ़ी है और कीमतों को स्थिर रखने में भी मदद मिली है।

इसके अलावा, पार्क 'कंपनी + सहकारी समिति + किसान व चरवाहा' मॉडल के जरिए स्थानीय लोगों को कृषि उत्पादन से जोड़ रहा है। इस मॉडल के तहत अब तक 500 से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया गया है और 30 से अधिक स्थानीय तकनीकी कर्मचारियों को तैयार किया गया है। साथ ही, 1,000 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं और 40 लाख युआन से अधिक का वेतन वितरित किया गया है।

इस तरह नगारी में फल और सब्जी उद्योग न केवल स्थानीय लोगों के लिए ताजी और सस्ती खाद्य सामग्री उपलब्ध करा रहा है, बल्कि उनकी आय बढ़ाने और आजीविका को बेहतर बनाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

भारत में पहली बार विकसित होगा हाई-पावर हेलीकॉप्टर इंजन 'अरावली', एचएएल और सफ्रान ने किया समझौता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और फ्रांस की सैफ्रान हेलीकॉप्टर इंजन्स ने भारत में पहली बार एक हाई-पावर हेलीकॉप्टर इंजन के संयुक्त डिजाइन और विकास के लिए बड़ा समझौता किया है। दोनों कंपनियों के 50:50 संयुक्त उपक्रम सफल हेलीकॉप्टर इंजन्स प्राइवेट लिमिटेड के तहत विकसित होने वाले इस नई पीढ़ी के इंजन का नाम 'अरावली' रखा गया है।

एचएएल की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, 3,500 से 4,000 शाफ्ट हॉर्सपावर क्षमता वाला 'अरावली' इंजन भारत के आगामी 13 टन इंडियन मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर (आईएमआरएच) और इसके नौसैनिक संस्करण डेक-बेस्ड मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर (डीबीएमआरएच) को शक्ति देगा। यह पहली बार होगा जब भारत में इतने उच्च क्षमता वाले हेलीकॉप्टर इंजन का डिजाइन और विकास किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि यह परियोजना लाइसेंस आधारित उत्पादन से आगे बढ़कर हाई-पावर हेलीकॉप्टर इंजन के संयुक्त विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे भारत को इंजन प्रोपल्शन से जुड़ी महत्वपूर्ण तकनीकों में आत्मनिर्भरता हासिल करने का अवसर मिलेगा।

'अरावली' इंजन का निर्माण कर्नाटक के तुमकुरु स्थित सफल संयंत्र में किया जाएगा। इस परियोजना के तहत एचएएल को हाई-प्रेशर कंप्रेसर, पावर टर्बाइन, फ्यूल और ऑयल सिस्टम, एक्सेसरी गियरबॉक्स तथा इंजन एक्सटर्नल सिस्टम जैसी प्रमुख इंजन तकनीकों तक पहुंच मिलेगी, जो भविष्य की स्वदेशी एयरो-इंजन परियोजनाओं के लिए अहम मानी जाती हैं।

एचएएल और सैफ्रान के इंजीनियर पूरे विकास कार्यक्रम के दौरान साथ मिलकर काम करेंगे। इससे भारतीय इंजीनियरों को अंतरराष्ट्रीय डिजाइन प्रक्रियाओं, परीक्षण मानकों और प्रमाणन प्रणाली का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। एचएएल को इंजन डिजाइन से जुड़े बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपी) और तकनीकी विशेषज्ञता भी प्राप्त होगी।

कंपनी के अनुसार, यह इंजन केवल सैन्य हेलीकॉप्टरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भविष्य में अपतटीय परिवहन, उपयोगिता मिशनों और वीवीआईपी परिवहन जैसे नागरिक उड्डयन क्षेत्रों में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा।

एचएएल ने बताया कि 'अरावली' इंजन के डिजाइन और विकास का कार्य 2032-33 तक पूरा होने की उम्मीद है। वहीं, आईएमआरएच और डीबीएमआरएच परियोजनाएं रक्षा मंत्रालय से स्वीकृति की आवश्यकता और कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की मंजूरी का इंतजार कर रही हैं।

चीन के एनईवी उद्योग का आकार 1 करोड़ से अधिक

विश्व केसरी

बीजिंग। चीन 15वीं पंचवर्षीय योजना (2026 से 2030) के दौरान वाहन गुणवत्ता और ऑटोनॉमस ड्राइविंग की सुरक्षा जैसे प्रमुख मुद्दों के समाधान में तेजी लाएगा। इसके लिए 'स्मार्ट कनेक्टेड एनईवी उद्योग के विकास की 15वीं पंचवर्षीय योजना' तैयार की गई है, जिसमें उद्योग के उच्च गुणवत्ता वाले विकास को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय शामिल हैं।

यह जानकारी चीनी राज्य परिषद के सूचना कार्यालय द्वारा बुधवार सुबह आयोजित '15वीं पंचवर्षीय योजना की शुरुआत' विषय पर एक संवाददाता सम्मेलन में दी गई है।

बताया गया है कि 14वीं पंचवर्षीय योजना (2021 से 2025) के दौरान चीन के नव ऊर्जा वाहन (एनईवी) उद्योग का आकार 10 लाख के स्तर से बढ़कर 1 करोड़ से अधिक हो गया। इस दौरान वार्षिक बिक्री 13 लाख 67 हजार से बढ़कर 1 करोड़ 64 लाख 90 हजार हो गई। कुल नई कारों की बिक्री में एनईवी की हिस्सेदारी भी 5.4 प्रतिशत से बढ़कर 47.9 प्रतिशत हो गई।

इसी के साथ, उद्योग से जुड़ी पूरी सप्लाई चेन तेजी से मजबूत हुई है। एनईवी, पावर बैटरी और प्रमुख कच्चा माल के वैश्विक उत्पादन में चीन की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से अधिक हो गई है। इसके अलावा, चीन में बने एनईवी का अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव भी लगातार बढ़ रहा है और इनके उत्पाद 100 से अधिक देशों और क्षेत्रों में निर्यात किए जा रहे हैं।

15वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान चीन एनईवी उत्पादों की गुणवत्ता और आपूर्ति में सुधार पर जोर देगा। साथ ही, स्मार्ट कनेक्टेड वाहनों से जुड़ी पायलट परियोजनाओं को सावधानीपूर्वक आगे बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा, उपभोक्ताओं के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए चार्जिंग और अन्य सहायक बुनियादी ढांचे को भी बेहतर बनाया जाएगा।

इस दिशा में उद्योग एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के उप मंत्री शिन क्वोपिन ने कहा कि चीन उद्योग के नियमन और प्रबंधन की व्यवस्था को बेहतर करेगा। साथ ही, उत्पादों की गुणवत्ता की जांच मजबूत की जाएगी, उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा की जाएगी और उद्योग में प्रतिस्पर्धा को व्यवस्थित किया जाएगा।

इसके अलावा, चीन द्विपक्षीय और बहुपक्षीय माध्यमों से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को और मजबूत करेगा।

कर्नाटक : चामराजनगर में रिहायशी इलाकों के पास दिखी बाघिन, वन विभाग ने पकड़ा

विश्व केसरी

चामराजनगर (कर्नाटक)। कर्नाटक के चामराजनगर जिले में मद्दुर के पास वन विभाग की एक टीम ने 12 साल की एक बाघिन को पकड़ा। यह बाघिन इंसानी बस्तियों के पास के इलाकों में आ गई थी, जिससे वहां के लोगों में डर और घबराहट फैल गई थी।

माना जा रहा है कि बाघिन के सीने में चोट लगी है। वह मद्दुर कॉलोनी और आसपास के रिहायशी इलाकों में घूम रही थी और शायद जंगल वापस नहीं लौट पा रही थी। वन अधिकारियों को शक है कि किसी दूसरे बाघ के साथ लड़ाई में उसे यह चोट लगी होगी।

इस बाघिन की मौजूदगी से कई दिनों तक स्थानीय ग्रामीण डरे हुए थे। आखिरकार, वन विभाग के लंबे ऑपरेशन के बाद इसे पकड़ने पर लोगों ने राहत की सांस ली।

मंगलवार को गुंड्लुपेट तालुक के मद्दुर गांव के रहने वाले राजेंद्र नाम के एक युवक ने अपने खेत में काम करते समय बाघिन को देखा। बताया जाता है कि यह जानवर उससे कुछ ही मीटर की दूरी पर आ गया था, जिससे वह हैरान और डर गया।

जान बचाने के लिए राजेंद्र तुरंत गांव की ओर भागा और सुरक्षित बच निकला। इस घटना के बाद ग्रामीणों को सतर्क किया गया और उन्होंने तुरंत बांदीपुर वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी।

वन अधिकारियों की एक टीम मौके पर पहुंची और जानवर का पता लगाने के लिए ऑपरेशन शुरू की।

पश्चिम बंगालः हावड़ा के अंडुल में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत, 12 लोगों को बचाया गया

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में स्थित अंडुल इलाके के मौरीग्राम में एक घर में बुधवार दोपहर भीषण आग लग गई। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 12 लोगों को घर से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। वहीं, आग बुझाने के लिए दमकल की पांच गाड़ियां तैनात की गईं।

मिली जानकारी के अनुसार, घर की दूसरी मंजिल पर आग लगी थी। फायर डिपार्टमेंट की शुरुआती जांच से संकेत मिला है कि आग शायद पहले किचन में लगी और फिर पूरी मंजिल में फैल गई। शॉर्ट सर्किट इसकी वजह हो सकती है। घंटों की मशक्कत के बाद दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया। दमकल विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि कहीं घर में कोई छोटी-मोटी आग न बची हो।

मृतक की पहचान गोपा चक्रवर्ती (72) के तौर पर हुई है। शुरू में खबर मिली थी कि कई लोग इमारत के अंदर फंसे हुए हैं। उनमें से कई लोगों को तुरंत बचा लिया गया।

इमारत और घर में काला धुआं भर गया, जिससे दम घुटने जैसे हालात बन गए।

यूएनसीसीडी कॉप17ः गुजरात के बन्नी घास के मैदानों में चीता बसाने की योजना का भारत ने किया जिक्र

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम सम्मेलन (यूएनसीसीडी) के 17वें कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज़ (कॉप17) में गुजरात के कच्छ स्थित बन्नी घास के मैदानों में चीतों को बसाने की प्रस्तावित योजना का उल्लेख करते हुए चरागाहों के संरक्षण और पुनर्स्थापन में स्थानीय समुदायों की भूमिका को रेखांकित किया।

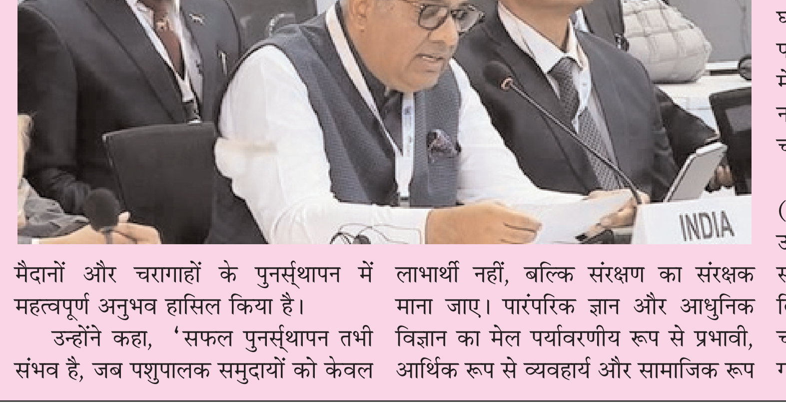

मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में आयोजित सम्मेलन के मंत्रीस्तरीय संवाद को संबोधित करते हुए केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत ने वैज्ञानिक योजना और सामुदायिक भागीदारी के समन्वय से घास के मैदानों और चरागाहों के पुनर्स्थापन में महत्वपूर्ण अनुभव हासिल किया है।

उन्होंने कहा, 'सफल पुनर्स्थापन तभी संभव है, जब पशुपालक समुदायों को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि संरक्षण का संरक्षक माना जाए। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का मेल पर्यावरणीय रूप से प्रभावी, आर्थिक रूप से व्यवहार्य और सामाजिक रूप से समावेशी समाधान दे सकता है।'

बन्नी घास के मैदान कच्छ के ग्रेट रण के उत्तरी हिस्से में स्थित हैं और यहां 60 से अधिक प्रकार की घास पाई जाती है। इन घास के मैदानों की देखभाल मालधारी पशुपालक समुदाय करता है, जो 19 पंचायतों में फैला हुआ है। उनके भैंस और कांकरेज नस्ल के मवेशी पिछले 400 वर्षों से यहां चरते रहे हैं।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान से दो जोड़ी यानी चार चीतों को बन्नी स्थानांतरित करने की मंजूरी दे दी है। इसके लिए वहां बाड़ा तैयार किया जा चुका है और चीतों के लिए शिकार प्रजातियों को भी छोड़ा गया है।

संपादकीय

स्नेह की डोरी का अटूट बंधनः रक्षाबंधन

वसुंधरा धर्माणी

त्योहार हमारे जीवन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हिंदू धर्म के अनुसार त्योहार आपसी भाईचारा और एकता का प्रतीक होते हैं। यही कारण है कि समय कितना भी बदल जाए ,जीवन कितना भी आधुनिक क्यों न हो जाए लेकिन रक्षाबंधन की मिठास आज भी मन को उसी तरह छूती है। 'रक्षाबंधन' केवल कलाई पर बंधने वाली एक राखी का नाम नहीं है, बल्कि यह उन अनकहे भावों का उत्सव है जिन्हें शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना आसान नहीं होता। राखी का एक छोटा सा धागा भाई- बहन के बीच स्नेह, विश्वास, अपनापन और एक दूसरे के प्रति ज़िम्मेदारी की भी याद दिलाता है।

यह पर्व मात्र रक्षा सूत्र के रूप में राखी बांधकर रक्षा का वचन ही नहीं देता, अपितु प्रेम, निष्ठा, संकल्प के जरिए हृदय को बांधने का भी वचन देता है। भारतीय परंपरा के अनुसार इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है और भाई तमाम उम्र अपनी बहन की रक्षा के लिए वचनबद्ध होकर उसकी सुख- दुख में साथ देता है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार प्राचीन काल में 12 वर्षों तक देवासुर संग्राम होता रहा, जिसमें देवताओं की हार हो रही थी। दु:खी और पराजित इंद्र गुरु बृहस्पति के पास के गये। वहीं इंद्र की पत्नी शचि भी थी। इंद्र की व्यथा जानकर इंद्राणी ने कहा कि कल ब्राह्मण पूर्णिमा है, मैं विधिवत रक्षा सूत्र तैयार करूंगी। उसे आप ब्राह्मणों से बंधवा लेना। निश्चय ही आपकी विजय होगी। दूसरे दिन इंद्र ने इंद्राणी द्वारा बनाए रक्षा सूत्र को बृहस्पति जी से बंधवा लिया। इसके प्रभाव से इंद्र सहित सभी देवताओं की विजय हुई और तभी से यह रक्षाबंधन पर्व ब्राह्मणों के माध्यम से मनाया जाने लगा। ब्राह्मण घर घर जाकर यजमानों को रक्षा सूत्र बांटते थे और विपत्ति तथा संकट के समय वे अपने यजमानों की रक्षा के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते थे। आज भी घर- घर जाकर पंडित अपने यजमानों को राखियां पहुंचाते हैं और ईश्वर से उनके सुख की कामना करते हैं।

द्वापर युग में जब श्री कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया था तो उनकी तर्जनी में चोट आ गई थी। द्रौपदी ने उस समय अपनी साड़ी का टुकड़ा फाड़ कर उनकी उंगली में पट्टी बंधी थी। बाद में हस्तिनापुर की सभा में श्री कृष्ण ने इस उपकार का बदला चीर हरण के समय उनकी

साड़ी को बढ़ाकर चुकाया था। कहा जाता है कि इस समय से इस अटल बंधन 'रक्षाबंधन' की शुरुआत हुई तब से लेकर आज तक यह त्योहार भाई-बहन के अटूट प्यार का प्रतीक बन गया।

रक्षाबंधन आते ही जैसे पुरानी यादों का संदूक खुल जाता है। आज भले ही भाई -बहन अलग-अलग शहरों में रहते हों, उनकी दिनचर्या अलग हो, मुलाकातें कम होती हों, लेकिन राखी का त्योहार उन्हें भावनाओं के उसी पुराने आँगन में वापस ले जाता है। रक्षाबंधन से 8 दिन पहले ही आटे से सेवइयाँ बनना शुरू हो जाती थी जो चारपाई पर सुखाई जाती थी। उस दिन देसी घी डालकर उन्हें बड़ी सी कड़ाही में बनाया जाता था। जिनकी खुशबू से घर द्वार महक जाते थे। आजकल सभी दुकान से सेवइयाँ खरीद कर लाते हैं और उन्हें बनाते हैं। साथ में मिठाई भी बाँटते हैं।

रक्षाबंधन के दिन बहनें सुबह स्नान करके पूजा की थाली तैयार करती हैं जिसमें राखी, चावल, कुमकुम, मिठाई और दीपक होता है। वे अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनके माथे पर तिलक लगाकर मिठाई खिलाती हैं। राखी का यह अनमोल रिश्ता महज़ कच्चे धागों की परंपरा भर नहीं है, अपितु उपहारों का भी त्योहार है। बदले में भाई अपनी बहन को सामर्थ्य के अनुसार उपहार देता है जो वह सहर्ष स्वीकार करती है और अपनी ढेर सारी शुभकामनाएँ और आशीर्वाद अपने भाई को देती है।

यह त्योहार सिर्फ हिंदू धर्म में ही नहीं बल्कि भारत के विभिन्न भागों में अलग-अलग धर्मों और समुदायों द्वारा भी मनाया जाता है। यह एकता और भाईचारे का प्रतीक है। आज भी हर बहन अपने भाई से इसी तरह की उम्मीद करती है कि जब भी वह किसी मुसीबत या परेशानी में हो तो उसका भाई आकर उसकी मदद करें। जहां यह त्योहार बहन के लिए भाई के प्रति स्नेह को दर्शाता है वहीं यह भाई को उसके कर्तव्यों का बोध भी कराता है।

हिंसा नहीं, संवाद ही लोकतंत्र की संजीवनी

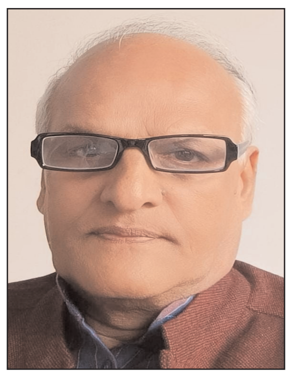

गिरीश पंकज

लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति उसकी संसद, विधानमंडलों या राजभवनों में नहीं, बल्कि उसकी सड़कों और वहां अपनी आवाज उठाने वाले नागरिकों की चेतना में बसती है। जब भारत औपनिवेशिक दासता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था, तब हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने विदेशी हुकूमत के अत्याचारों के खिलाफ आंदोलन का रास्ता चुना था। उस दौर में औपनिवेशिक पुलिस आंदोलनकारियों की आवाज दबाने के लिए लाठीचार्ज करती थी, जलियांवाला बाग जैसी बर्बरता दोहराती थी और गोलियां चलाती थी। उस समय पुलिस का उद्देश्य जनता की सुरक्षा नहीं, बल्कि एक विदेशी सत्ता के आदेशों की रक्षा करना था। आज भारत अपनी स्वतंत्रता के आठवें दशक में प्रवेश कर चुका है। एक संप्रभु, लोकतांत्रिक और गणतांत्रिक राष्ट्र के रूप में यह गंभीर आत्ममंथन का विषय है कि क्या स्वतंत्र भारत की व्यवस्था आज भी नागरिकों के साथ औपनिवेशिक मानसिकता से व्यवहार कर रही है अपनी जायज मांगों, अधिकारों और समस्याओं को लेकर सड़कों पर उतरने वाले नागरिकों पर पुलिस का लाठी बरसाना, वॉटर कैनन, आंसू गैस और पैलेट गन का इस्तेमाल करना किसी भी सभ्य लोकतंत्र की मर्यादा के अनुकूल नहीं है। असहमति और शांतिपूर्ण विरोध को अपराध की तरह देखना लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों पर सीधा प्रहार है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19-ए नागरिकों को विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, वहीं अनुच्छेद 19-बी बिना हथियारों के शांतिपूर्वक एकत्रित होने और सम्मेलन करने का मौलिक अधिकार

प्रदान करता है। लोकतंत्र केवल पांच वर्ष में एक बार मतदान करने तक सीमित नहीं है, यह एक निरंतर चलने वाली संवाद प्रक्रिया है, जिसमें सरकार और जनता के बीच सतत तालमेल आवश्यक है। जब व्यवस्था के भीतर नागरिकों की समस्याओं की अनदेखी होती है, तो सड़कों पर उतरना उनका अंतिम और सबसे प्रभावी लोकतांत्रिक उपाय बनता है,आंदोलन सत्ता में बैठे लोगों को याद दिलाते हैं कि वे जनता के सेवक हैं, स्वामी नहीं। भारत का इतिहास गवाह है कि कई बड़े सामाजिक और कानूनी सुधार केवल जन-आंदोलनों और शांतिपूर्ण सत्याग्रह के माध्यम से ही संभव हो पाए हैं।

लोकतांत्रिक पुलिस व्यवस्था

स्वतंत्रता पूर्व की पुलिस का ढांचा 'जनता को नियंत्रित करने' के लिए बनाया गया था, जबकि स्वतंत्र भारत की पुलिस का दायित्व 'जनता की सेवा और सुरक्षा करना' है। दुर्भाग्य से, आज भी आंदोलनों से निपटने के लिए कई बार उसी दमनकारी पद्धति का सहारा लिया जाता है। अक्सर यह देखा गया है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में पुलिस की अत्यधिक आक्रामकता या कठोर बैरिकेडिंग स्थिति को अधिक तनावग्रस्त बना देती है। पुलिस का प्राथमिक कार्य व्यवस्था बनाए रखना और दोनों पक्षों के बीच बफर का काम करना होना चाहिए, न कि आंदोलनकारियों को भड़काना।

एक जीवंत लोकतंत्र में विरोध के तरीके केवल औपचारिक ज्ञापनों तक सीमित नहीं हो सकते। जनता अपने आक्रोश, असहमति और निराशा को प्रकट करने के लिए कई प्रतीकात्मक तरीकों का सहारा लेती है। सरकार या नीतियों के खिलाफ नारे लगाना राजद्रोह या अशांति फैलाना नहीं है। तीखे से तीखे नारों को भी लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। जब तक नारे हिंसा को प्रत्यक्ष रूप से नहीं भड़काते, तब तक उन पर दंडात्मक कार्रवाई करना अनावश्यक है। नेताओं या नीतियों के पुतले जलाना भारत में विरोध का एक पुराना और स्थापित प्रतीकात्मक तरीका रहा है। यह किसी व्यक्ति पर वास्तविक हिंसा नहीं, बल्कि नीतिगत विफलता या असंतोष का प्रतीकात्मक प्रदर्शन है। प्रशासन को इस पर अत्यधिक आपत्ति जताने या इसे गंभीर अपराध की तरह दर्ज करने के बजाय इसे जनता के आक्रोश निकालने के एक माध्यम के रूप में देखना चाहिए। जब नागरिक किसी मंत्री, विधायक या प्रशासनिक अधिकारी के आवास अथवा कार्यालय का घेराव करने निकलते हैं, तो उनका उद्देश्य हिंसा करना नहीं, बल्कि अपनी बात सीधे अपने चुने हुए प्रतिनिधियों तक पहुँचाना होता है। ऐसी स्थितियों में प्रशासन की भूमिका टकराव टालने वाली होनी चाहिए। पूरे प्रदर्शन को बलपूर्वक रोकने के बजाय आंदोलनकारियों के 4-5 प्रमुख प्रतिनिधियों का एक प्रतिनिधिमंडल बनाना चाहिए। प्रशासन को मध्यस्थ बनकर उस प्रतिनिधिमंडल की मंत्री या वरिष्ठ अधिकारी से सीधी मुलाकात करवानी चाहिए।

संवाद स्थापित होते ही आंदोलन की तीव्रता और टकराव की संभावना स्वत: समाप्त हो जाती है।

जन-आंदोलनों के प्रबंधन के लिए आवश्यक सुधार

सकारात्मक चिंतन और सुदृढ़ लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए प्रशासनिक ढांचे में कुछ व्यावहारिक और नीतिगत बदलाव अनिवार्य हैं। ज़रूरी है कि पुलिस प्रशिक्षण में मानवता को प्राथमिकता दी जाए ।

पुलिस बलों को भीड़ नियंत्रण के दौरान धैर्य, मनोवैज्ञानिक समझ और संवाद कौशल का विशेष प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। बल प्रयोग हमेशा अंतिम विकल्प होना चाहिए, प्रारंभिक प्रतिक्रिया नहीं। नागरिक प्रदर्शनों पर पैलेट गन, अत्यधिक घातक प्लास्टिक बुलेट या अंधाधुंध लाठीचार्ज जैसी कार्रवाइयों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगना चाहिए।

इससे नागरिकों में व्यवस्था के प्रति स्थायी अविश्वास और आक्रोश पैदा होता है। प्रत्येक बड़े प्रदर्शन के दौरान स्वतंत्र पर्यवेक्षकों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को मध्यस्थ के रूप में उपस्थित रहने की अनुमति होनी चाहिए, ताकि दोनों पक्षों के बीच अविश्वास की खाई न बने।

अधिकारों के साथ-साथ आंदोलनकारियों का भी यह नैतिक दायित्व बनता है कि वे अपने आंदोलन को गांधीवादी सिद्धांतों के अनुरूप पूरी तरह अहिंसक रखें। सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुंचाना, एम्बुलेंस या आपातकालीन सेवाओं को रास्ता देना और उपद्रवी तत्वों को अपने मंच से दूर रखना प्रदर्शनकारियों की भी जिम्मेदारी है।

संवाद लोकतंत्र की संजीवनी

आंदोलनों का दमन किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। इतिहास साक्षी है कि जब-जब सरकारों ने जनभावनाओं को लाठियों और गोलियों से कुचलने का प्रयास किया है, तब-तब असंतोष और अधिक गहरा हुआ है। एक परिपक्व लोकतंत्र वही है जो अपने आलोचकों और प्रदर्शनकारियों को शत्रु नहीं, बल्कि समाज के सजग प्रहरी के रूप में देखता है। सरकार और प्रशासन का कर्तव्य है कि वे भय और दमन के औपनिवेशिक साए से बाहर निकलकर विश्वास, धैर्य और निरंतर संवाद की परंपरा को मजबूत करें। यही लोकतंत्र की संजीवनी है। जब सड़कों पर उठी आवाज को राजभवनों में गंभीरता से सुना जाएगा, तभी हमारी स्वतंत्रता और संविधान का वास्तविक सपना साकार होगा।

अंग्रेजों का जमाना चला गया। देश अब स्वतंत्र है । देश में नागरिकों को अपनी मांगों के साथ सड़कों पर उतरने का सांविधानिक अधिकार है। अगर उस अधिकार का भी लोकतंत्र में पालन नहीं करने दिया जाएगा, तो लोकतंत्र की गरिमा कैसे बनेगी अब समय आ गया है कि विभिन्न राजनीतिक दल इस बात का आत्म मंथन करें कि वे जब सत्ता में आएँ,तो पुलिस को निरंकुश न होने दें ।उन्हें सख्त निर्देश दिए जाएं कि शांतिपूर्वक आंदोलन करने वाले लोगों को वह बर्दाश्त करे, और कानून व्यवस्था को बनाए रखे । न कि बिगाड़ने का काम करे ।

राजनीति में युवाओं के लिए अवसर

भूपेंद्र भारतीय

राजनीति में युवा पीढ़ी को जरूर आना चाहिए। लेकिन वर्तमान कॉरपोरेट राजनीति से बचना चाहिए। कॉरपोरेट राजनीति में युवा लंबे समय तक नहीं टिक सकते हैं, यह चंद लोगों का एक मकड़जाल होता है जो निजी स्वार्थ के लिए राजनीति में हस्तक्षेप करते हैं। ना ही युवाओं को पारिवारिक राजनीतिक दल में रहकर राजनीति करने से स्थाई राजनीतिक पहचान मिलती है। आप किसी भी दल या फिर संगठन का सदस्य बनकर राजनीति में आ सकते हैं लेकिन पहले आपको स्वयं का वोटबैंक बनाना होगा। अपने नेतृत्व गुण को समाज के बीच ले जाना होगा। जनता से सीधे जुड़ना होगा। उनकी समस्याओं को सुनना व उसका आसान समाधान जनता के सामने रखना होगा। ना कि किसी नेता की चाटूकारिता व सस्ती लोकप्रियता के लिए। जनता को अपने नेतृत्व व संवाद माध्यम से यह विश्वास दिलाना होगा कि आप उनके भले के लिए उनके साथ जुड़ना चाहते हैं, ना कि किसी निजी स्वार्थ के लिए।

लोगों के सुख दुख से जब आप सीधे सीधे जुड़ेगे तो वे लोग आपके नेतृत्व को अपने आप अपना लेगें। वे आपको अपना नेता(लीडर) स्वयं मानने लगेंगे। दूसरे व आपके दल -संगठन छोटे-बड़े नेता धीरे धीरे आपका नेतृत्व मानने लगेंगे। सिर्फ किसी दल व संगठन का सदस्य व पदाधिकारी बनने से कोई नेता नहीं हो जाता, कुछ दिन सेल्फी, पोस्टर, किसी आंदोलन में भाग लेकर व सोशल मीडिया के सहारे राजनीति हो भी सकती है, जातिवाद की राजनीति के सहारे आप कुछ सालों तक टिक सकते हो, लेकिन लंबे समय तक नहीं।

लोग आपको नेता मान भी ले, लेकिन जब तक कि आपके पास कम से कम 500 से ऊपर का एक मजबूत वोटबैंक नहीं हो। शुरुआत दस लोगों से भी हो सकती है। जैसे जैसे आप इस आंकड़े को बढ़ाते जाऐंगे, आप राजनीति में अपनी पकड़ भी बढ़ाते जाऐंगे। लंबी दूरी व समय तक वहीं व्यक्ति राजनीति कर सकता है जिसके पास एक मजबूत जनाधार हो। जनता का उसपर विश्वास हो। मजबूत जनाधार के लिए लोगों के बीच रहना पड़ता है, उनके सुख दुख में काम आना होता है। उनकी दैनंदिन की समस्याओं को उठाना पड़ता है। लोगों से संवाद जीवंत होना चाहिए। सिर्फ़ रैली व प्रचार प्रसार से ज्यादा कुछ नहीं होता है। ऐसे तो बड़े नेता स्वयं का माहौल बनाने के लिए आपका व आपकी पूँजी का उपयोग करते हैं। ओर जैसे ही आपके पास पूँजी खत्म, ये बड़े नेता आपको राजनीति में से 'दूध से मख्खी की तरह निकाल' देते हैं।

यहां विवाहित व परिवार में रहने वाले नेता एक निश्चित आजीविका का साधन जरूर रखे, नहीं तो आप लंबे समय तक राजनीति नहीं कर सकते हैं। क्योंकि राजनीति कोई आय का साधन पूर्ण रूप से नहीं रहा है। इस बात का ध्यान नहीं रखा तो आप जल्द ही मानसिक तनाव के शिकार हो जाऐंगे। यह बात अविवाहित नेता पर लागू नहीं होती। क्योंकि उनके पास परिवार की जिम्मेदारी नहीं होती। विगत दिनों शहजाद पूनावाला का उदाहरण देखा जा सकता है इस तरह के मामलों में व ऐसे ओर भी उदाहरण देखे जा सकते हैं।

एक बात ध्यान रखें वर्तमान राजनीति कॉरपोरेट घरानों से घिरती जा रही है लेकिन इसमें जमीनी नेताओं के लिए अब भी अपार संभावनाएं व सफलता का अवसर भी है। यह हमेशा ध्यान रखें कि राजनीति सेवा का क्षेत्र है ना कि धन कमाने का साधन।

बाकि आप जैसे जैसे लोगों के बीच जाऐंगे व उनसे संवाद कायम करेगें, आपको नेतृत्व, नेता व राजनीति की कार्यशैली अपने आप समझ आऐगी। हां राजनीति में भी आपको संवाद कला व अपनी बात सरलता से जनता के बीच रखने में दिनोंदिन मेहनत करना होगा।

बोध कथा

चिंता की मार

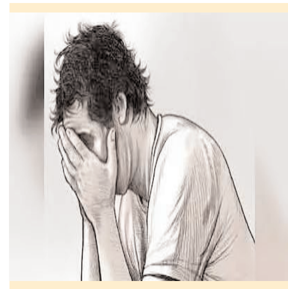

दो वैज्ञानिक बातचीत कर रहे थे। उनमें एक वृद्ध और एक युवा था। वृद्ध वैज्ञानिक ने कहा, 'चाहे

विज्ञान कितनी भी प्रगति क्यों न कर ले, लेकिन वह अभी तक ऐसा कोई उपकरण नहीं ढूंढ पाया, जिससे चिंता पर लगाम कसी जा सके।' युवा वैज्ञानिक मुस्कराते हुए बोला, 'आप भी कैसी बातें करते हैं। अरे चिंता तो मामूली सी बात है। भला उसके लिए उपकरण ढूंढने में समय क्यों नष्ट किया जाए?' वृद्ध वैज्ञानिक ने कहा, 'चिंता बहुत भयानक होती है। यह व्यक्ति का सर्वनाश कर देती है ।' लेकिन युवा वैज्ञानिक उनसे सहमत नहीं हुआ।

बौद्ध धर्म

वृद्ध वैज्ञानिक उसे अपने साथ घने जंगलों की ओर ले गए। एक विशालकाय वृक्ष के आगे वे खड़े हो गए। युवा वैज्ञानिक बोला, 'आप मुझे यहां क्यों लाए हैं?' वृद्ध वैज्ञानिक ने कहा, 'जानते हो, इस वृक्ष की उम्र चार सौ वर्ष बताई गई है।' युवा वैज्ञानिक बोला, 'अवश्य होगी।' वृद्ध वैज्ञानिक ने समझाते हुए कहा, 'इस वृक्ष पर चौदह बार बिजलियां गिरी। चार सौ वर्षों से अनेक तूफानों का इसने सामना किया।' अब युवा वैज्ञानिक ने झुंझला कर कहा, 'आप साबित क्या करना चाहते हैं?'

वृद्ध वैज्ञनिक बोले, 'धैर्य रखो। यहां आओ और देखो कि इसकी जड़ में दीमक लग गया है। दीमक ने इसकी छाल को कुतर-कुतर कर तबाह कर दिया है।' युवा वैज्ञानिक ने पूछा, 'अब निष्कर्ष तो बताइए।' वृद्ध वैज्ञानिक बोले, 'जिस तरह यह विशाल वृक्ष बिजली से नष्ट नहीं हुआ, तूफान से धराशायी नहीं हुआ लेकिन मामूली दीमक उसे चट कर गया, उसी तरह चिंता का दीमक भी एक सुखी-समृद्ध और ताकतवर व्यक्ति को चट कर जाता है।' युवा वैज्ञानिक उनसे सहमत हो गया।

कविता

राखी आई है!

उद्देश्य तिवारी 'उदय'

रिश्तों को सजाने
चिन्ता को मिटाने
एक भेंट लेकर आई है!
बधाई हो भैया...
राखी आई है।

क्यों उदास होते हो?
खामोश क्यों बैठे हो?
पत्र में प्यार समेटे आई है!
बधाई हो भैया...
राखी आई है।

सूनी कलाई को भरने
तेरे माथे तिलक करने
नई सौगात लेकर आई है!
बधाई हो भैया...
राखी आई है।

आँखों के मोती पोंछ लो
संकट का मुँह मोड़ लो
खुशियों के संग आई है!
बधाई हो भैया...
राखी आई है।

मत समझ, खुद को अभागा
हाथ तेरे, बँधेगा धागा
हिम्मत साथ में लाई है!
बधाई हो भैया...
राखी आई है।

बुरी नज़र से बचाने
साथ तेरा निभाने
शक्ति बनकर आई है!
बधाई हो भैया...
राखी आई है।

करेगी तेरी आरती
माँगेगी मंगल-गति
आशीषों से भर आई है!

व्यंग्य केसरी

जनता को उल्लू बना कर..

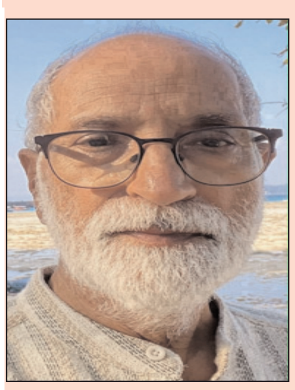

डॉ. रामेश्वरम तिवारी

भौतिकता की दृष्टि से दुनिया का हुलिया बदल जाने के बावजूद आज भी मोटे तौर पर दुनिया में दो तरह की शासन प्रणालियाँ मौजूद हैं। एक बड़ी सदियों पुरानी राजतांत्रिक व्यवस्था है जिसकी झलक आज भी दुनिया के कई देशों में नए नाम, नए रूप, नए कलेवर में देखने-सुनने को मिल जाएगी। राजतंत्र में राजा ही सर्वोपरि होता है। वही शासक और न्यायाधीश होता है। जो अपने मंत्री-महामंत्री, सिपहसालारों के ज़रिए शासन करता है। इसमें उसी के वंशीय उत्तराधिकारी होकर राजसत्ता का वारिस बनते हैं और यदि किसी कारणवश ऐसा-वैसा कुछ हो जाता है, तो दत्तक पुत्र को सत्ता सौंपी जाती है। कभी-कभार राजा के कमजोर होने या सेनापति की दग़ाबाज़ी से राजा की हत्या कर खुद सत्ता पर क़ाबिज़ हो जाता है। पर राजा और रानी के प्रति कोई वफ़ादार सैनिक राजद्रोही का वध कर पुनः राजकुमारों को गद्दीनसीन करता रहा है।

आज के समय रुस और चीन जैसे देशों में चाहे आम जनता अपने नेताओं को चुनाव के ज़रिए चुनती है, पर शासन व्यवस्था में वही राजतंत्र की एकाधिकार वाली खूनी और खूँख़ार प्रवृतियाँ कायम हैं। अगर कभी किसी आम आदमी ने सत्ता के खिलाफ जरा भी मुँह खोलने की जुर्रत या ग़ुस्ताख़ी की, तो समझो बेचारों की शामत आई। उसे फ़ौरन फाँसी पर लटका दिया जाएगा। इनके अलावा भी ज्यादातर मुस्लिम देशों में शरिया क़ानूनों का बोलबाला है। यह भी एक प्रकार के राजतंत्र का ही विकृत रूप है। जहाँ सत्ता के ग़लत कामों का विरोध का अधिकार आम जनता को नहीं है और अगर किसी ने विरोध किया या किसी प्रकार का अपराध किया है, तो उसे बहशीयाना तरीक़ों से सजा दी जाती है। न्याय व्यवस्था में व्यक्ति को क्षमादान या सुधार कोई विधान-प्रावधान नहीं है।

वहीं पर दूसरी ओर बदले हुए परिदृश्य में आज दुनिया के अनेक देशों में जनतांत्रिक व्यवस्था या प्रणाली है। अंग्रेज़ी में जिसे डेमोक्रेसी कहते हैं।अमेरिका के भूतपूर्व राष्ट्रपति अब्राहिम लिंकन के अनुसार इस व्यवस्था के अंतर्गत 'यह जनता की, जनता द्वारा, जनता के लिए चुनी गई सरकार... !' इसमें देश का कोई भी आम और ख़ास, अमीर और गरीब, आबा और बाबा यानी कोई भी धर्मी, जात-पाँत का नागरिक लोकसभा और विधानसभा के चुनावों में खड़ा होकर जीत-हार का मज़ा चख और चखा सकता है.

विगत काल में कभी जिस जनतंत्रिक प्रणाली के बारे में बौद्धिकों द्वारा कशीदे पढ़े जाते रहे आज उस पुरातन और सबसे बड़े देश में जनसेवकों और उनके दलों के मुखियाओं ने सेवा को बेईमानी और भ्रष्टाचार का हथियार बना दिया है। उनके लिए राजनीति देश और जनता की सेवा का पवित्र कार्य न होकर शुद्ध व्यापार हो गई है। सत्ता के लिए हर जायज़-नाजायज हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। पक्ष प्रतिपक्ष पर, और प्रतिपक्ष पक्ष पर चौबीसों घंटों सच्चे-झूठे आरोपों-प्रत्यारोपों की बौछार करने में लगा हुआ है।

इतिहास

27 अगस्त का दिन देश और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह रहा है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं (Important Events)1604: अमृतसर के स्वर्ण मंदिर (श्री हरमंदिर साहिब) में आदि गुरु ग्रंथ साहिब की स्थापना की गई थी।1870: भारत के पहले मजदूर संगठन के रूप में 'श्रमजीवी संघ' की स्थापना हुई।1928: पंद्रह देशों ने युद्ध को गैरकानूनी घोषित करने वाली केलॉग-ब्रायंड शांति संधि पर हस्ताक्षर किए।1939: जेट इंजन वाले विश्व के पहले विमान ने जर्मनी से अपनी पहली उड़ान भरी।1962: अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी NASA ने शुक्र ग्रह की तरफ 'मैरिनर 2' अंतरिक्ष यान लॉन्च किया।1991: माल्दोवा ने सोवियत संघ (USSR) से आजाद होने की आधिकारिक घोषणा की।

चावल लेने 20 दिनों से भटक रहे ग्रामीण, सोसायटी में लगा ताला

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। ग्राम लोहझर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत अगस्त माह का चावल लेने के लिए ग्रामीण पिछले करीब 20 दिनों से सोसायटी के चक्कर काटने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि चावल लेने के लिए वे सुबह से लेकर शाम करीब 4 बजे तक सोसायटी पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें राशन नहीं मिल पा रहा है। लगातार कई दिनों से चक्कर लगाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

सोसायटी में लगा रहता है ताला

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार राशन लेने के लिए सोसायटी पहुंचने पर वहां ताला लगा हुआ मिलता है। ग्रामीणों का कहना है कि जब सोसायटी खुलने और राशन वितरण की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिलती, तो उन्हें बार-बार वहां जाकर पूछताछ करनी पड़ती है। एक ओर चावल नहीं मिलने की समस्या है, वहीं दूसरी ओर सोसायटी बंद मिलने से ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि चावल उपलब्ध नहीं है तो इसकी स्पष्ट जानकारी ग्रामीणों को दी जानी चाहिए, ताकि वे बार-बार सोसायटी का चक्कर न लगाएं। वहीं यदि चावल उपलब्ध हो चुका है तो तत्काल वितरण शुरू किया जाना चाहिए।

ग्रामीणों के मुताबिक अगस्त माह का चावल लेने के लिए वे निर्धारित समय पर सोसायटी पहुंचते हैं। सुबह से ही ग्रामीण राशन मिलने की उम्मीद में सोसायटी के बाहर इंतजार करते रहते हैं। कई ग्रामीणों को घंटों इंतजार करने के बाद भी खाली हाथ वापस लौटना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि राशन मिलने की उम्मीद में वे अपने जरूरी काम और मजदूरी तक छोड़कर सोसायटी पहुंचते हैं, लेकिन वहां पहुंचने के बाद कभी चावल नहीं आने की बात कही जाती है तो कभी अगले दिन आने का आश्वासन दिया जाता है।

ग्रामीणों ने बताया कि सेल्समैन से चावल वितरण को लेकर पूछताछ करने पर लगातार अलग-अलग जवाब मिल रहे हैं। कभी कहा जाता है कि 'चावल नहीं आया है, कल आएगा', तो कभी 'आज चावल आएगा' कहकर ग्रामीणों को वापस भेज दिया जाता है। इसी तरह आज-कल करते हुए करीब 20 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अगस्त माह का चावल अब तक ग्रामीणों को नहीं मिल पाया है।

सुबह से शाम तक इंतजार, फिर भी खाली हाथ लौट रहे ग्रामीण

ग्रामीणों का कहना है कि राशन लेने के लिए कई लोग सुबह ही सोसायटी पहुंच जाते हैं। वे घंटों इंतजार करते हैं और शाम करीब 4 बजे तक चावल मिलने की उम्मीद लगाए रहते हैं। लेकिन कई बार घंटों इंतजार करने के बाद भी वितरण शुरू नहीं होता। इससे ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ समय की भी बर्बादी हो रही है।

ग्रामीणों की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए सरकारी राशन बेहद महत्वपूर्ण है। कई परिवारों का घरेलू खर्च इसी राशन पर निर्भर रहता है। ऐसे में समय पर चावल नहीं मिलने से उन्हें घर का राशन चलाने में परेशानी हो रही है।

अधिकारियों से जांच और तत्काल वितरण की मांग

लगातार 20 दिनों से चावल के लिए परेशान ग्रामीणों ने संबंधित खाद्य विभाग के अधिकारियों से मामले की जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि अगस्त माह का राशन जल्द से जल्द उपलब्ध कराकर पात्र हितग्राहियों को चावल का वितरण कराया जाए। साथ ही सोसायटी नियमित रूप से खोली जाए और राशन वितरण की व्यवस्था को व्यवस्थित किया जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी राशन व्यवस्था का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराना है। ऐसे में यदि ग्रामीणों को एक माह का चावल लेने के लिए 20 दिनों तक सोसायटी के चक्कर लगाने पड़ें तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द कार्रवाई की मांग की है, ताकि उन्हें आगे इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

कन्हार के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र से नक्सल डम्प बरामद

40 डेटोनेटर सहित विस्फोटक सामग्री जब्त

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत कांकेर पुलिस, बीएसएफ और बीडीएस टीम को बड़ी सफलता मिली है। थाना बांदे क्षेत्र के ग्राम कन्हारगांव के जंगल-पहाड़ी इलाके में सर्चिंग के दौरान सुरक्षा बलों ने नक्सल डम्प बरामद किया। डम्प से 40 डेटोनेटर समेत बड़ी मात्रा में विस्फोटक एवं अन्य नक्सल सामग्री बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार 25 अगस्त को जिला बल, बीएसएफ एवं बीडीएस टीम द्वारा कन्हारगांव के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में संयुक्त सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सुरक्षा बलों को नक्सल डम्प मिला। तलाशी के दौरान 40 नग डेटोनेटर, करीब 10 लीटर क्षमता का एक स्टील टिफिन जिसमें बारूद भरा हुआ था तथा करीब 5 लीटर क्षमता का एक अन्य स्टील टिफिन, जिसमें बारूद भरा हुआ था, बरामद किया गया। बरामद विस्फोटक पदार्थों को बीडीएस टीम द्वारा मौके पर ही सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया गया।

यह कार्रवाई बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक बद्री नारायण मीणा, बीएसएफ भानुप्रतापपुर के डीआईजी दीपक तिवारी, कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा तथा 94वीं वाहिनी बीएसएफ बांदे के 2आईसी एवं प्रभारी सेनानी सुभाष चंद्र के मार्गदर्शन में की गई।

अभियान में बीएसएफ 94वीं वाहिनी के इंस्पेक्टर विपिन कुमार, इंस्पेक्टर अविनाश कुमार तथा बीएसएफ बीडीएस टीम के कमांडर उप निरीक्षक रोशन लाल मीणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि नक्सल प्रभावित एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में जिला बल और बीएसएफ की संयुक्त सर्चिंग लगातार जारी है। सुरक्षा बलों द्वारा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के साथ नक्सल गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान आगे भी जारी रखा जाएगा।

3.750 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। उजियारा अभियान के तहत बांदे पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 3.750 किलोग्राम गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से गांजा, नगदी, मोटरसाइकिल और मोबाइल समेत कुल 2 लाख 73 हजार 310 रुपए की संपत्ति बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार, 25 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से पानावार से तोड़हुर की ओर गांजा लेकर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर बांदे पुलिस, बीएसएफ जी ब्रांच और बीएसएफ 94वीं बटालियन की संयुक्त टीम ने ग्राम तोड़हुर स्थित प्राथमिक शाला के सामने घेराबंदी कर मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों को पकड़ा। तलाशी में कमल मंडल (37) के कब्जे से 2.230 किलोग्राम गांजा, जिसकी कीमत 1 लाख 11 हजार 500 रुपए, गांजा बिक्री की 310 रुपए नगदी और बिना नंबर प्लेट की होंडा लिवो मोटरसाइकिल बरामद हुई। वहीं चिरंजीत मंडल (37) के कब्जे से 1.520 किलोग्राम गांजा, जिसकी कीमत 76 हजार रुपए, 500 रुपए नगदी और 10 हजार रुपए कीमत का वीवो मोबाइल बरामद किया गया। दोनों आरोपियों के कब्जे से कुल 3.750 किलोग्राम गांजा, 810 रुपए नगदी, मोटरसाइकिल और मोबाइल समेत कुल 2 लाख 73 हजार 310 रुपए की संपत्ति जब्त की गई। मामले में थाना बांदे में अपराध क्रमांक 68/2026 के तहत धारा 20(ख) एनडीपीएस एक्ट में अपराध दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

एटीएम में धातु की प्लेट लगाकर फंसी रकम चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। पुलिस अधीक्षक उत्तर बस्तर कांकेर निखिल राखेचा (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस हरीश पाटील के पर्यवेक्षण में थाना सिटी कोतवाली कांकेर पुलिस द्वारा एटीएम से राशि चोरी करने के मामले में कार्रवाई की गई। 25 अगस्त को प्रार्थी हर्ष कुमार रजक, निवासी चारामा, द्वारा थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह कांकेर शहर में इंडिया वन एटीएम का कस्टोडियन है तथा पीजी कॉलेज के पास जद्दू होटल कॉम्प्लेक्स, ठेलकाबोड़ एवं पंडरीपानी चौक स्थित एटीएम में राशि लोड एवं देखरेख का कार्य करता है। एटीएम में राशि लोड करने के दौरान कैश निकलने वाले स्थान पर धातु की प्लेट लगी हुई मिली। सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर एक ही व्यक्ति द्वारा अलग-अलग एटीएम के कैश डिस्पेंसिंग स्लॉट में धातु की प्लेट लगाते हुए पाया गया। उक्त व्यक्ति द्वारा ग्राहकों की रकम एटीएम में फंसाकर उन्हें चोरी किया जा रहा था। जांच में दिनांक 05.08.2026 से 23.08.2026 के मध्य विभिन्न घटनाओं में कुल 1,15,800/- रुपए की राशि चोरी किया जाना पाया गया। प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना के दौरान सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबिर सूचना के आधार पर संदेही की पहचान कर उसे अभिरक्षा में लिया गया।

भानुप्रतापपुर पुलिस ने सरस्वती शिशु मंदिर में दी छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा की जानकारी

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। 'साइबर क्राइम मुक्त छत्तीसगढ़' अभियान के तहत थाना भानुप्रतापपुर पुलिस द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

एसडीओपी शेर बहादुर सिंह ठाकुर एवं थाना प्रभारी अंबर सिंह भारद्वाज ने छात्रों व शिक्षकों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक/मैसेज और अन्य साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए।

निबंध प्रतियोगिता: विद्यार्थियों के बीच साइबर सुरक्षा पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में उप निरीक्षक प्रेम कुमार झा, PSI सुष्मिता सिंह, थाना स्टाफ, शिक्षक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पुलिस ने आमजन से साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने और साइबर अपराध मुक्त छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहयोग की अपील की।

बिलासपुर को मिले पूर्ण न्यायधानी का दर्जा केंद्रीय न्यायिक संस्थाओं की स्थापना की मांग

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 26 वर्ष बाद भी बिलासपुर को पूर्ण न्यायधानी का दर्जा नहीं मिलने का मुद्दा एक बार फिर जोर पकड़ने लगा है। जिले के अधिवक्ताओं ने अब बिलासपुर में विभिन्न केंद्रीय न्यायिक एवं न्यायाधिकरण संस्थाओं की स्थापना की मांग तेज कर दी है। इस संबंध में अधिवक्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा।

जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष चंद्रशेखर वाजपेयी के नेतृत्व में करीब 60-65 महिला एवं पुरुष अधिवक्ताओं के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष बिलासपुर में रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल, सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल, डेट रिकवरी ट्रिब्यूनल तथा सेंट्रल गवर्नमेंट इंडस्ट्रियल ट्रिब्यूनल की स्थापना की मांग रखी। अधिवक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में इन केंद्रीय संस्थाओं से संबंधित मामलों की सुनवाई भोपाल, जबलपुर और इलाहाबाद जैसे दूरस्थ शहरों में होती है। इसके कारण छत्तीसगढ़ के लोगों, कर्मचारियों, उद्योगों और अधिवक्ताओं को अनावश्यक परेशानी के साथ अतिरिक्त समय और आर्थिक खर्च उठाना पड़ता है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि बिलासपुर देश के महत्वपूर्ण रेलवे जोन में शामिल है, इसके बावजूद यहां रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल नहीं है। इसी प्रकार दक्षिण पूर्व कोयला क्षेत्र लिमिटेड, एनटीपीसी, केंद्रीय विश्वविद्यालय, डाक विभाग तथा केंद्रीय सुरक्षा बलों सहित विभिन्न केंद्रीय संस्थानों के कर्मचारियों से जुड़े सेवा मामलों के लिए CAT की स्थायी पीठ बिलासपुर में स्थापित किया जाना आवश्यक है। अधिवक्ताओं ने DRT और CGIT की स्थापना को भी क्षेत्र की आवश्यकता बताते हुए कहा कि राज्य गठन के समय बिलासपुर को न्यायधानी के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई थी।वर्तमान परिस्थितियों में इस परिकल्पना को पूर्ण रूप देने के लिए यहां केंद्रीय स्तर की न्यायिक संस्थाओं का विस्तार जरूरी है। करीब एक घंटे चली चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने अधिवक्ताओं की मांगों को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि इस विषय को उनके समक्ष पहली बार प्रमुखता से रखा गया है और वे बिलासपुर की इस मांग को पूरा कराने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

अम्बिकापुर में वृत्त स्तरीय वन संरक्षण ऑनलाइन कार्यशाला में हुआ मंथन

विश्व केसरी

अंबिकापुर (उमाकांत पाण्डेय)। वृत्त स्तरीय वन संरक्षण ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को काष्ठागार अम्बिकापुर में किया गया। कार्यशाला में रायपुर से सहायक वन संरक्षक श्री संदीप सिंह तथा एफएमआईएस टीम के द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ऑनलाइन ऐप के माध्यम से ऐप का उपयोग एवं कार्यप्रणाली के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ सरगुजा के वनमण्डलाधिकारी श्री लोकनाथ पटेल द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उन्होंने ऐप की उपयोगिता, कार्यों को समयबद्ध तरीके से संपादित करने तथा कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग में इसकी भूमिका के सम्बंध में जानकारी दी। सहायक वन संरक्षक श्री संदीप सिंह ने वन संरक्षण से संबंधित ऑलनाइन ऐप की कार्यप्रणाली उपयोगिता एवं विभिन्न तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी देकर प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला में सरगुजा, बलरामपुर, जशपुर, सूरजपुर, कोरिया, मनेन्द्रगढ़, एलीफेंट रिजर्व एवं गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान से संबंधित समस्त एसडीओ/आरओ एवं कार्यालयीन स्टॉफ उपस्थित रहे। कार्यशाला का उद्देश्य वन संरक्षण संबंधी कार्यों को ऑनलाइन एवं समयबद्ध रूप से संपादित करने तथा उनकी प्रभावी मॉनिटरिंग को सुनिश्चित करना था।

सक्ती में धूमधाम से निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी: जगह-जगह हुआ स्वागत, मुस्लिम समाज ने गुलाब फूल बांटकर दिया भाईचारे का पैगाम

विश्व केसरी

सक्ती। नगर में हजरत मोहम्मद साहब के यौम-ए-पैदाइश (ईद-मिलादुन्नबी) के मुबारक मौके पर मुस्लिम समाज द्वारा अकीदत और उत्साह के साथ भव्य जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के युवा, बुजुर्ग और बच्चे शामिल हुए। 'सरकार की आमद मरहबा' की सदाओं से पूरा नगर गूंज उठा।

गुलाब का फूल भेंट कर दिया अमन और मोहब्बत का संदेश

जुलूस के दौरान कौमी एकता और आपसी सौहार्द की खूबसूरत मिसाल देखने को मिली। मुस्लिम समाज के लोगों ने मार्ग में मौजूद आम नागरिकों और व्यापारियों को गुलाब का फूल भेंट कर ईद-मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी और शहर में अमन, शांति व आपसी भाईचारे का पैगाम दिया।

नगर पालिका अध्यक्ष ने किया स्वागत

नगर पालिका के पास: जुलूस के नगर पालिका परिषद पहुंचने पर अध्यक्ष श्याम सुंदर द्वारा जुलूस का आत्मीय स्वागत किया गया और समाज के लोगों को गले लगा कर पर्व की शुभकामनाएं दी गईं साथ ही संजय अग्रवाल, किसान अगरवाल ,राहुल अग्रवाल, लाला अग्रवाल, मोहन देवांगन, मोहित बरेठ, रियाजुद्दीन शामिल रहे।

अग्रसेन चौक पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने किया इस्तकबाल

इसी क्रम में अग्रसेन चौक के पास कांग्रेस जिला अध्यक्ष रश्मि गबेल द्वारा जुलूस का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने समाज के गणमान्य नागरिकों को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए डंडा भी बाटा गया इस अवसर रवि भारद्वाज, भूरू अग्रवाल, राशिद खान कार्यकर्ता शामिल रहे ।

जुलूस नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होता हुआ शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

आकर्षक मक्का-मदीना की झांकियां

जुलूस में विशेष रूप से सजाई गई पवित्र मक्का शरीफ और मदीना मुनव्वरा की खूबसूरत झांकियां मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं।

मस्जिद के पास मुल्क की सलामती के लिए हुई दुआ

जुलूस के मुख्य मार्गों से होते हुए मस्जिद के पास पहुंचने पर इमाम सैफुल्ला मिस्बाही ने हिंदुस्तान में अमन, चैन, तरक्की और सुकून के लिए विशेष दुआ की। इस दौरान सभी ने हाथ उठाकर मुल्क की सलामती की कामना की।

इस अवसर पर सुन्नी मुस्लिम जमात के हाजी तैय्यब अली रिज्वी, हाजी वाहेद खान, हाजी मुनव्वर वारसी, हाजी गुलाम नबी, भाई महबूब खान, शम्स तमरेज खान, रिजवान खान, मोहम्मद अजलाल, आजम खान, राजा खान, हज्जा खान, जमाल खान, सुल्तान खान, रमजान खान, सुलेमान खान, बंटी खान, रज्जब अली, रज्जाक अली, आरिफ खान, फैजान खान, सोनु खान, शाबा खान, सुहैल खान, रूस्तम खान, राशीद खान, हफिज खान, इकबाल खान, जावेद खान, सकिल अहमद, करीम खान, जमीर खान, रिजवान खान, काजी भाई, गुलाम मनिहार, नासिर हुसैन, शफिक अहमद,तैय्यब खान, दानीश खान, शमीम खान इम्तियाज खान, हाजी गनी अधिवक्ता, अलीम खान, ऐजाज खान, अयाज खान, रईस खान, फारूक खान,पिन्टू खान, असलम खान, राजु खान, साजिद खान, वाजीद खान, आबिद सलीम खान, खान, सोनू खान, रिजवीनखान,छोटु खान काफी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल रहे।

दहेज की मांग कर प्रताड़ित करने वाला पति गिरफ्तार

विश्व केसरी

खैरागढ़ (शिल्पी विश्वास)। जिले में नवविवाहिता की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने उसके पति को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस की जांच में दहेज में मोटरसाइकिल और नकद राशि की मांग को लेकर प्रताड़ना के आरोप सामने आए हैं। शादी के महज कुछ महीनों बाद शुरू हुई कथित प्रताड़ना का सिलसिला आखिरकार नवविवाहिता की मौत तक पहुंच गया।

खैरागढ़ थाना क्षेत्र के टेकापार खुर्द से सामने आई यह घटना बेहद गंभीर है। मृतिका का विवाह 24 फरवरी 2025 को सामाजिक रीति-रिवाज से अजय बघेल के साथ हुआ था। विवाह के समय उसके परिजनों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार उपहार सामग्री दी थी। पुलिस के मुताबिक शादी के करीब दो-तीन महीने बाद आरोपी पति दहेज में मोटरसाइकिल नहीं मिलने और नकद राशि कम देने की बात को लेकर पत्नी को प्रताड़ित करने लगा। उसके साथ मारपीट किए जाने की बात भी विवेचना में सामने आई है।

सगाई के समय मृतिका को दिए गए हाथ के आभूषण भी आरोपी द्वारा अपने पास रख लिए गए थे। इतना ही नहीं, शादी के समय पढ़ाई जारी रखने की सहमति होने के बावजूद आरोपी ने उसे डीएड की पढ़ाई करने से मना कर दिया, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगी। घटना वाले दिन लगातार प्रताड़ना से क्षुब्ध होकर नवविवाहिता ने अपने घर के टॉयलेट में स्वयं के ऊपर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसने के बाद उसकी मौत हो गई।

कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 183 अंक फिसला

विश्व केसरी

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और क्रूड ऑयल की कीमतों में गिरावट के चलते हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। घरेलू बाजार में यह गिरावट पिछले दिन की तेजी के बाद आई है, जब दोनों प्रमुख बेंचमार्कों सेंसेक्स और निफ्टी50 में 0.48 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई थी। वहीं आज के सत्र में आईटी, एफएमसीजी और ऑटो शेयरों में दबाव के चलते दोनों प्रमुख बेंचमार्क 0.52 प्रतिशत तक गिर गए।

बाजार बंद होने के समय सेंसेक्स 183.15 अंक यानी 0.24 प्रतिशत गिरकर 77,472.94 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी50 126.80 (0.52 प्रतिशत) अंक लुढ़ककर 24,207.75 पर बंद हुआ।

सत्र के दौरान सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,656.09 से 236 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,892.10 पर खुला और एक समय इसने 330.75 अंक या 0.42 प्रतिशत की उछाल के साथ 77,986.84 का दिन का उच्चतम स्तर छुआ, जबकि आखिरी सत्र में इसने 183.14 अंक या 0.23 प्रतिशत गिरकर 77,472.94 का दिन का निम्नतम स्तर छुआ। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 24,334.55 से 7.40 अंक की मामूली बढ़ के साथ 24,341.95 पर फ्लैट खुला, लेकिन दिन के दौरान एक समय इसने 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,378.60 का इंट्रा-डे हाई छुआ, जबकि 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ इसने 24,207.75 का दिन का निम्नतम स्तर छुआ।

इस दौरान, व्यापक बाजार में भी मिलाजुला कारोबार देखने को मिला, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.10 प्रतिशत की गिरावट तो निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.81 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी रियल्टी का प्रदर्शन भी खराब रहा। वहीं, निफ्टी मेटल, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सीमेंट का प्रदर्शन बेहतर रहा।

निफ्टी50 इंडेक्स में कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी लाइफ और एसबीआई लाइफ के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली, जबकि भारती एयरटेल, पावरग्रिड, इंफोसिस, एलएंडटी, नेस्ले इंडिया और श्रीराम फाइनेंस सबसे ज्यादा खराब प्रदर्शन वाले शेयरों में शामिल रहे।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने बताया कि सत्र के आखिर में शुरुआती बढ़त खत्म हो गई क्योंकि अलग-अलग सेक्टरों में अलग-अलग रुझान के कारण बेंचमार्क पर दबाव बना रहा।

लखनऊ-बेंगलुरु इंडिगो फ्लाइट में मिली बम की धमकी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। इंडिगो की लखनऊ से बेंगलुरु जा रही फ्लाइट में बम की धमकी मिली है। हालांकि, यह जानकारी फर्जी निकली और सिक्योरिटी चेक में कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। इस मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इंडिगो की लखनऊ से बेंगलुरु जा रही उड़ान 6ई321 को गंतव्य स्थान पर पहुंचते समय बम की धमकी मिली और इस दौरान सभी जरूरी प्रोटोकॉल का पालन किया गया। फ्लाइट एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरी और ग्राउंड स्टाफ की मदद से यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। हालांकि, जांच में बम की धमकी झूठी निकली।

जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और संबंधित अधिकारियों ने विमान की अच्छी तरह से जांच की। इस दौरान, बम की धमकी झूठी निकली और विमान को फिर से उड़ान भरने की मंजूरी दे दी गई है।

एयरलाइन के मुताबिक, इसका मामले का लखनऊ एयरपोर्ट के संचालन या वहां की सुरक्षा व्यवस्था से कोई संबंध नहीं है, क्योंकि यह पूरा मामला बेंगलुरु एयरपोर्ट पर विमान पहुंचने के बाद सामने आया। इससे पहले 18 अगस्त को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (शमशाबाद यानी हैदराबाद) से विशाखापत्तनम जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 208 को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसे लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई थीं। अधिकारियों को यह धमकी ईमेल से प्राप्त हुई, जिसके बाद विमान की व्यापक जांच शुरू कर दी गई। जानकारी के अनुसार, शमशाबाद-विशाखापत्तनम इंडिगो फ्लाइट 208 को लेकर बम की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई की। सुरक्षा अधिकारियों द्वारा विमान की गहन तलाशी ली गई, हालांकि, जांच के दौरान कुछ नहीं मिला। इससे पहले छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टी2) पर एक यात्री के गैर-जिम्मेदाराना मजाक से उस समय हड़कंप मच गया था, जब उसने सुरक्षा जांच के दौरान अपने बैग में बम होने की बात कह दी थी।

ब्लूमबर्ग मीडिया ने 'ब्लूमबर्ग इंडिया' को किया लॉन्च, प्रीमियम बिजनेस और मार्केट कवरेज एक ही जगह पर होगी उपलब्ध

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ब्लूमबर्ग मीडिया ने बुधवार को ब्लूमबर्ग इंडिया के आधिकारिक लॉन्च की घोषणा की। यह निवेशकों, बिजनेस लीडर्स और निर्णय लेने वालों के लिए तैयार किया गया एक नया प्रीमियम डिजिटल न्यूज प्लेटफॉर्म है, जहां भारत की अर्थव्यवस्था, बाजारों और कारोबार से जुड़ी गहन जानकारी उपलब्ध होगी।

26 अगस्त से ब्लूमबर्ग डॉट कॉम और उसके मोबाइल ऐप पर उपलब्ध यह नई सेवा स्थानीय रिपोर्टिंग, बाजार संबंधी जानकारी, डेटा आधारित विश्लेषण और दुनिया भर में ब्लूमबर्ग के 3,000 से अधिक पत्रकारों और विश्लेषकों की वैश्विक रिपोर्टिंग को एक साथ पेश करेगी। यह लॉन्च ऐसे समय हुआ है जब ब्लूमबर्ग भारत में अपने 30 साल पूरे कर रहा है। कंपनी देश में अपनी डिजिटल मौजूदगी को मजबूत कर रही है। भारत अब ब्लूमबर्ग डॉट कॉम के लिए वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा ऑडियंस मार्केट बन चुका है। ब्लूमबर्ग के एडिटर-इन-चीफ जॉन मिकलथवेट ने कहा कि डिजिटल विस्तार भारत की विकास गाथा को उस गहराई और सटीकता के साथ कवर करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसकी उसके पाठकों को जरूरत है।

उन्होंने कहा कि ब्लूमबर्ग को उम्मीद है कि नया प्लेटफॉर्म उन निवेशकों और कारोबारियों के लिए प्रमुख केंद्र बनेगा, जो वैश्विक बाजारों और तेजी से बदलती भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसेमंद और स्वतंत्र रिपोर्टिंग तथा विश्लेषण चाहते हैं। नई ब्लूमबर्ग इंडिया होमपेज पर बाजार के आंकड़ों, विश्लेषण, इंटरैक्टिव टूल्स, मल्टीमीडिया कंटेंट और भारतीय कारोबारी समुदाय पर केंद्रित पत्रकारिता के लिए एक केंद्रीय हब होगा। एक नया मार्केट स्नैपशॉट मॉड्यूल यूजर्स को घरेलू शेयर बाजार, विदेशी मुद्रा दरों, वैश्विक बेंचमार्क और बाजार में प्रमुख उतार-चढ़ाव का ओवरव्यू उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा, एक समर्पित टॉप सिक्योरिटीज टिकर के जरिए प्रमुख बाजार गतिविधियों की त्वरित जानकारी मिलेगी।

ब्लूमबर्ग इंडिया डेटा आधारित रिपोर्टिंग और विश्लेषण के जरिए अपनी प्रीमियम बिजनेस कवरेज का भी विस्तार करेगा। यह कवरेज प्रोफेशनल्स और रिटेल निवेशकों की जरूरतों के अनुरूप होगी। प्लेटफॉर्म पर संपत्ति निर्माण से जुड़े स्थानीय गाइड भी उपलब्ध होंगे, जिनमें रिटायरमेंट प्लानिंग और 1 करोड़ रुपये निवेश करने वाले लोगों के लिए निवेश के अवसरों पर नई सामग्री शामिल होगी। प्लेटफॉर्म पर ब्लूमबर्ग की '10 एशियन कंपनी टू वॉच' फीचर भी उपलब्ध होगी, जिसमें एशिया की तेजी से बढ़ती कंपनियों को रेखांकित किया जाएगा। वहीं, ब्लूमबर्ग बिजनेसवीक की 'बेस्ट बिजनेस स्कूल्स' सूची में भारतीय संस्थानों की विशेष कवरेज शामिल होगी।

रिटेल जीसीसी के वर्कफोर्स में एआई से जुड़े टैलेंट की हिस्सेदारी 2028 तक 10 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रिटेल जीसीसी में एआई से जुड़े टैलेंट की हिस्सेदारी 2028 तक बढ़कर 10.6 प्रतिशत पहुंचने की उम्मीद है। यह आंकड़ा 2025 में 4.8 प्रतिशत और 2022 में 2.1 प्रतिशत था। यह जानकारी बुधवार को जारी नई रिपोर्ट में दी गई। रिटेल और कंज्यूमर जीसीसी में अभी एआई और डेटा से जुड़े मुख्य कामों में लगभग 7,800 पेशेवर काम कर रहे हैं, और 2025 में एआई और डेटा टैलेंट के लिए 990 पदों की मांग थी।

टीमलीज डिजिटल की एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन 180 जीसीसी का आकलन किया गया, उनमें से टॉप 50 मेगा रिटेल जीसीसी में से केवल 22 में एआई क्षमताएं विकसित पाई गईं, यानी वे सिर्फ एआई का इस्तेमाल नहीं कर रहे, बल्कि उसे बना भी रहे हैं। बेंगलुरु में भारत के रिटेल जीसीसी एआई टैलेंट पूल का 54 प्रतिशत हिस्सा है, जहां 4,200 प्रोफेशनल्स काम करते हैं, जबकि 8 साल से ज्यादा अनुभव वाले सीनियर एआई लीडर्स की संख्या पूरे देश में बहुत कम और कुछ खास जगहों तक ही सीमित है।

दिल्ली-एनसीआर दूसरे नंबर पर है, लेकिन बेंगलुरु से काफी पीछे है, और उसके बाद हैदराबाद का नंबर आता है। चेन्नई, मुंबई और पुणे में से हर एक जगह पर 20 से भी कम सीनियर लीडर्स हैं।

इस वर्कफोर्स में, सीनियर एआई टैलेंट पूल यानी 8 या उससे ज्यादा साल के अनुभव वाले प्रोफेशनल्स की संख्या पूरे देश में सिर्फ 320 है। इस ग्रुप के लगभग दो-तिहाई (63 प्रतिशत, यानी लगभग 202 प्रोफेशनल्स) एआई इंजीनियरिंग लीड लेवल पर हैं, जिनका औसत अनुभव 9 साल है।

एआई/डेटा डायरेक्टर्स की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत है। सबसे ऊंचे लेवल पर, एआई आर्किटेक्ट्स और प्रिंसिपल साइंटिस्ट्स का हिस्सा सिर्फ 15 प्रतिशत है यानी पूरे देश में लगभग 47 प्रोफेशनल्स, जिनका औसत अनुभव 14 साल से ज्यादा है।

रिपोर्ट के अनुसार, जेनएआई स्पेशलिस्ट्स (औसत अनुभव 5 साल) इस सीनियर ग्रुप से बाहर हैं और टैलेंट स्ट्रक्चर में एक अलग उभरता हुआ हिस्सा बनाते हैं।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कनाडाई निवेशकों को भारत की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी के लिए आमंत्रित किया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कनाडाई निवेशकों को भारत की विकास यात्रा में भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान उन्होंने निवेशकों को बैंकिंग, बीमा, फिनटेक, सेमीकंडक्टर, दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और अन्य उभरते क्षेत्रों में देश में मौजूद निवेश के अवसरों के बारे में बताया।

टोरंटो में भारतीय प्रवासी कारोबारी समुदाय के लिए आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक मजबूत स्थिति में हैं और बैंकिंग क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश हो रहा है।

वित्त मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत का वित्तीय क्षेत्र, खासकर बैंकिंग और एनबीएफसी अंतरराष्ट्रीय निवेश आकर्षित कर रहा है।

वित्त मंत्री ने कहा कि भारत के इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर (आईएफएससी) गिफ्ट सिटी ने पहले ही कई विदेशी बैंकों को आकर्षित किया है और अधिक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के लिए यहां अपना कारोबार स्थापित करने की पर्याप्त संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा, 'भारत सरकार की प्रतिबद्धता है कि हम चाहते हैं कि कनाडाई निवेशक भारत आएं और भारत के साथ अधिक व्यापक जुड़ाव स्थापित करें।'

वित्त मंत्री ने भारत की बड़ी आबादी, क्रय शक्ति, खपत और मांग को ऐसे प्रमुख कारकों के रूप में बताया, जो देश को निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बनाते हैं।

एक अन्य एक्स पोस्ट में वित्त मंत्री ने कहा कि भारत गिफ्ट सिटी के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय पूंजी के लिए नए रास्ते बना रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में उभर रही है।

उन्होंने कहा कि गिफ्ट सिटी का नियामकीय और कर ढांचा विशेष रूप से सीमा-पार वित्तीय गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए तैयार किया गया है।

इसके अलावा, अब बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति है। वित्त मंत्री के अनुसार, बड़े पैमाने पर फिनटेक क्षेत्र में भारत का नेतृत्व वैश्विक पूंजी के लिए महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर रहा है।

वित्त मंत्री ने सेमीकंडक्टर, मैग्नेट और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे उभरते क्षेत्रों को भी कनाडाई निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण संभावनाओं वाले क्षेत्र बताया।

उन्होंने कहा, 'भारत वैश्विक बाजारों के लिए भरोसेमंद और लागत प्रभावी आपूर्ति श्रृंखला के विकल्प भी उपलब्ध करा सकता है।' वित्त मंत्री के अनुसार, कनाडाई संस्थागत निवेशकों के लिए ये अवसर केवल भारत की विकास यात्रा में भाग लेने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे भारत को व्यापक क्षेत्रीय और वैश्विक वित्तीय गतिविधियों के लिए एक मंच के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

सोना और चांदी बढ़त के साथ खुले, कच्चे तेल की कीमतों और बॉन्ड यील्ड में कमी से मिल रहा सपोर्ट

विश्व केसरी

मुंबई। सोने और चांदी की शुरुआत बुधवार को तेजी के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में दोनों कीमती धातुओं में करीब आधा प्रतिशत की तेजी देखी गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,62,882 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 320 रुपए की तेजी के साथ 1,63,202 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। फिलहाल यह सुबह 9:35 पर 34 रुपए की मामूली तेजी के साथ 1,62,916 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,62,855 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,63,202 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ। यह दिखाता है कि सोना एक सीमित दायरे में बना हुआ है।

चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,44,127 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 1,456 रुपए की तेजी के साथ 2,45,583 रुपए प्रति किलो पर खुला। फिलहाल यह खबर लिखे जाने तक 1,294 रुपए या 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,45,421 रुपए प्रति किलो पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,45,094 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,46,180 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली। कॉमेक्स पर सोना 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,699 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 69 डॉलर प्रति औंस के करीब थी। जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की वजह कच्चे तेल की कीमतें और बॉन्ड यील्ड का घटना है। इससे डॉलर भी कमजोर हुआ है और दोनों कीमती धातुओं को सपोर्ट मिल रहा है। विदेशी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओमान और ईरान हॉर्मुज स्ट्रेट को खोलने और माइन को हटाने को लेकर बातचीत कर रहे हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम 2.3 प्रतिशत घटकर 85 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है।

भारत में इस्तेमाल हो रहा ऑफिस स्पेस 900 मिलियन स्क्वायर फीट के पार, बीते एक वर्ष में 6 प्रतिशत का हुआ इजाफा

विश्व केसरी

मुंबई। भारत में इस्तेमाल हो रहे कमर्शियल स्पेस 2026 की पहली छमाही (जनवरी-जून अवधि) में सालाना आधार पर 6 प्रतिशत बढ़कर 901.1 मिलियन स्क्वायर फीट हो गया है, जो कि 2025 की पहली छमाही में 847 मिलियन स्क्वायर फीट था। यह जानकारी बुधवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

नाइट फ्रैंक इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, देश में कुल ऑफिस स्टॉक 1.05 बिलियन स्क्वेयर फीट दर्ज किया गया है। देश के शीर्ष आठ ऑफिस मार्केट में इस्तेमाल हो रहे ऑफिस स्पेस में वृद्धि, कंपनियों के लगातार विस्तार को दिखाती है।

नाइट फ्रैंक इंडिया में इंटरनेशनल पार्टनर और सीनियर एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर विरल देसाई ने कहा, 'जीसीसी के विस्तार और घरेलू कंपनियों के बढ़ते दायरे की वजह से ऑफिस की मांग बनी हुई है। कंपनियां ऐसे स्थापित बाजारों की ओर बढ़ रही हैं जहां उन्हें टैलेंट, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और बड़े पैमाने पर काम करने की सुविधा मिलती है।'

बेंगलुरु सबसे बड़े ऑफिस मार्केट के तौर पर सबसे आगे है, जहां 2026 की पहली छमाही में इस्तेमाल हो रहा ऑफिस स्पेस का आंकड़ा 222.4 मिलियन स्क्वायर फीट तक पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 8 प्रतिशत की मजबूत ग्रोथ दिखाता है।

दिल्ली-एनसीआर 178.1 मिलियन स्क्वायर फीट ऑफिस स्पेस के साथ दूसरे नंबर पर है, जहां सालाना आधार पर 2 प्रतिशत की मामूली ग्रोथ देखी गई। मुंबई में इस्तेमाल हो रहे ऑफिस स्पेस का आंकड़ा 146.6 मिलियन स्क्वायर फीट रहा, जिसमें सालाना आधार पर 5 प्रतिशत की ग्रोथ हुई।

पुणे सबसे तेजी से बढ़ने वाले मार्केट में से एक बनकर उभरा है। यह शहर 100 मिलियन स्क्वायर फीट का आंकड़ा पार करने की राह पर है। रिपोर्ट के अनुसार, पुणे ने सालाना आधार पर 10 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की और इस्तेमाल हो रहा ऑफिस स्पेस 98.8 मिलियन स्क्वायर फीट तक पहुंच गया।

न सूजी का हलवा, न उपमा! इस बार बनाएं ऐसा फूला-फूला बन डोसा, स्वाद भूल नहीं पाएंगे

सूजी, दही और पोहे से बनने वाला बन डोसा स्वादिष्ट और आसान नाश्ता है. कम समय में तैयार होने वाली इस रेसिपी को चटनी या सांभर के साथ परोसा जा सकता है.

सुबह के नाश्ते में कुछ ऐसा मिल जाए जो जल्दी बने, पेट भी भरे और स्वाद में रोज की रोटी-पराठे से थोड़ा अलग हो, तो दिन की शुरुआत ही अच्छी लगती है, अगर आपके घर में सूजी रखी है, तो उससे बनने वाला बन डोसा एक बढ़िया विकल्प हो सकता है. खास बात यह है कि इसे बनाने के लिए लंबे समय तक बैटर तैयार करके रखने की जरूरत नहीं पड़ती. सूजी, दही और थोड़े से पोहे की मदद से इसका बैटर आसानी से तैयार किया जा सकता है.

पकने के बाद यह बाहर से हल्का कुरकुरा और अंदर से नरम व स्पंजी बनता है. इसका गोल और फूला हुआ आकार इसे आम डोसे से अलग बनाता है. बच्चों को भी इसका सॉफ्ट टेक्सचर पसंद आ सकता है, जबकि बड़े इसे नारियल चटनी, सांभर या अपनी पसंद की हरी चटनी के साथ खा सकते हैं, अगर सुबह समय कम रहता है, तो यह रेसिपी आपकी रसोई में काम आसान कर सकती है.

सूजी बन डोसा के लिए चाहिए ये सामग्री

इसे बनाने के लिए 1 कप सूजी, आधा कप दही, चौथाई कप पोहा, जरूरत के हिसाब से पानी, 1-2 बारीक कटी हरी मिर्च, 1 छोटा चम्मच कद्दूकस किया हुआ अदरक, आधा छोटा चम्मच ईनो या बेकिंग सोडा, स्वादानुसार नमक और सेंकने के लिए थोड़ा तेल या घी लें.

बैटर तैयार करने का आसान तरीका

सबसे पहले पोहे को पानी से धोकर करीब 5 मिनट के लिए भिगो दें. अब मिक्सर जार में सूजी, भीगा हुआ पोहा, दही, नमक और थोड़ा पानी डालकर स्मूथ पेस्ट तैयार कर लें. बैटर न बहुत पतला रखें और न ही बहुत ज्यादा गाढ़ा. इसे एक बाउल में निकालकर 10 से 15 मिनट के लिए ढककर रख दें. इस दौरान सूजी पानी और दही को सोखकर अच्छी तरह फूल जाएगी. अब बैटर में बारीक कटी हरी मिर्च और अदरक डालें. स्वाद पसंद हो तो करी पत्ता या बारीक कटा प्याज भी मिलाया जा सकता है. इससे बन डोसे का स्वाद और बेहतर हो जाता है.

ऐसे पकाएं फूला हुआ बन डोसा

डोसा बनाने से ठीक पहले बैटर में आधा छोटा चम्मच ईनो या बेकिंग सोडा डालें. इसके ऊपर करीब एक चम्मच पानी डालकर हल्के हाथ से मिलाएं. इसे बहुत देर तक फेंटने की जरूरत नहीं है. बैटर में हल्कापन आने के बाद इसे तुरंत पकाना बेहतर रहता है. अब छोटे गहरे अप्पम पैन या छोटे नॉन-स्टिक पैन को हल्का गर्म करें और उसमें थोड़ा तेल या घी लगाएं. करीब एक से डेढ़ बड़ा चम्मच बैटर पैन के बीच में डालें. यहां एक बात ध्यान रखें-इसे सामान्य डोसे की तरह पतला फैलाना नहीं है. बन डोसे की खासियत ही उसका मोटा, गोल और फूला हुआ रूप है. पैन को ढककर धीमी आंच पर करीब 2 से 3 मिनट पकाएं. जब ऊपर की सतह सूखने लगे और डोसा फूलता हुआ दिखाई दे, तब किनारों पर थोड़ा तेल या घी डालकर सावधानी से पलट दें. दूसरी तरफ भी हल्का सुनहरा होने तक पकाएं.

स्वाद बढ़ाने के लिए अपनाएं ये छोटे टिप्स

अगर बन डोसा अंदर से सॉफ्ट चाहिए, तो बैटर बहुत गाढ़ा न रखें. वहीं, इसे तेज आंच पर पकाने से नीचे की सतह जल्दी सिक सकती है और अंदर का हिस्सा कच्चा रह सकता है।

किताब देखते ही भाग जाता है बच्चा? ये 6 ट्रिक से पढ़ाई में लगेगा मन, फोकस बढ़ाने के लिए अपनाएं ये वैज्ञानिक तरीके

क्या आपका बच्चा भी पढ़ाई का नाम सुनते ही बहाने बनाने लगता है? डांटने के बजाय अपनाएं ये आसान असरदार ट्रिक्स! जानिए बच्चों के उम्र के अनुसार अटेंशन स्पैन, पोमोडोरो तकनीक और डाइट से जुड़े 6 ऐसे असरदार टिप्स, जो बिना किसी दबाव के आपके बच्चे का फोकस, याददाश्त और पढ़ाई में इंटरेस्ट बढ़ा देंगे.

किताब खोलते ही बच्चे को अचानक भूख लगना, नींद आना या बाथरूम का बहाना बनाना....क्या यह आपके घर की भी रोज की कहानी है? अगर हां, तो परेशान मत होइए, क्योंकि हर दूसरे माता-पिता इस समस्या से जूझ रहे हैं. अक्सर पेरेंट्स बच्चे को डांटने या डांटकर पढ़ाने की कोशिश करते हैं, लेकिन वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो डांट-फटकार से बच्चे का ध्यान बढ़ता नहीं, बल्कि पढ़ाई से और मन उचाट हो जाता है. साइंस कहता है कि बच्चों का दिमाग बड़ों से बिल्कुल अलग तरीके से काम करता है. कुछ आसान साइंटिफिक ट्रिक्स और सही आदतों को अपनाकर आप बच्चे की याददाश्त और पढ़ाई में फोकस दोनों को बेहतर कर सकते हैं.

चाइल्ड डेवलपमेंट रिसर्च के अनुसार, हर उम्र के बच्चे की ध्यान लगाने की क्षमता सीमित होती है

पहले समझें बच्चे का अटेंशन स्पैन-

चाइल्ड डेवलपमेंट रिसर्च के अनुसार, हर उम्र के बच्चे की ध्यान लगाने की क्षमता सीमित होती है:

5 से 6 साल: केवल 12-18 मिनट

7 से 8 साल: 16-24 मिनट

9 से 10 साल: 20-30 मिनट

11 से 12 साल: 25-35 मिनट

नींद और स्क्रीन टाइम का सीधा कनेक्शन-

पूरी नींद जरूरी: 5 से 13 साल के बच्चों के लिए रोजाना 9 से 11 घंटे की निर्बाध नींद बेहद जरूरी है. नींद के दौरान ही दिमाग शॉर्ट-टर्म यादों को लॉन्ग-टर्म मेमोरी में बदलता है. 9 घंटे से कम सोने वाले बच्चों के दिमाग में ध्यान और याददाश्त संभालने वाला 'ग्रे मैटर' कम होने लगता है.

स्क्रीन टाइम का असर: लगातार टीवी और मोबाइल देखने से बच्चों का अटेंशन स्पैन घटकर महज कुछ सेकंड्स का रह जाता है. इसलिए पढ़ाई में सुधार के लिए स्क्रीन टाइम पर लगाम लगाना पहला कदम है.

बच्चे का फोकस बढ़ाने के 6 असरदार तरीके-

1.पोमोडोरो तकनीक अपनाएं- बच्चे को एक साथ 1-2 घंटे पढ़ने का दबाव न दें. उम्र के हिसाब से छोटे-छोटे स्टडी स्लॉट्स बनाएं:

6-8 साल: 10-15 मिनट पढ़ाई + 5 मिनट का ब्रेक

9-11 साल: 15-20 मिनट पढ़ाई + 5 मिनट का ब्रेक

12+ साल: 25 मिनट पढ़ाई + 5 मिनट का ब्रेक

ब्रेक के दौरान बच्चे को हल्का स्ट्रेचिंग करने, पानी पीने या आंखें बंद करके रिलैक्स करने दें. इससे दिमाग रीचार्ज हो जाता है.

2.पढ़ाई को गेम की तरह मजेदार बनाएं-

पज़ल्स और मेमोरी गेम्स से बच्चे की वर्किंग मेमोरी तेज होती है. उदाहरण के लिए, 4-5 चीजें दिखाकर उन्हें उल्टे क्रम में पूछने वाला खेल खिलाएं. इसके अलावा किताबों के साथ-साथ विजुअल लर्निंग (चित्रों, साइंस म्यूजियम या एजुकेशनल वीडियो) का सहारा लें।

कब्ज हो या पेट फूलना...सभी दिक्कतों को दूर करेगा सनाय का पौधा, बस जान लें इस्तेमाल का सही तरीका

गांव-कस्बों में मिलने वाला सनाय का पौधा भले ही आम नजर आए, लेकिन आयुर्वेद में इसे कब्ज की समस्या के लिए उपयोगी जड़ी-बूटी माना जाता है. इसकी पत्तियों और फलियों में पाए जाने वाले सेनोसाइड्स आंतों की गति बढ़ाकर मल त्याग को आसान बनाने में मदद करते हैं. हालांकि सनाय का सेवन हर किसी के लिए सही नहीं है और इसे लंबे समय तक या अधिक मात्रा में लेने से पेट में मरोड़, दस्त और कमजोरी जैसी परेशानी हो सकती है. आयुर्वेद विशेषज्ञ के अनुसार, कब्ज की समस्या में इसका इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह और सही मात्रा में ही करना चाहिए.

गांव और कस्बों में कई ऐसे औषधीय पौधे मिलते हैं, जिनका इस्तेमाल आयुर्वेद में लंबे समय से होता आ रहा है. इन्हीं में से एक सनाय भी है. इसे आयुर्वेद में एक महत्वपूर्ण जड़ी-बूटी माना जाता है. इसकी सूखी पत्तियों और फलियों का इस्तेमाल मुख्य रूप से कब्ज की समस्या में किया जाता है. हालांकि, इसका सेवन सही मात्रा में और विशेषज्ञ की सलाह से ही करना चाहिए, क्योंकि ज्यादा मात्रा में लेने से नुकसान हो सकता है.

लोकल 18 से बातचीत में वैद्य विष्णु दत्त प्रजापति बताते हैं कि सनाय एक छोटा झाड़ीदार औषधीय पौधा है. इसकी पत्तियों में सेनोसाइड्स नामक प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं. ये आंतों की गतिविधि बढ़ाकर मल त्याग को आसान बनाने में मदद करते हैं. आयुर्वेद के साथ आधुनिक चिकित्सा में भी सेन्ना का इस्तेमाल सीमित समय के लिए कब्ज दूर करने वाले रेचक के रूप में किया जाता है. विष्णु दत्त प्रजापति के अनुसार सनाय का सबसे प्रमुख इस्तेमाल कब्ज की समस्या में किया जाता है. जिन लोगों का कई दिनों तक पेट साफ नहीं होता।

क्यों ढलती उम्र में और ज्यादा अट्रैक्टिव हो जाते हैं कुछ लोग? जानिए वो खूबियां जो खींचती हैं सबका ध्यान

क्या आप जानते हैं कि बढ़ती उम्र के साथ कुछ लोग और ज्यादा आकर्षक क्यों लगने लगते हैं? बात सिर्फ लुक्स की नहीं, बल्कि उस कॉन्फिडेंस और मैच्योरिटी की है जो समय के साथ निखरती है. पढ़िए एक्सपर्ट्स की राय और जानिए इसके पीछे की 5 खास वजहें.

रेखा की सदाबहार ग्रेस हो, तब्बू की सादगी भरा चार्म या फिर 50 की उम्र पार कर चुके शाहरुख खान और अनिल कपूर का किलर एटीट्यूड, इन सितारों को देखकर अक्सर ख्याल आता है कि उम्र का असर इन पर उल्टा क्यों पड़ रहा है? 20-30 की उम्र का लुक्स अपनी जगह है, लेकिन 40 और 50 के बाद जो पर्सनालिटी निखर कर सामने आती है, उसकी बात ही अलग होती है.

अक्सर यह माना जाता है कि खूबसूरती और आकर्षण सिर्फ ढलती जवानी तक सीमित होते हैं. लेकिन कुछ लोग उम्र बढ़ने के साथ और भी ज्यादा अट्रैक्टिव, कॉन्फिडेंट और मैग्नेटिक नजर आने लगते हैं. इसे अंग्रेजी में अक्सर 'Aging like fine wine' कहा जाता है—यानी जैसे-जैसे समय बीतता है, उनका चार्म और गहरा होता जाता है.

रिलेशनशिप एक्सपर्ट डॉ. मिशेल लिम (Dr. Michelle Lim) का भी यही मानना है कि कई लोग बढ़ती उम्र के साथ सचमुच अधिक आकर्षक हो जाते हैं, और ऐसा इसलिए नहीं होता कि वे इसके लिए ज्यादा मशक्कत कर रहे हैं.

असल में, ढलती उम्र के साथ चेहरे के हाव-भाव और नैन-नक्श एक ठहराव ले लेते हैं, खुद को स्टाइल करने की समझ और निखर जाती है, और फालतू की बातों को नजरअंदाज करने के उनके मानक (standards) बेहतर हो जाते हैं. यह असली चमक और आकर्षण किसी बाहरी मेकअप से नहीं, बल्कि अंदरूनी स्पष्टता और आत्मविश्वास से आता है.

लेकिन सवाल यह है कि ऐसा क्यों होता है? साइकोलॉजी और लाइफस्टाइल एक्सपर्ट्स की मानें तो उम्र बढ़ने के साथ आने वाला यह आकर्षण सिर्फ शारीरिक बनावट (physical looks) से नहीं, बल्कि इंसान की सोच, व्यवहार और उसके अनुभवों से आता है. आइए जानते हैं उन 5 खास खूबियों के बारे में, जो ढलती उम्र में लोगों को और भी ज्यादा मैग्नेटिक बनाती हैं:

गहरी आत्म-संतुष्टि और कॉन्फिडेंस (Unshakable Self-Confidence)

कम उम्र में इंसान अक्सर दूसरों की राय, लुक्स और 'लोग क्या कहेंगे' की चिंता में लगा रहता है. लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, व्यक्ति अपनी खूबियों और कमियों को स्वीकार करना सीख जाता है. यह आत्म-स्वीकृति (self-acceptance) चेहरे पर एक अलग ही सुकून और आत्मविश्वास लाती है।

जब आप खुद में सहज होते हैं, तो लोग खुद-ब-खुद आपकी तरफ खिंचे चले आते हैं।

रोज-रोज की सब्जी से हो गए हैं बोर? घर बनाएं राजस्थानी दही-मिर्ची, स्वाद के हो जाएंगे दीवाने

अगर आप रोज-रोज वही सब्ज़ियां खाकर बोर हो गए हैं, तो अब अपने खाने में राजस्थानी स्वाद जोड़ने का समय आ गया है. राजस्थानी दही-मिर्च एक पारंपरिक डिश है जिसे कुछ ही चीज़ों से आसानी से बनाया जा सकता है. दही का खट्टापन, मसालों की खुशबू और मिर्च का चटपटा स्वाद इसे रोटी, पराठे या दाल-चावल के साथ खाने के लिए एकदम सही बनाता है. सबसे अच्छी बात यह है कि इसे बनाने में बहुत कम समय लगता है. आइए जानते हैं इसकी आसान रेसिपी...

दही-मिर्ची के लिए सामग्री

10-12 हरी मिर्च, 1 कप ताजा दही, 1-2 चम्मच बेसन, 1 चम्मच जीरा, आधा चम्मच हल्दी, आधा चम्मच धनिया पाउडर, थोड़ा सा लाल मिर्च पाउडर, नमक और 1-2 बड़े चम्मच तेल लें। आप हींग और थोड़ी सी राई का भी इस्तेमाल कर सकते हैं.

स्टेप 1: सबसे पहले हरी मिर्च को अच्छी तरह धोकर सुखा लें. अब उन्हें लंबाई में चीरा लगाकर दो हिस्सों में काट लें. अगर आप बहुत तीखा स्वाद नहीं चाहते हैं, तो आप मिर्च के कुछ बीज निकाल सकते हैं. एक पैन में थोड़ा तेल गरम करें और मिर्च को हल्का भून लें. उन्हें तब तक भूनें जब तक उनका रंग थोड़ा बदलने लगे और हल्की खुशबू आने लगे. फिर मिर्च को एक प्लेट में निकाल लें।

स्टेप 2: एक कटोरे में दही को अच्छी तरह फेंट लें. इसमें बेसन, हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और थोड़ा सा नमक मिलाएं. अब पतला और चिकना मिश्रण तैयार करने के लिए थोड़ा पानी डालें. बेसन मिलाने से दही की ग्रेवी अच्छी गाढ़ी हो जाती है.

स्टेप 3: अब उसी पैन में आवश्यकतानुसार थोड़ा तेल डालें. इसमें जीरा और हींग डालें।

दुनिया के इन 5 शहरों की खूबसूरती है बेमिसाल, जीवन में एक बार जरूर करें एक्सप्लोर

अगर आप अपनी ज़िंदगी में कम से कम एक बार यादगार इंटरनेशनल ट्रिप पर जाना चाहते हैं, तो अपनी पसंद और बजट के हिसाब से इन 5 शहरों में से किसी एक को चुन सकते हैं...

लगभग हर कोई दुनिया घूमने का सपना देखता है, और जब खूबसूरत शहरों की बात आती है, तो शानदार विकल्पों की कोई कमी नहीं है. कुछ जगहें अपनी ऐतिहासिक इमारतों से पर्यटकों का मन मोह लेती हैं, तो कुछ जगहें समुद्र, आधुनिक आर्किटेक्चर और शानदार नाइटलाइफ से उन्हें अपनी ओर खींचती हैं. अगर आप विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो आप इन 5 दिलचस्प शहरों को अपनी ट्रैवल लिस्ट में शामिल कर सकते हैं...

1. पेरिस, फ्रांस

पेरिस दुनिया के सबसे रोमांटिक और खूबसूरत शहरों में गिना जाता है. हालांकि एफिल टॉवर यहां की सबसे मशहूर जगह है, लेकिन शहर की खूबसूरती इससे कहीं ज़्यादा है. सीन नदी के किनारे टहलना, ऐतिहासिक इमारतें, प्यारे कैफ़े और आर्ट म्यूज़ियम पेरिस को खास बनाते हैं. यहां के हर इलाके की अपनी एक अलग खासियत है.

2. क्योटो, जापान

अगर आप शांति, परंपरा और कुदरती खूबसूरती का मिला-जुला अनुभव लेना चाहते हैं, तो क्योटो एक शानदार जगह है. पुराने मंदिर, पारंपरिक जापानी घर, खूबसूरत बगीचे और चेरी ब्लॉसम पर्यटकों को इस शहर की ओर खींचते हैं. वसंत के मौसम में शहर की खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है. जापानी संस्कृति को करीब से जानने के लिए क्योटो सबसे अच्छी जगहों में से एक है.

3. केप टाउन, साउथ अफ्रीका

समुद्र और पहाड़ों के अनोखे संगम के लिए केप टाउन ज़रूर जाना चाहिए. टेबल माउंटेन जैसी मशहूर जगहों के साथ-साथ शानदार बीच और खूबसूरत तटीय सड़कें इस शहर को बहुत आकर्षक बनाती हैं. केप टाउन से आप आस-पास के कुदरती नज़ारों और वाइन रूट का भी मज़ा ले सकते हैं. सूर्यास्त के समय यहां के नज़ारे वाकई शानदार होते हैं.

4. सिडनी, ऑस्ट्रेलिया

सिडनी में आधुनिक शहरी जीवन और कुदरती खूबसूरती का बेहतरीन मेल देखने को मिलता है. सिडनी ओपेरा हाउस और हार्बर ब्रिज इस शहर की पहचान हैं. इसके अलावा, बॉन्डी बीच जैसे मशहूर बीच भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं. समुद्र के किनारे टहलने, वॉटर स्पोर्ट्स और शहर की शानदार नाइटलाइफ़ का मज़ा लेने के लिए यह एक बेहतरीन जगह है.

5. इस्तांबुल, तुर्की

इस्तांबुल की खासियत यह है कि यह दो महाद्वीपों – यूरोप और एशिया – में फैला हुआ है। ऐतिहासिक मस्जिदें, महल, चहल-पहल वाले बाज़ार और बोस्फोरस जलडमरूमध्य शहर की खूबसूरती को और बढ़ाते हैं. हागिया सोफिया, ब्लू मॉस्क और ग्रैंड बाज़ार जैसी जगहें पर्यटकों के बीच बहुत मशहूर हैं।

रक्षाबंधन विज्ञापन पर विवाद

राजनेताओं ने कहा- 'कंगना रनौत को कृति सेनन से माफी मांगनी चाहिए'

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन के रक्षाबंधन विज्ञापन को लेकर शुरू हुआ विवाद अब फिल्म इंडस्ट्री से निकलकर राजनीतिक बयानबाजी तक पहुंच गया है। कृति के विज्ञापन में उनके पहनावे पर बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत की आपत्ति के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्ट्रेस कृति सेनन का समर्थन किया था। राहुल गांधी ने महिलाओं के कपड़ों और उनकी जिंदगी को लेकर ऑनलाइन पुलिसिंग किए जाने का विरोध किया था। अब राहुल गांधी के बयान के बाद कांग्रेस और विपक्षी दलों के नेताओं ने कृति के समर्थन में अपनी बात रखी है जबकि भाजपा और उनके सहयोगी दलों की ओर से राहुल और कृति के रुख पर सवाल उठाए गए हैं।

मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस नेता उदित राज ने कंगना रनौत पर निशाना साधा और कहा, ''कंगना को पहले अपनी पुरानी तस्वीरें देखनी चाहिए और उसके बाद कृति सेनन के पहनावे पर टिप्पणी करनी चाहिए। अगर उनमें थोड़ी भी समझ, शराफत और ईमानदारी बची है, तो उन्हें कृति और सभी लोगों से माफी मांगनी चाहिए।''

उदित राज ने कंगना के पुराने पहनावे का हवाला देते हुए सवाल किया, ''क्या उनसे ज्यादा किसी ने अपनी बॉडी दिखाई है। एक कहावत है- 'जिनके मकान खुद शीशे के हों, उन्हें दूसरे के घर पर पत्थर नहीं मारना चाहिए।' और कंगना ने ऐसा ही काम किया है। मुझे लगता है कि इस मामले में उन्हें माफी मांग लेनी चाहिए। हर व्यक्ति को अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेने की आजादी है। कौन क्या खाएगा और कौन क्या पहनेगा, इस पर किसी दूसरे व्यक्ति को टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे समाज की एक कमी यह है कि लोग अपने बारे में कम और दूसरों के बारे में ज्यादा सोचते हैं।''

वहीं, लखनऊ में कांग्रेस के प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने भी राहुल गांधी के कृति सेनन के समर्थन को सही ठहराया। उन्होंने आईएएनएस से कहा, ''कृति सेनन ने कुछ गलत नहीं किया है। राहुल गांधी महिलाओं की आजादी, महिलाओं के अधिकारों और हर मामले में पुरुषों और महिलाओं को बराबर दर्जा देने का सपोर्ट करते हैं। एक महिला क्या पहनती है या क्या पहनना पसंद करती है, यह उसका निजी मामला है। कंगना रनौत जैसे लोग ऐसे कमेंट करके समाज में पूरी तरह से झगड़ा पैदा करते हैं। राहुल गांधी ने इस मामले में कृति सेनन को सपोर्ट करने का फैसला किया है।''

वहीं, मुंबई में शिवसेना की प्रवक्ता शाइना एनसी ने राहुल गांधी के रुख पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की आदत बन गई है कि वह हर मुद्दे में दखल देते हैं। शाइना एनसी ने कहा, ''राहुल गांधी की आदत बन गई है कि वे हर जगह हर चीज में दखल देते हैं। स्टूडेंट्स के मामले में भी, वे खुद को ऐसे दिखाते हैं जैसे वे कोई मसीहा हों। जब भी महिलाओं से जुड़े मुद्दे, महिलाओं के सम्मान या उनके कपड़ों की बात आती है, राहुल गांधी उस पर भी प्रतिक्रिया देने लगते हैं। क्या वह इस तरह की संस्कृति को स्वीकार करते हैं, जिसमें बिकिनी पहनकर रक्षाबंधन मनाया जा सकता है। भारतीय संस्कृति और सभ्यता में इस तरह की चीज स्वीकार्य नहीं है।''

पटना में जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक ने इस मामले में कुछ अलग रुख अपनाया। उन्होंने कहा, ''कृति के विज्ञापन का विरोध करने वाले पूरी तरह सही नहीं हैं।

सुरेंद्र राजपूत बोले- राहुल गांधी का समर्थन सही

"कृति सेनन ने कुछ गलत नहीं किया है। राहुल गांधी महिलाओं की आजादी, अधिकारों और हर मामले में पुरुषों और महिलाओं को बराबर दर्जा देने का सपोर्ट करते हैं।

शाइना एनसी ने राहुल गांधी के रुख पर उठाए सवाल

"क्या वह इस तरह की संस्कृति को स्वीकार करते हैं, जिसमें बिकिनी पहनकर रक्षाबंधन मनाया जा सकता है। भारतीय संस्कृति और सभ्यता में इस तरह की चीज स्वीकार्य नहीं है।

श्याम रजक बोले- कपड़े देखकर चरित्र पर शक नहीं

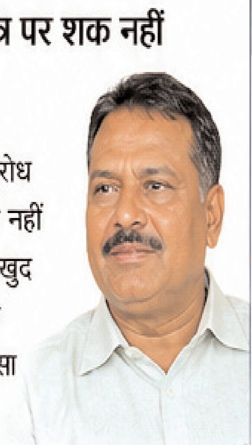

"कृति के विज्ञापन का विरोध करने वाले पूरी तरह सही नहीं हैं। कपड़े और किसी का खुद को पेश करने का तरीका भारतीय संस्कृति का हिस्सा हो सकता है।

90 के दशक की यादें फिर होंगी ताजा! कुमार सानू और उदित नारायण की जोड़ी फिर आएगी साथ

विश्व केसरी

मुंबई । 90 के दशक का बॉलीवुड संगीत आज भी लोगों की यादों में बसा हुआ है। उस दौर में कुमार सानू, उदित नारायण जैसे गायकों की आवाजें हर घर में सुनाई देती थीं। अब एक बार फिर उस सुनहरे दौर की यादें ताजा होने वाली हैं। दरअसल, बॉलीवुड के दो दिग्गज प्लेबैक सिंगर कुमार सानू और उदित नारायण ने हाल ही में मुलाकात की। इस दौरान कुमार सानू ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए नए खास प्रोजेक्ट की ओर इशारा किया।

कुमार सानू ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर उदित नारायण के साथ एक तस्वीर शेयर की। फोटो में दोनों पुराने दोस्तों की तरह एक-दूसरे को गले लगाते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ कुमार सानू ने लिखा, ''अपने प्यारे दोस्त उदित नारायण से मिलकर बहुत अच्छा लगा। कुछ अच्छा आने वाला है।''

कुमार सानू के इस छोटे से कैप्शन ने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। हालांकि, दोनों ने अभी यह साफ नहीं किया है कि वह किस प्रोजेक्ट पर साथ काम कर रहे हैं। लेकिन इस पोस्ट के बाद माना जा रहा है कि दोनों की आवाजें जल्द ही किसी नए गाने में एक साथ सुनाई दे सकती हैं।

कुमार सानू और उदित नारायण इससे पहले भी कई गानों में साथ काम कर चुके हैं। दोनों ने साथ में 'तेरी मेरी दोस्ती', 'बेवफा बहुत दिन घूमे', 'छोटे छोटे भाइयों के बड़े भैया', 'हम साथ-साथ हैं' और 'अपना बॉम्बे टॉकीज' जैसे गानों में आवाज दी है।

कुमार सानू की बात करें तो उन्होंने 1990 के दशक और 2000 के शुरुआती वर्षों में हिंदी फिल्म संगीत में अपनी मजबूत पहचान बनाई। साल 1990 में आई फिल्म 'आशिकी' के गानों ने उनके करियर को नई ऊंचाई दी। फिल्म के लगभग सभी गानों में उनकी आवाज सुनाई दी और इसके बाद वह उस दौर के सबसे लोकप्रिय प्लेबैक सिंगर्स में शामिल हो गए। उन्होंने सिनेमा को 'ऐ सनम चाहिए', 'मैं दुनिया भुला दूंगा', 'तुझे देखा तो','मेरा दिल भी कितना पागल है', 'सोचेंगे तुम्हें प्यार', 'दिल है कि मानता नहीं', 'चुरा के दिल मेरा', 'बाजीगर ओ बाज़ीगर', 'आंखों की गुस्ताखियां' जैसे शानदार गाने दिए।

कुमार सानू के नाम एक खास रिकॉर्ड भी दर्ज है। साल 1993 में उन्होंने एक ही दिन में 28 गाने रिकॉर्ड किए थे। इस उपलब्धि के लिए उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ। उनके कई गानों को बीबीसी की 'टॉप 40 बॉलीवुड साउंडट्रैक ऑफ ऑल टाइम' की लिस्ट में भी शामिल किया गया।

कुकू कोहली के निधन से टूटीं मधु, बोलीं- एक फोन कॉल ने मुझे रातोंरात स्टार बना दिया था

मुंबई। प्रसिद्ध भारतीय फिल्म निर्देशक-निर्माता कुकू कोहली का निधन बुधवार को 77 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से हो गया। अभिनेत्री मधु ने आईएएनएस के साथ हालिया बातचीत में निर्देशक के निधन की खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा कि वह अब इस दुनिया में नहीं हैं।

अभिनेत्री ने बताया कि एक साल से भी कम समय पहले निर्देशक के साथ उनकी मुलाकात हुई थी, तब वह बिल्कुल स्वस्थ और खुश थे। साथ ही अभिनेत्री ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि निर्देशक की एक कॉल ने उनकी जिंदगी को बदलकर रख दिया था।

उन्होंने कहा, 'हे भगवान, मैंने अभी सुना कि उनका निधन हो गया है। मुझे सच में यकीन ही नहीं हो रहा है कि वे अब इस दुनिया में नहीं है। एक साल से भी कम समय पहले उनसे मेरी मुलाकात हुई थी और वह बिल्कुल स्वस्थ और खुश थे। इतने सालों बाद मैं उनसे दोबारा जुड़ी थी और हमने इस बारे में बात की थी कि हम पहली बार कैसे मिले थे और उन्होंने मेरे बारे में क्या सोचा था। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा है। जिंदगी बहुत अनिश्चित है और मुझे इस बात पर विश्वास ही नहीं हो रहा है।'

उन्होंने आगे कहा, 'कुकू जी के उस एक फोन कॉल ने मुझे स्टार बना दिया। मैं एक आम लड़की से रातोंरात स्टार बन गई, क्योंकि एक शाम मुझे उनका फोन आया था। हे भगवान, उनकी आत्मा को शांति मिले।'

दरअसल, अभिनेत्री मधु ने 1991 की एक्शन-रोमांस 'फूल और कांटे' में फिल्ममेकर कुकू कोहली के साथ काम किया था।

24 साल बाद टीवी पर होस्ट बनकर लौट रहीं माधुरी दीक्षित, 'कोण होणार करोडपती' में दिखेगा नया अंदाज

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने अपने लंबे फिल्मी करियर में एक्टिंग और डांस से तो दर्शकों का दिल जीता ही है, अब वह एक नई जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही टीवी के लोकप्रिय क्विज शो के मराठी वर्जन 'कोण होणार करोडपती' को होस्ट करती नजर आएंगी। यह शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के लोकप्रिय फॉर्मेट पर आधारित है।

खास बात यह है कि माधुरी करीब 24 साल बाद एक बार फिर टीवी होस्टिंग की दुनिया में वापसी कर रही हैं। शो को लेकर वह काफी उत्साहित हैं, और उन्होंने बताया कि उन्हें इस प्रोजेक्ट की तरफ सबसे ज्यादा कंटेस्टेंट्स की कहानियों और उनके सपनों ने आकर्षित किया।

शो में शामिल होने की वजह बताते हुए माधुरी दीक्षित ने कहा, '''कोण होणार करोडपती' सिर्फ सवालों के जवाब देकर पैसे जीतने वाला शो नहीं है, बल्कि यह लोगों के आत्मविश्वास और सपने देखने की हिम्मत से भी जुड़ा है। मुझे सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि मैं कंटेस्टेंट्स की कहानियों और उनके सपनों के जरिए उनसे जुड़ पाऊंगी। लोगों की जिंदगी के बारे में जानना और उनके सपनों को समझना मुझे इस शो का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करता है।''

माधुरी ने एक्टिंग और होस्टिंग के बीच के अंतर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ''एक अभिनेता को कैमरे के सामने किसी किरदार में ढलना पड़ता है, जबकि होस्ट के तौर पर वह खुद रह सकता हैं। इस शो में दर्शक मेरा स्वाभाविक अंदाज देखेंगे। मैं कंटेस्टेंट्स के सामने बैठकर उनकी जिंदगी के बारे में बात करूंगी और उनकी बातें सुनूंगी।''

'कोण होणार करोडपती' के जरिए माधुरी करीब 24 साल बाद टीवी होस्टिंग में वापसी कर रही है। इससे पहले वह 'कहीं ना कहीं कोई है' नाम के टीवी शो को होस्ट कर चुकी हैं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने फिल्मों और दूसरे प्रोजेक्ट्स में ज्यादा ध्यान दिया।

मराठी 'केबीसी' फॉर्मेट को माधुरी से पहले सचिन खेडेकर, स्वप्निल जोशी और नागराज मंजुले जैसे कलाकार होस्ट कर चुके हैं। शो के मेकर्स ने इसी महीने 'कोण होणार करोडपती' का पहला प्रोमो भी जारी किया था। इसमें माधुरी पारंपरिक महाराष्ट्रीयन अंदाज में नजर आई थीं। उनके इस लुक ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा।

वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी से मिलीं सिमरन, सिल्वर मेडल पर बधाई देते हुए बोलीं-'ये तो बस शुरुआत है'

विश्व केसरी

चेन्नई। साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस सिमरन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच उन्होंने तमिलनाडु के वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी से मुलाकात की। राजा ने हाल ही में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल जीता है। उनकी इस शानदार जीत पर सिमरन ने उनसे मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। इस दौरान एक्ट्रेस ने राजा की मेहनत और उनके डेडिकेशन की तारीफ की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान एक्ट्रेस ने राजा की मेहनत और उनके डेडिकेशन की तारीफ की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुलाकात के दौरान राजा मुथुपांडी ने अपना कॉमनवेल्थ सिल्वर मेडल सिमरन को दिखाया। एक्ट्रेस ने उनका मेडल देखा और उनकी मेहनत, लगन और लगातार कोशिश की जमकर तारीफ की। उन्होंने राजा से कहा कि उनकी यह जीत सिर्फ एक शुरुआत है और उन्हें आगे भी कई बड़ी कामयाबी हासिल करनी है।

सिमरन ने कहा, 'इस जीत के साथ आपने भारत और तमिलनाडु का नाम गर्व से ऊंचा किया है। इससे भी ज्यादा खुशी और गर्व की बात है कि हमारे अपने राज्य से कोई व्यक्ति इंटरनेशनल लेवल पर इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल कर रहा है। जिस तरह की मेहनत और डेडिकेशन आपने दिखाया है, उसी तरह आगे भी मेहनत करते रहें। मैं चाहती हूं कि आप आने वाले समय में भी कई जीत हासिल करें और नेशनल और इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन में कई और मेडल जीतें।'

इस दौरान सिमरन ने राजा से उनके होमटाउन और फैमिली के बारे में भी पूछा। जब राजा ने बताया कि वह कोविलपट्टी से हैं, तो सिमरन ने भी इस शहर से जुड़ी अपनी कुछ यादें उनके साथ साझा कीं।

मुलाकात के आखिर में सिमरन और राजा मुथुपांडी ने साथ में तस्वीरें भी क्लिक करवाईं। इस दौरान राजा अपने सिल्वर मेडल को हाथ में पकड़े हुए नजर आए।

वहीं सिमरन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही एक नई फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ एक्टर जयराम और आर्या भी दिखाई देंगे। फिल्म को एस. गौतमराज डायरेक्ट कर रहे हैं, जबकि इसे व्हाइट कार्पेट फिल्म्स और रेडैक्टेड स्टूडियोज मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग कुछ ही दिन पहले शुरू हुई।

अपने ही शहर में टूरिस्ट बनीं श्रद्धा कपूर, मुंबई की सड़कों से लेकर खाने तक की दिखाई झलक

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी सादगी और चुलबुले अंदाज के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने फैंस के साथ अपनी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी छोटी-छोटी झलकियां साझा करती रहती हैं। कभी वह अपने परिवार के साथ बिताए पलों की तस्वीरें दिखाती हैं, तो कभी अपने सफर और पसंदीदा चीजों से फैंस को रूबरू कराती हैं।

अब श्रद्धा ने अपने ही शहर मुंबई को एक टूरिस्ट की नजर से देखने की कोशिश की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा किए, जिनमें वह मुंबई की गलियों में घूमती और शहर के अलग-अलग रंगों को महसूस करती नजर आ रही हैं।

श्रद्धा कपूर की ओर से इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। पोस्ट में एक तस्वीर उनकी गाड़ी के अंदर की है, जिसमें वह सेल्फी लेती नजर आ रही हैं। इसके अलावा वह एक रेस्टोरेंट में बैठी

हुई भी दिखाई दे रही हैं। एक अन्य तस्वीर में खाने से सजी पूरी टेबल नजर आ रही है, जिसमें टेस्टी खानों से भरी थालियां रखी हुई हैं।

इसके साथ ही उन्होंने गाड़ी से बनाए गए दो वीडियो भी साझा किए। पहले वीडियो में मुंबई का हाईवे दिखाई देता है। सामने चौड़ी सड़क और उसके दोनों ओर ऊंची-ऊंची इमारतें नजर आ रही हैं। दूसरे वीडियो में सड़क किनारे लगा हुआ कपड़ों का बाजार दिखाई देता है। इस बाजार में काफी भीड़ नजर आ रही है और लोग दुकानों पर खरीदारी करते दिख रहे हैं। इस पोस्ट के साथ श्रद्धा ने लिखा, 'खुद की सिटी में टूरिस्ट बने हो कभी?'

श्रद्धा कपूर के फिल्मी सफर की बात करें तो उन्होंने साल 2010 में फिल्म 'तीन पत्ती' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। हालांकि उन्हें असली पहचान साल 2013 में आई फिल्म 'आशिकी 2' से मिली। इस फिल्म में उन्होंने आरोही का किरदार निभाया था और उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

स्पेनः पीएम सांचेज स्यूटा संकट पर संसद को देंगे जानकारी, समिति ने तय की तारीख

विश्व केसरी

मैड्रिड। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज स्यूटा संकट को लेकर सरकार की ओर से उठाए गए कदमों का ब्योरा संसद में पेश करेंगे। बुधवार को प्रवक्ताओं की समिति ने इसके लिए तारीख तय की।

मीडिया आउटलेट एल पायस के मुताबिक समिति ने इस बुधवार को तय किया कि प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज अगले गुरुवार, 3 सितंबर को संसद में पेश होकर स्यूटा संकट से निपटने को लेकर किए गए प्रयासों का उल्लेख करेंगे। सांचेज ने खुद 30 जुलाई को स्वायत्त शहर में लगभग 80,000 प्रवासियों के आने के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए पेश होने का अनुरोध किया था।

बुधवार को ही आधिकारिक सरकारी गजट (बीओई) ने स्यूटा में 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण स्थिति' घोषित करने वाला शाही आदेश भी प्रकाशित किया। इसके तहत 31 दिसंबर तक एक एकीकृत कमान बनाई गई है, जिसके प्रमुख मंत्री एंजेल विक्टर टोरेस हैं। उन्होंने नेशनल इंटेलिजेंस सेंटर (सीएनआई) द्वारा जारी चेतावनियों के संबंध में घटनाओं पर गृह मंत्री फर्नांडो ग्रांडे-मार्लास्का के पक्ष का समर्थन किया है।

वहीं, पीपल्स पार्टी (पीपी) के नेता अल्बर्टो नुनेज फीजो ने 'ऑफिशियल सीक्रेट्स कमेटी' (आधिकारिक गोपनीयता समिति) की बैठक बुलाने की मांग की है, ताकि नेशनल इंटेलिजेंस सेंटर (सीएनआई) घटनाओं के बारे में सरकार के 'पक्ष' को स्पष्ट कर सके, क्योंकि रक्षा मंत्री मार्गरीटा रोबल्स और मार्लास्का के बयान विरोधाभासी थे। उन्होंने सरकार पर झूठ बोलने का आरोप भी लगाया है।

बता दें, जुलाई 2026 के अंत में, लगभग 70,000 से 80,000 अप्रवासी तैरकर या समुद्र तट और बाड़ पार करके अवैध रूप से मोरक्को से स्पेनिश क्षेत्र स्यूटा पहुंचे थे। अचानक हुई इस भारी भीड़ के कारण स्यूटा का प्रशासन हैरान हो गया। इस छोटे से क्षेत्र की प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई, जिससे वहां भारी अराजकता और मानवीय संकट पैदा हो गया। इस दौरान भगदड़ और डूबने से 70 से ज्यादा लोगों की जान भी चली गई थी।

भारत ने यूएन नस्लीय भेदभाव उन्मूलन समिति की रिपोर्ट को किया खारिज, कहा '

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र की नस्लीय भेदभाव उन्मूलन कमेटी (सीईआरडी) की देश के बारे में की गई टिप्पणियों को सिरे से खारिज कर दिया। भारत ने इसे 'राजनीति से प्रेरित' और 'बेहद दुर्भावनापूर्ण' बताया।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान में कहा कि उसने 11-12 अगस्त को जिनेवा में आईसीईआरडी के तहत भारत की 11वीं आवधिक (सामायिक) समीक्षा के बाद 'नस्लीय भेदभाव उन्मूलन कमेटी' के बयान पर गौर किया।

एमईए ने कहा कि यह एक सामान्य संधि-निकाय समीक्षा थी और भारत ने रचनात्मक जुड़ाव की भावना के साथ इसमें हिस्सा लिया। मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि नस्लीय भेदभाव से निपटने के लिए भारत की प्रतिबद्धता अटूट है।

समीक्षा के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने देश की बहुलता, विविधता और विशाल सामाजिक जटिलता को रेखांकित करते हुए मानवाधिकार और समानता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को सामने रखा।

भारत की ओर से यह भी कहा गया कि देश सभी नागरिकों के लिए समानता, गरिमा और अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। भारत ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया।

एमईए ने एक बयान में कहा, 'हालांकि हम स्थापित प्रक्रिया के माध्यम से समिति की टिप्पणियों का जवाब देंगे, लेकिन भारत के सॉलिसिटर जनरल श्री तुषार मेहता के नेतृत्व वाले अंतर-मंत्रालयी प्रतिनिधिमंडल ने समीक्षा बैठक के दौरान ही व्यापक सामान्यीकरण, निराधार आरोपों या कन्वेंशन के अधिकार क्षेत्र से बाहर जाने की प्रवृत्ति को खारिज कर दिया था।'

मंत्रालय ने आगे कहा, 'भारत रिपोर्ट में की गई किसी भी राजनीति से प्रेरित और बेहद दुर्भावनापूर्ण टिप्पणी को पूरी तरह से खारिज करता है और इसकी कड़ी निंदा करता है। एमईए का यह बयान तब आया है जब 'नस्लीय भेदभाव खत्म करने वाली संयुक्त राष्ट्र समिति' ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा जातीय और जातीय-धार्मिक समूहों, मूल निवासियों और आदिवासी लोगों (जिनमें अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति (विशेषकर दलित और नॉन सिटीजन शामिल हैं) के खिलाफ 'बड़े पैमाने पर उल्लंघनों' की खबरों पर चिंता व्यक्त की।

संक्षिप्त खबर

कंपनियों को चीन-रूस की खुफिया एजेंसियों से दूर रखना जरूरी

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। अमेरिका के दोनों प्रमुख दलों के लॉमेकर्स के एक समूह ने ट्रंप प्रशासन से मांग की है कि अमेरिकी नागरिकों और कंपनियों को चीन और रूस की सिविलियन खुफिया एजेंसियों के लिए काम करने से रोका जाए। लॉमेकर्स का कहना है कि मौजूदा कमियों की वजह से विदेशी दुश्मन देश अमेरिका की एडवांस्ड सर्विलांस, साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी हासिल कर सकते हैं। लॉमेकर्स ने कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लटनिक से आग्रह किया कि वे 2022 में कांग्रेस की ओर से मंजूर किए गए उन एक्सपोर्ट कंट्रोल प्रावधानों को लागू करें, जिन्हें अब तक पूरी तरह लागू नहीं किया गया है। इस समूह में डेमोक्रेट सीनेटर रॉन वाइडन और पीटर वेल्च, रिपब्लिकन सीनेटर जॉन कॉर्निन, रिपब्लिकन लॉमेकर पैट हैरिगन और माइकल मैककॉल, तथा डेमोक्रेट लॉमेकर सारा जैकब्स शामिल हैं। लॉमेकर्स ने कहा कि वर्तमान अमेरिकी नियम चीन, रूस और कुछ अन्य देशों की सैन्य खुफिया एजेंसियों की मदद करने पर रोक लगाते हैं, लेकिन उनकी नागरिक खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों को प्रभावी ढंग से कवर नहीं करते।

दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में एच5 संक्रमण का संदिग्ध मामला : 'रेड फॉक्स' की मौत

विश्व केसरी

एडिलेड। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के महानगरीय एडिलेड इलाके में एक लाल लोमड़ी में एच5 बर्ड फ्लू संक्रमण की आशंका है। वन्यजीव कर्मी ने ओसबोर्न इलाके के रेत के टीलों में लोमड़ी को असामान्य न्यूरोलॉजिकल लक्षणों के साथ देखा, जिसके बाद उसे पकड़कर मार दिया गया। एबीसी न्यूज ने बताया कि राज्य सरकार के मुताबिक, इस घटना के अलावा बर्ड फ्लू के चार अन्य संदिग्ध मामले भी सामने आए हैं। इनमें लाइमस्टोन कोस्ट के साउथेंड में एक लिटिल पेंगुइन का मामला भी शामिल है। डीकिन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर इवान रिची ने कहा कि लोमड़ियां अत्यधिक अवसरवादी शिकारी और मृत जीवों को खाने वाली प्रजाति हैं। ऐसे में उनका संक्रमित पक्षियों के संपर्क में आना हैरान करने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि लोमड़ियां संक्रमित पक्षियों की तुलना में अधिक गतिशील नहीं होतीं, लेकिन वे शहरी इलाकों में नियमित रूप से घूमती रहती हैं। वे घरों के पिछवाड़े और कई बार मकानों के नीचे तक पहुंच जाती हैं। ऐसे में उनका संपर्क पालतू कुत्तों, बिल्लियों और मुर्गियों से हो सकता है। रिची ने पालतू जानवरों को सुरक्षित तरीके से घर के भीतर या नियंत्रित क्षेत्र में रखने की सलाह देते हुए कहा कि यह घटना संभावित बीमारी के प्रसार से पालतू जानवरों को बचाने की जरूरत की एक और समयानुकूल याद दिलाती है। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया आउटलेट न्यूज डॉट कॉम ने बताया कि इनवेसिव स्पीशीज काउंसिल के रॉब ब्रूस्टर ने कहा कि संदिग्ध मामला उन ऑस्ट्रेलियाई स्तनधारियों के लिए भी खतरे को रेखांकित करता है जो मृत या संक्रमित पक्षियों को खाकर वायरस के संपर्क में आ सकते हैं।

पुर्तगाल से अगले पड़ाव के लिए रवाना हुआ आईएनएस सुदर्शिनी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी, पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन से अपने अगले पड़ाव के लिए रवाना हो गया है। पुर्तगाल में आईएनएस सुदर्शिनी ने तीन दिवसीय यात्रा पूरी की। यह यात्रा भारतीय नौसेना के मौजूदा लोकायन 2026 अंतरमहाद्वीपीय समुद्री अभियान का हिस्सा थी। इस दौरान दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच पेशेवर संपर्क और समुद्री सहयोग को और मजबूत करने पर फोकस किया गया।

लिस्बन में ठहराव के दौरान आईएनएस सुदर्शिनी के कमांडिंग ऑफिसर ने पुर्तगाली नौसेना अकादमी के कमांडेंट रियर एडमिरल मिगुएल बेस्सा पाशेको से बातचीत की। इसके साथ ही उन्होंने पुर्तगाली नौसेना के उप बेड़ा कमांडर रियर एडमिरल जोआओ पाउलो सिल्वा परेरा से भी मुलाकात की। इन मुलाकातों में दोनों नौसेनाओं के बीच संस्थागत संबंधों को मजबूत करने और एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को बेहतर ढंग से समझने पर चर्चा हुई। लिस्बन यात्रा के दौरान भारतीय नौसेना के समुद्री प्रशिक्षुओं के लिए पुर्तगाली नौसेना अकादमी एस्कोला नावल का दौरा भी आयोजित किया गया। भारतीय प्रशिक्षुओं ने अपने यहां पुर्तगाली समकक्षों से बातचीत की और अकादमी के ऐतिहासिक परिसर तथा प्रशिक्षण सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान दोनों देशों के प्रशिक्षुओं ने समुद्री कौशल, नौकायन और बड़े पाल वाले प्रशिक्षण पोतों पर प्रशिक्षण से जुड़े अपने अनुभव साझा किए।

इससे युवा नौसैनिक प्रशिक्षुओं को एक-दूसरे की प्रशिक्षण पद्धतियों और समुद्री परंपराओं को समझने का अवसर मिला। लिस्बन में आईएनएस सुदर्शिनी के डेक पर एक विशेष स्वागत समारोह भी आयोजित किया गया। इसमें पुर्तगाल के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, राजनयिक समुदाय के सदस्य और पुर्तगाल में रहने वाले भारतीय समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हुए। यह आयोजन केवल एक औपचारिक मुलाकात तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों को समुद्री क्षेत्र में आगे बढ़ाने का भी अवसर बना।

संघर्षों से खाद्य सुरक्षा को बड़ा खतरा, मानवीय संकट कम करने पर ध्यान दे सुरक्षा परिषद : भारत

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने कहा है कि दुनिया भर में चल रहे संघर्ष खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक बनते जा रहे हैं। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सबसे पहली प्राथमिकता संघर्षों के मानवीय संकट को कम करना होनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने मंगलवार को कहा कि आज के संघर्षों का असर केवल युद्ध वाले क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसके प्रभाव बहुत दूर तक फैलते हैं।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा बाजार, उर्वरक (फर्टिलाइजर) की सप्लाई, समुद्री परिवहन, मानवीय सहायता की आपूर्ति और कृषि व्यापार में आने वाली रुकावटों ने दिखा दिया है कि किसी एक क्षेत्र का संघर्ष पूरी दुनिया की खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है।

उन्होंने सुरक्षा परिषद की खुली बहस 'फूड अंडर फायरः द सिक्योरिटी कौंसिल्स रोल इन मिटिगेटिंग ग्लोबल एंड लोकल फूड क्राइसिस' में कहा कि आयात पर ज्यादा निर्भर विकासशील देशों पर इन रुकावटों का सबसे अधिक असर पड़ता है।

हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद की तत्काल प्राथमिकता संघर्षों से पैदा होने वाले मानवीय संकट को कम करना होनी चाहिए। इसके लिए सुरक्षित, तेज और बिना बाधा मानवीय सहायता पहुंचाना और संघर्ष से बचाव की व्यवस्थाओं को समर्थन देना जरूरी है। सुरक्षा परिषद को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके कदम, जैसे प्रतिबंध (सैंक्शन्स) लगाना, अनजाने में मानवीय सहायता या वैध खाद्य और कृषि व्यापार में बाधा न बनें।

हालांकि, उन्होंने कहा कि अंततः खाद्य सुरक्षा वाले मजबूत समाज बनाना मुख्य रूप से राष्ट्रीय सरकारों की जिम्मेदारी है। इसमें संयुक्त राष्ट्र की विकास एजेंसियां और रोम स्थित संस्थाएं सहयोग कर सकती हैं, लेकिन यह काम सिर्फ सुरक्षा परिषद का नहीं है।

'ड्रैगन-एलिफेंट टैंगो' के रूप में आगे बढ़ेंगे भारत-चीन संबंध, डोभाल और वांग यी की बैठक में बनी सहमति

विश्व केसरी

नई दिल्ली। चीन के बीजिंग में भारत-चीन सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधियों की 25वें दौर की वार्ता हुई। बैठक में दोनों देशों ने सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के साथ द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर 25वें दौर की वार्ता की जानकारी साझा की।

चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, बीजिंग में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने चीन-भारत सीमा प्रश्न पर विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के 25वें दौर की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान वांग यी ने कहा कि चीन भारत के साथ रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अच्छे पड़ोसी, अच्छे मित्र और एक-दूसरे की सफलता में सहयोग देने वाले साझेदार बनना चाहिए। उन्होंने चीन और भारत के रिश्तों को 'ड्रैगन-एलिफेंट टैंगो' के रूप में आगे बढ़ाने की बात कही।

मंत्रालय के अनुसार, वांग यी ने जोर देकर कहा कि दोनों देशों को इतिहास से सीख लेनी चाहिए और सीमा विवाद को द्विपक्षीय संबंधों के पूरे ढांचे में उचित स्थान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर बिना रुकावट, पीछे हटे या रास्ता बदले आगे बढ़ना जरूरी है। साथ ही, चीन-भारत सीमा मामलों को लेकर धीरे-धीरे एक सकारात्मक माहौल तैयार किया जाना चाहिए, जिसमें संवाद, शांति, विचार-विमर्श और सहयोग मुख्य आधार हों। उनका कहना था कि इससे दोनों देशों के संबंधों के स्वस्थ और स्थिर विकास को नई सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। मंत्रालय ने बताया कि बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने सीमा वार्ताओं को आगे बढ़ाने, सीमा क्षेत्रों का बेहतर प्रबंधन करने, आपसी समन्वय तंत्र को मजबूत बनाने और सीमा पार सहयोग बढ़ाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

होर्मुज में जहाजों की आवाजाही अब भी बेहद कम मंगलवार को सिर्फ 5 मालवाहक पोत गुजरे

विश्व केसरी

सिंगापुर। रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जहाजों की आवाजाही मंगलवार को भी बेहद निचले स्तर पर बनी रही। शिप-ट्रैकिंग कंपनी केप्लर के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, मंगलवार को स्ट्रेट से महज पांच कमोडिटी पोत गुजरे, जबकि पिछले 10 दिनों का औसत 15 पोत प्रतिदिन रहा है।

रॉयटर्स के मुताबिक, मंगलवार को दो तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) टैंकर और बिटुमेन ले जा रहा एक टैंकर स्ट्रेट से बाहर निकला, जबकि दो खाली प्रोडक्ट टैंकर अंदर दाखिल हुए। इससे एक दिन पहले सोमवार को केवल एक पोत के गुजरने की सूचना मिली थी। हालांकि, ये आंकड़े अभी प्रारंभिक हैं और इनमें बदलाव हो सकता है। इसकी वजह यह है कि कुछ जहाज यात्रा के दौरान अपना ट्रांसपोंडर बंद कर देते हैं, जिससे शिप-ट्रैकिंग सिस्टम में उनकी आवाजाही दर्ज नहीं हो पाती।

होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद अहम समुद्री मार्ग है। यहां जहाजों की आवाजाही में लगातार कमी ऐसे समय में सामने आई है, जब ईरान और ओमान स्ट्रेट के जरिए नौवहन बहाल करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। दोनों पक्ष अस्थायी नौवहन गलियारा बनाने और जलमार्ग से बारूदी सुरंगें हटाने पर चर्चा कर रहे हैं। मंगलवार को ईरान-ओमान वार्ता से जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की उम्मीद बढ़ी, जिसके बाद तेल की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई। दोनों ने जॉइंट टेंपररी नेविगेशनल कॉरिडोर बनाने पर चर्चा की थी। हालांकि, समुद्री यातायात के आंकड़े बताते हैं कि सामान्य आवाजाही अभी बहाल नहीं हुई है। ईरान और ओमान ने होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही फिर शुरू करने के लिए एक अस्थायी समुद्री रास्ता बनाने पर मंत्रणा की।

आरएसएस प्रमुख का दौरा अल्पसंख्यक समुदायों की चिंताओं पर चर्चा करने का अवसर : सिख-अमेरिकी नेता

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के अमेरिका दौरे पर सिख-अमेरिकी समुदाय के नेता जसदीप सिंह जस्सी ने उनका स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह दौरा अल्पसंख्यक समुदायों की चिंताओं पर चर्चा करने का अवसर है। जस्सी ने कहा कि भागवत का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण और चर्चा में रहने वाला है। उनके अनुसार, अमेरिकी भारतीय समुदाय के साथ होने वाले कार्यक्रमों ने काफी ध्यान आकर्षित किया है।

उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'जहां तक मुझे याद है, इससे पहले मोहन भागवत जी का अमेरिका का इतना बड़ा और इतना ज्यादा चर्चित दौरा मैंने नहीं देखा।' उन्होंने कहा कि उनकी इस यात्रा को बहुत हाई-प्रोफाइल दौरे के रूप में देखा जा रहा है। वे मैडिसन स्क्वायर गार्डन में समुदाय के साथ एक बड़ा कार्यक्रम करने जा रहे हैं और कई अन्य कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे। जस्सी ने कहा कि यह दौरा अमेरिका में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को भी दर्शाता है। उनके अनुसार, अमेरिका उन संगठनों का भी स्वागत करता है जिनके विचारों से कुछ लोग सहमत न हों। उन्होंने कहा कि आरएसएस भारत का एक बहुत महत्वपूर्ण संगठन है। यह भी दिखाता है कि अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी है और यहां हर किसी का स्वागत किया जाता है, भले ही कुछ लोगों को आरएसएस के विचारों से मतभेद हो। जस्सी ने माना कि अमेरिका में कुछ समूह और लोग आरएसएस को लेकर नकारात्मक राय रखते हैं। उनका मानना है कि भागवत को अपने दौरे के दौरान इन चिंताओं का जवाब देना चाहिए और संगठन के बारे में सीधे लोगों को जानकारी देनी चाहिए।

दक्षिण कोरिया का दावा, 'रूसी सैन्य विमानों ने उसके एयर डिफेंस जोन में की घुसपैठ'

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने बुधवार को दावा किया कि कई रूसी सैन्य विमान मंगलवार को दक्षिण कोरिया के पूर्वी समुद्री क्षेत्र के ऊपर उसके एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन (केएडीआईजेड) में दाखिल हुए। रक्षा विभाग के अनुसार ये थोड़ी देर बाद ही वापस लौट गए।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि जेसीएस ने इसे लेकर एक बयान जारी किया। इसके मुताबिक, रूसी विमान दक्षिण कोरिया के सबसे पूर्वी द्वीप डोकडो और नजदीकी उल्लुंगदो द्वीप के आसपास केएडीआईजेड में दाखिल हुए। दक्षिण कोरियाई सेना ने विमानों की गतिविधि को पहले ही भांप लिया था और किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए वायुसेना के लड़ाकू विमानों को तैनात कर दिया।

हालांकि, दक्षिण कोरियाई सेना ने स्पष्ट किया कि रूसी विमानों ने देश के वास्तविक हवाई क्षेत्र का उल्लंघन नहीं किया। केएडीआईजेड किसी देश का संप्रभु हवाई क्षेत्र नहीं होता, बल्कि विदेशी विमानों से अपनी पहचान बताने के लिए बनाया गया एक क्षेत्र है, ताकि हवाई टकराव जैसी आकस्मिक घटनाओं को रोका जा सके। यह घटना ऐसे समय हुई है जब अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के बीच सैन्य सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। अमेरिका ने हाल ही में दक्षिण कोरिया और जापान के साथ 'फ्रीडम एज' त्रिपक्षीय सैन्य अभ्यास की तैयारी की पुष्टि की है।

इससे पहले जून में भी करीब 10 चीनी और रूसी सैन्य विमान दक्षिण कोरिया के केएडीआईजेड में दाखिल हुए थे और कुछ समय बाद वहां से निकल गए थे। उस घटना के बाद सोल ने चीन और रूस के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया था। जून से पहले पिछले साल दिसंबर में चीन और रूस के नौ सैन्य विमान केएडीआईजेड में दाखिल हुए थे। 2019 से, दोनों देश संयुक्त अभ्यास के दौरान बिना किसी पूर्व सूचना के साल में एक या दो बार अपने सैन्य विमान केएडीआईजेड में भेजते रहे हैं।

कोलवासरी प्रबंधन की मनमानी से ग्राम अमाली के मार्ग में लगा जाम

आक्रोशित ग्रामीणों ने दी कलेक्टर घेराव की चेतावनी

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। कोलवासरी के भारी वाहनों की वजह से कोटा के ग्राम अमाली पहुंच मार्ग कल दोपहर 1:00 बजे से पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है। सड़क पर 100 से 150 हाइवा गाड़ियों की लंबी कतारें लगने के कारण रास्ता पूरी तरह से ब्लॉक हो चुका है। इस भीषण जाम और बदहाल सड़क की वजह से स्थानीय राहगीर और ग्रामीण बेहद परेशान हैं। स्थिति इतनी गंभीर है कि मार्ग से किसी कार या ट्रैक्टर का निकलना तो दूर, लोगों का पैदल चलना भी दूभर हो गया है।

सडक चलने लायक नही रह गई है और कोलवाशरी प्रबंधन की कोयला लोड गाडियां सडक की दुर्दशा कर के रखी है द्य जिसके विरोध में ग्रामीणों नें गांव के अंदर प्रवेश करने वाले मार्ग के शुरू में ही गड्ढा खोदवा दिया गाडियों की लंबी कतारें लग गई है द्य ग्रामीणों का कहना है कोलवाशरी प्रबंधन शासन प्रशासन सडक को जल्द ही बनवाए।

ग्रामीणों का आरोप, मैनेजर की दोटूक— 'जो करना है कर लो'

स्थानीय सरपंच हितेंद्र सिंह और ग्रामीण छोटू जयसवाल के अनुसार, यह समस्या गतवा फाटक आमाली क्षेत्र में संचालित हो रही तीन चार कोलवासरी डिपो के कारण हो रही है है। जब गांव के पंच, सरपंच, उप सरपंच और जनपद सदस्यों ने इस संबंध में कोलवासरी के मैनेजर से बात की, तो उन्होंने गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाया। आरोप है कि मैनेजर ने ग्रामीणों को दोटूक शब्दों में कहा, 'आपको जो करना है कर लो, ट्रक तो यहीं से चलेंगे। गांव वाले कहीं से भी आएं-जाएं, हमें कोई मतलब नहीं है।' सडक बनते रहेगी और गाड़ियां चलते रहेगी।

बदहाल सडक पर आटो भी पलट गया जिसके कारण आटो चालक को भारी समस्या का सामना करना पडा।

कोल वालों के तानाशाही रवैये से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समझ नहीं आता कि आखिर किसके संरक्षण और छत्रछाया के दम पर कोलवासरी प्रबंधन जनप्रतिनिधियों तक की बात को अनसुना कर रहा है।

आज शाम तक का अल्टीमेटम, उग्र आंदोलन की तैयारी

सड़क की इस दुर्दशा और लगातार लगने वाले जाम को लेकर ग्राम अमाली, लमेरपारा, लमकनिहापारा, बिल्लबंद और धरमपूरा की जनता ने प्रशासन को कड़ा अल्टीमेटम दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि आज शाम तक इस सड़क की मरम्मत नहीं की गई और हाइवा गाड़ियों का सुचारू प्रबंधन नहीं हुआ, तो सभी पांचों गांवों की जनता एकजुट होकर बहुत जल्द जिला कलेक्टर का घेराव करेगी। ग्रामीणों ने साफ कर दिया है कि यदि उनकी समस्या का तुरंत समाधान नहीं हुआ, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

तोखन साहू का प्रयास रंग लाया बिलासपुर-यलहंका ट्रेन अब नियमित

26 अगस्त को हरी झंडी दिखाएंगे केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। बिलासपुर से बेंगलुरु के बीच रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू के निरंतर प्रयासों से बिलासपुर-यलहंका साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को अब नियमित कर दिया गया है। नियमित सेवा की शुरुआत 26 अगस्त 2026 से होगी।

बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र के यात्रियों की आवश्यकता और लंबे समय से उठ रही मांग को गंभीरता से लेते हुए तोखन साहू ने इस रेल सेवा को नियमित कराने के लिए लगातार पहल की। उनके प्रयासों का परिणाम है कि अब बिलासपुर से दक्षिण भारत के महत्वपूर्ण शहर बेंगलुरु तक साप्ताहिक नियमित रेल सेवा उपलब्ध होगी।

26 अगस्त को तोखन साहू दिखाएंगे हरी झंडी

नियमित परिचालन की शुरुआत के अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू 26 अगस्त को बिलासपुर से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह अवसर बिलासपुर के रेल यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तोखन साहू ने इस महत्वपूर्ण रेल सुविधा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में रेल सुविधाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है और छत्तीसगढ़ को भी इसका लाभ मिल रहा है।

हर बुधवार बिलासपुर से चलेगी ट्रेन

रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 18261 बिलासपुर-यलहंका साप्ताहिक ट्रेन 26 अगस्त से प्रत्येक बुधवार को बिलासपुर से दोपहर 2:00 बजे रवाना होगी और अगले दिन शाम 7:00 बजे यलहंका पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 18262 यलहंका-बिलासपुर साप्ताहिक ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को रात 9:30 बजे यलहंका से रवाना होगी।

यह ट्रेन भाटापारा, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया, बल्लारशाह, काजीपेट, सिकंदराबाद, रायचूर, गुंतकल, अनंतपुर, धर्मवरम और हिंदूपुर सहित विभिन्न प्रमुख स्टेशनों से होकर चलेगी।

बिलासपुर के विकास को मिल रही नई रफ्तार

तोखन साहू की पहल से नियमित हुई यह ट्रेन बिलासपुर और दक्षिण भारत के बीच आवागमन को आसान बनाएगी। विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों, मरीजों तथा बेंगलुरु आने-जाने वाले यात्रियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

बिलासपुर के रेल यात्रियों की मांग को केंद्र तक पहुंचाने से लेकर उसे मूर्त रूप दिलाने तक श्री तोखन साहू की सक्रिय भूमिका रही है। उनके प्रयासों से क्षेत्र में रेल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है।

डाक विभाग ने आधार अपडेट के लिए लगाया शिविर

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। मंगलवार को आधार सेवा केंद्र उप डाकघर कसडोल के द्वारा शा.हाई स्कूल खर्री पोस्ट ऑफिस आमाखोहा में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट हेतु कैंप का आयोजन किया गया।

इस कैंप में कुल 32 छात्र छात्राओं का मुफ्त बायोमेट्रिक अपडेट किया गया, साथ ही नाम एवं जन्म सुधार संबंधी जानकारी दी गई। उप डाकघर कसडोल के आधार ऑपरेटर धनंजय श्रीवास के अनुसार डाक विभाग की ये पहल दूर दराज के उन स्कूलों एवं गांवों के लिए महत्वपूर्ण है जहां आवागमन के लिए उचित साधन उपलब्ध नहीं है।

साथ ही खेती किसानी एवं अन्य कारणों से जो बच्चे उप डाकघर तक नहीं पहुंच पाते उन तक खुद पहुंच कर स्र्क किया जा रहा है ताकि बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित ना हो। इस कैंप में उप डाकघर कसडोल से आधार ऑपरेटर धनंजय श्रीवास, आमाखोहा पोस्टमास्टर रवि कुमार मांझी, हटौदबाजार कार्यवाहक पोस्टमास्टर श्री अनुराग ठाकुर शालेय समिति के अध्यक्ष श्री सालिक राम यादव प्राचार्य सन्तोष कुमार धृतलहरे ,व्याख्याता रूपेश पटेल, रामजी रजक श्रीमती सीता कैवर्त, प्रधान पाठक योगेन्द्र कुमार श्रीवास की उपस्थिति रही। इस कैंप के माध्यम से डाक विभाग द्वारा आयोजित ढाई आखर निबंध प्रतियोगिता एवं छात्रवृति खातों तथा डाक विभाग की अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

छत्तीसगढ़ का पहला पूरी तरह डिजिटल टोल प्लाजा : केसला टोल प्लाजा

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रा को अधिक सुगम, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ ने एक नई उपलब्धि हासिल की है। बिलासपुर-रायगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर स्थित केसला टोल प्लाजा प्रदेश का पहला पूरी तरह डिजिटल टोल प्लाजा बन गया है, जहां टोल भुगतान की डिजिटल व्यवस्था के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों के लिए लोकल मासिक पास की सुविधा भी पूरी तरह ऑनलाइन उपलब्ध करा दी गई है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) द्वारा देशभर के चयनित टोल प्लाजा पर शुरू की गई फास्टैग डिजिटल लोकल पास सुविधा के तहत छत्तीसगढ़ में केसला टोल प्लाजा को इस नई व्यवस्था से जोड़ा गया है। अब स्थानीय यात्रियों को मासिक पास बनवाने के लिए टोल प्लाजा पर व्यक्तिगत रूप से जाने अथवा भौतिक दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। पात्र नागरिक अपने मोबाइल फोन के माध्यम से 'राजमार्ग यात्रा' (Rajmargyatra) एप या एनएचएआई के आधिकारिक वेब पोर्टल के जरिए घर बैठे डिजिटल लोकल पास के लिए आवेदन कर सकेंगे।

20 किलोमीटर के दायरे में रहने वालों को सुविधा

डिजिटल लोकल पास योजना के तहत संबंधित टोल प्लाजा के 20 किलोमीटर के दायरे में निवास करने वाले पात्र स्थानीय नागरिक ऑनलाइन माध्यम से मासिक लोकल पास के लिए आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित प्रावधानों के अनुसार पात्र उपयोगकर्ताओं को संबंधित टोल प्लाजा से मासिक आधार पर यात्राओं की सुविधा मिलेगी।

350 रुपए में मिलेगा पास

नेशनल हाइवे यूजर फीस नियमों के तहत गैर-व्यावसायिक (नॉन-कमर्शियल) वाहनों के लिए मासिक लोकल पास का शुल्क 350 रुपए निर्धारित किया गया है। टोल प्लाजा से सुगम और बिना किसी बाधा के आवाजाही के लिए यह पास अनिवार्य होगा, जिससे पात्र स्थानीय यात्री आसानी से टोल पार कर सकेंगे।

डिजीलॉकर और जीआईएस से होगा डिजिटल सत्यापन

डिजिटल लोकल पास व्यवस्था को डिजीलॉकर, वाहन संबंधी सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म और लिंक किए गए फास्टैग जैसी प्रणालियों के साथ सहमति-आधारित डिजिटल एकीकरण से जोड़ा गया है। इसके माध्यम से आवेदक के आवासीय पते, वाहन विवरण और अन्य आवश्यक जानकारियों का डिजिटल सत्यापन किया जा सकेगा। पात्रता का निर्धारण भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित तकनीक से भी किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवेदक का पंजीकृत पता संबंधित टोल प्लाजा के निर्धारित 20 किलोमीटर के दायरे में स्थित है या नहीं। इस व्यवस्था से हस्तचालित दस्तावेजीकरण और भौतिक सत्यापन की आवश्यकता समाप्त होगी तथा पात्रता निर्धारण में अधिक पारदर्शिता, एकरूपता और सटीकता सुनिश्चित होगी।

अन्य टोल प्लाजा तक भी पहुंचेगी सुविधा

केसला टोल प्लाजा से शुरू हुई यह डिजिटल पहल प्रदेश में टोल सेवाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के अन्य टोल प्लाजा पर भी इस ऑनलाइन सुविधा का विस्तार किया जाएगा, जिससे स्थानीय नागरिकों को अधिक सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। एनएचएआई द्वारा डिजिटल तकनीक के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को बेहतर और जन-केंद्रित सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। लोकल डिजिटल पास तथा संबंधित टोल प्लाजा की जानकारी के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ता राजमार्ग यात्रा के आधिकारिक पोर्टल https://rajmargyatra.nhai.gov.in पर जा सकते हैं।

एनटीपीसी सीपत में 'संकल्प' निःशुल्क कोचिंग कार्यक्रम का शुभारंभ

विश्व केसरी

कोरबा। एनटीपीसी सीपत ने अपने सामाजिक दायित्व और सामुदायिक विकास पहलों के अंतर्गत शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं नीट एवं जेई की तैयारी कराने के उद्देश्य से 'संकल्प' नि:शुल्क कोचिंग कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। इस विशेष शैक्षणिक पहल का औपचारिक उद्घाटन कलेक्टर (बिलासपुर) संजय अग्रवाल, आईएएस तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस उप-महानिरीक्षक (बिलासपुर) रजनेश सिंह, आईपीएस द्वारा परियोजना प्रमुख स्वपन कुमार मंडल की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

'संकल्प' कार्यक्रम के माध्यम से आसपास के शासकीय विद्यालयों—जिनमें शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीपत, शासकीय हाईस्कूल दर्राभाटा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजी, तथा स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय (हिंदी व अंग्रेजी माध्यम) सीपत एवं पंधी शामिल हैं—के कक्षा 11वीं और 12वीं के कुल 100 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन किया गया है। पारदर्शिता एवं योग्यता के आधार पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के उपरांत दोनों कक्षाओं के लिए 50-50 विद्यार्थियों के पृथक बैच बनाए गए हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को सप्ताह में चार दिन, प्रतिदिन तीन घंटे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित एवं जीव विज्ञान विषयों का गहन मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि संजय अग्रवाल ने एनटीपीसी सीपत की इस पहल की सराहना की और कहा कि 'संकल्प' जैसी पहल सामुदायिक विकास के साथ-साथ क्षेत्र में शिक्षा के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

विकासखंड स्तरीय राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी का सफल आयोजन

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। विकासखंड स्तरीय राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन प्रगति विद्या मंदिर, कोट क, कसडोल में सफलतापूर्वक किया गया। संगोष्ठी का विषय 'भारतीय ऊर्जा परिप्रेक्ष्य-2047 : संभावनाएं एवं चुनौतियां' रखा गया। प्रतियोगिता में विकासखंड कसडोल के विभिन्न विद्यालयों से कक्षा 8वीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में जिला नोडल अधिकारी कौशिक मुनि त्रिपाठी, विकासखंड नोडल अधिकारी थानू राम साहू, बलदाऊ डडसेना, प्रगति विद्या मंदिर के संचालक शेषनारायण साहू तथा संस्था की प्राचार्य लता सोनवानी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में मीनू वर्मा, श्रीकांत पुरेना, बिजेन्द्र कुमार देवांगन, खेमराम जायसवाल, सूरज कैवर्त एवं हेराम देवांगन ने अपनी भूमिका निभाई।

जिला नोडल अधिकारी कौशिक मुनि त्रिपाठी ने कहा कि भारत के विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य में ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। वर्ष 2047 तक ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की विज्ञान संगोष्ठियां विद्यार्थियों को केवल प्रतियोगिता का मंच नहीं देतीं, बल्कि उन्हें देश की भविष्य की चुनौतियों पर चिंतन करने और समाधान प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का विद्यार्थी ही विकसित भारत के निर्माण का प्रमुख आधार बनेगा।

विकासखंड नोडल अधिकारी थानू राम साहू ने कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि हमारे दैनिक जीवन और देश के भविष्य से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा तथा वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के प्रति जागरूक करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विचार निश्चित रूप से भविष्य की ऊर्जा चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

बलदाऊ डडसेना ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, प्रस्तुतीकरण क्षमता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं आत्मविश्वास विकसित करती हैं। उन्होंने कहा कि 'भारतीय ऊर्जा परिप्रेक्ष्य-2047' जैसा विषय विद्यार्थियों को देश के भविष्य के बारे में सोचने और अपनी रचनात्मक सोच को सामने रखने का अवसर प्रदान करता है।

प्रगति विद्या मंदिर के संचालक शेषनारायण साहू ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता का आयोजन हमारे विद्यालय में होना हमारे लिए सौभाग्य और गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार को विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों एवं आयोजकों की मेजबानी करने का अवसर मिला, जिससे विद्यालय में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों, निर्णायकों, शिक्षकों एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संस्था की प्राचार्य लता सोनवानी ने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना विद्यालय का महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से विद्यार्थियों को विज्ञान एवं ऊर्जा के क्षेत्र में नए विचारों को समझने तथा उन्हें प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर मिला। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों, निर्णायकों, शिक्षकों एवं सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

कांकेर में मनाया गया ईद मिलादुन्नबी जामा मस्जिद से निकला भव्य जुलूस

विश्व केसरी

कांकेर (रोहित शर्मा)। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस बारह रबीउल अव्वल के अवसर पर कांकेर में जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व हर्षोल्लास और अकीदत के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर करीब 12 दिन पहले से तैयारियां शुरू कर दी गई थीं। मस्जिदों सहित नगर के विभिन्न स्थानों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया।

समस्त विश्व में आज इस्लाम धर्म के के पैगंबर हुजूर मोहम्मद साहब का जन्मदिन मनाया गया। काँकेर में भी यह पर्व अत्यंत उत्साह एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ । अन्य धर्म के लोगों ने भी मुस्लिम भाइयों के घर जाकर बधाइयां देकर अपनी प्रसन्नता प्रकट की। पहले से तयशुदा कार्यक्रम के अनुसार जुलूस ए मोहम्मदी काँकेर शहर की जामा मस्जिद से शुरू होकर मुख्य मार्गो की परिक्रमा करते हुए कलेक्टर बंगला तथा नया बस स्टैंड होते हुए वापस जामा मस्जिद पहुंचा इस दौरान संजय नगर की सिब्तैन रज़ा मस्जिद तथा जामा मस्जिद में परचम कुशाई की रस्म अदा की गई। समस्त विश्व में शांति एवं विश्व बंधुत्व का संदेश दिया गया। समस्त कार्यक्रम का आयोजन अंजुमन कमेटी के सदर जावेद मेमन द्वारा किया गया था। अंजुमन कमेटी द्वारा मेमन पैलेस में लंगर का इंतज़ाम किया गया था। सदर जावेद ने सबसे पहले पुलिस प्रशासन को यातायात की वैकल्पिक व्यवस्था एवं बेहतरीन इंतज़ाम हेतु धन्यवाद दिया तथा अपने कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। जुलूस में बहुत बड़ी संख्या में बच्चों ने भी भाग लिया। समाज के वरिष्ठ सदस्य मोहम्मद हनीफ़ शेखानी, गुलताज खान, गफ़्फार मेमन, नसीम अली, फ़हीम खान ,मक़बूल खान, एवं कमेटी के सदस्य उत्साह पूर्वक शरीक रहे। आज का कार्यक्रम आने वाले वर्षों के लिए यादगार रहेगा। आयोजन के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर जावेद मेमन एवं उनकी टीम ने नगरवासियों एवं समाज के लोगों को ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी।

लिव-इन में रह रहे युवक की मौत प्रेमिका ने काटा अपना गला

विश्व केसरी

अंबिकापुर (उमाकांत पाण्डेय)। शहर के सुभाष नगर इलाके में बुधवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे युवक की घर पर खून से लथपथ लाश मिली। घटना के बाद युवक की प्रेमिका ने भी गला काटकर खुद को गंभीर रूप से घायल कर लिया। मृतक की पहचान मोहन पैकरा के रूप में हुई है। पूरा मामला गांधीनगर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, युवक पिछले करीब 10 साल से अपनी प्रेमिका के साथ किराए के मकान में रह रहा था। घटना के दौरान युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। वहीं, उसके साथ रह रही प्रेमिका ने भी अपना गला काट लिया। गंभीर हालत में उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रेमिका का कहना है कि उसके प्रेमी ने खुद अपना गला काटा था। इसके बाद उसे खून से लथपथ देखकर उसने भी अपना गला काट लिया। फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही गांधीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। घर के दरवाजे पर युवक का खून से लथपथ शव बरामद हुआ। दीवार पर भी खून के निशान मिले। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए. युवक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले में की जांच में जुटी हुई है।

स्पेसएक्स लुइसियाना स्पेसपोर्ट में 100 अरब डॉलर करेगी निवेश; 11,100 से अधिक नौकरियां पैदा होंगी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। एलन मस्क के नेतृत्व वाली स्पेसएक्स ने लुइसियाना में एक बड़े स्तर की लॉन्च सुविधा बनाने के लिए 100 अरब डॉलर का निवेश करने का ऐलान किया है।

लुइसियाना इकोनॉमिक डेवलपमेंट के अनुसार, प्रस्तावित स्पेसपोर्ट से अगले 10 वर्षों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 11,100 से अधिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

स्पेसएक्स ने बताया कि 'स्टारबेस लुइसियाना' नाम से बनाई जाने वाली यह सुविधा उसके स्टारशिप अंतरिक्ष यान के लिए उच्च-आवृत्ति वाली लॉन्च साइट होगी और इसे वर्मिलियन पैरिश में बनाया जाएगा।

इसके अलावा, मस्क ने 'एक्स' पर कहा कि इसमें एक दर्जन से अधिक लॉन्च टावर होंगे। इससे प्रतिदिन 30 से अधिक स्टारशिप उड़ानों को संभव बनाया जा सकेगा और इससे यह पृथ्वी की सबसे बड़ा लॉन्च साइट बन जाएगी। लुइसियाना इकोनॉमिक डेवलपमेंट एजेंसी ने बताया कि यह सुविधा हर साल हजारों लॉन्च का समर्थन करने के लिए तैयार की जाएगी। इससे लॉन्च की संख्या में तेज वृद्धि होगी और अंतरिक्ष तक पहुंच का विस्तार करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा उपलब्ध होगा। एजेंसी ने कहा कि इस परियोजना से अगले 10 वर्षों में 3,000 प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। इन नौकरियों का औसत वार्षिक वेतन 92,600 डॉलर होगा, जो वर्मिलियन पैरिश के औसत वेतन से 192 प्रतिशत अधिक है।

इस बीच, लुइसियाना के गवर्नर जेफ लैंड्री ने इस निवेश का स्वागत करते हुए इसे राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना एयरोस्पेस क्षेत्र में लुइसियाना की स्थिति को और मजबूत करेगी।

हालांकि, इस परियोजना से 8,100 से अधिक अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होने का भी अनुमान है। इससे अकाडियाना क्षेत्र में नई नौकरियों की कुल संख्या 11,100 से अधिक हो जाएगी।

स्पेसएक्स के अनुसार, लुइसियाना की यह सुविधा स्टारशिप के लिए उच्च-आवृत्ति वाली लॉन्च क्षमता विकसित करने में मदद करेगी और अंतरिक्ष यान के भविष्य के मिशनों के लिए नए अवसर खोलेगी।

यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब स्पेसएक्स अपने अगली पीढ़ी के लॉन्च वाहन स्टारशिप के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रही है। स्टारशिप को बड़े पैमाने पर अंतरिक्ष परिवहन और भविष्य के अंतरिक्ष अन्वेषण सहित विभिन्न मिशनों के लिए डिजाइन किया गया है।

एआई सुरक्षा बाजार में तेज उछाल, 2027 तक 4.8 अरब डॉलर और 2028 तक 7.7 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान: रिपोर्ट

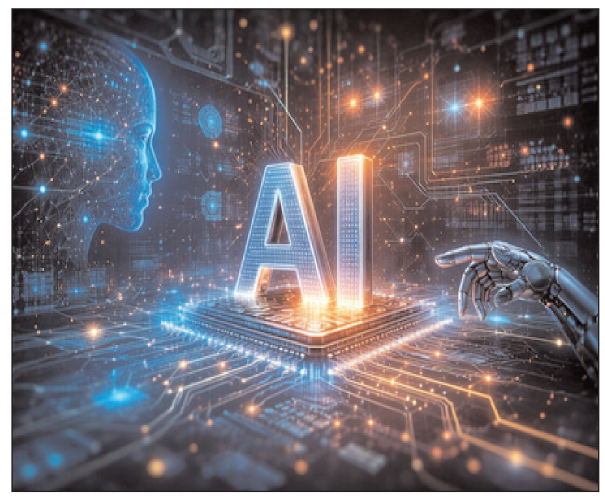

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते उपयोग के साथ इसकी सुरक्षा पर होने वाला वैश्विक खर्च भी तेजी से बढ़ रहा है। बुधवार को जारी गार्टनर की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, एआई प्रणालियों की सुरक्षा से जुड़ा वैश्विक बाजार 2027 में लगभग 4.8 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2026 की तुलना में 68.7 प्रतिशत अधिक होगा।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2028 तक यह बाजार बढ़कर लगभग 7.7 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

गार्टनर के वरिष्ठ प्रधान विश्लेषक शैलेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि इस तेज वृद्धि के पीछे सबसे बड़ा कारण संगठनों के सामने एआई प्रणालियों को सुरक्षित बनाने की बढ़ती आवश्यकता है। कंपनियां अब केवल एआई को अपनाने पर ही ध्यान नहीं दे रही हैं, बल्कि उससे जुड़े नए सुरक्षा जोखिमों, कमजोरियों और उन्नत साइबर खतरों से बचाव को भी प्राथमिकता दे रही हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई परियोजनाओं में तृतीय पक्ष और ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर के बढ़ते उपयोग के कारण नई तरह की सुरक्षा चुनौतियां सामने आ रही हैं। आपूर्ति श्रृंखला पर होने वाले साइबर हमले और एआई प्रणालियों में मौजूद कमजोरियां संस्थानों के लिए बड़ा खतरा बनती जा रही हैं। यदि उपयुक्त सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था नहीं अपनाई गई तो एआई-आधारित कई परियोजनाओं के विफल होने का जोखिम बढ़ सकता है।

गार्टनर का अनुमान है कि 2029 तक एआई एजेंट्स पर होने वाले आधे से अधिक सफल साइबर हमले पहुंच नियंत्रण संबंधी कमजोरियों और प्रॉम्प्ट इंजेक्शन जैसी तकनीकों का फायदा उठाकर किए जाएंगे। इससे एआई सुरक्षा समाधानों की आवश्यकता और अधिक बढ़ने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के अनुसार, एआई एप्लिकेशन सुरक्षा 2027 में भी खर्च की सबसे बड़ी श्रेणी बनी रहेगी और इस पर लगभग 851 मिलियन डॉलर खर्च होने का अनुमान है, इसके बाद एआई उपयोग नियंत्रण श्रेणी का स्थान रहेगा, जिस पर लगभग 749 मिलियन डॉलर खर्च किए जाने की संभावना है।

हालांकि वृद्धि दर के लिहाज से एआई उपयोग नियंत्रण सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र होगा, जिसमें लगभग 73 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। इसके बाद एआई गेटवे श्रेणी में लगभग 70.9 प्रतिशत की वृद्धि देखी जा सकती है।

उपाध्याय ने कहा कि जैसे-जैसे एआई रनटाइम सुरक्षा और समर्पित एआई गेटवे जैसी तकनीकें अधिक विश्वसनीय बनेंगी, संगठनों का इन समाधानों पर भरोसा बढ़ेगा और उनका उपयोग भी तेजी से बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि कंपनियां जैसे-जैसे अपने एआई कार्यक्रमों का विस्तार करेंगी, वैसे-वैसे विशेष एआई सुरक्षा समाधानों की मांग भी बढ़ती जाएगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्वायत्त एआई प्रणालियां नई प्रकार की कमजोरियां लेकर आती हैं, जिन्हें पारंपरिक निगरानी और सुरक्षा उपकरण पूरी तरह पहचान नहीं पाते।

योग साधना में उपयोगी मुद्राएं और बंध: मन की शांति से एकाग्रता तक, जानें इनके फायदे और सही तरीका

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग सिर्फ शरीर को लचीला बनाने का अभ्यास नहीं है, बल्कि यह शरीर, सांस और मन के बीच संतुलन बनाने का भी एक तरीका है। योग में कई ऐसी मुद्राएं और बंध बताए गए हैं, जिन्हें मन को स्थिर करने और एकाग्रता बढ़ाना में मददगार माना जाता है।

ज्ञान मुद्रा सबसे आसान और लोकप्रिय हस्त मुद्राओं में से एक है। इसे करने के लिए सुखासन, पद्मासन या किसी आरामदायक मुद्रा में रीढ़ सीधी करके बैठें। दोनों हाथ घुटनों पर रखें और तर्जनी उंगली के सिरे को अंगूठे के सिरे से हल्के से मिलाएं। बाकी उंगलियों को सीधा और तनावमुक्त रखें। इस मुद्रा का अभ्यास ध्यान के दौरान किया जाता है और यह मन को शांत रखने तथा एकाग्रता बढ़ाने में सहायक मानी जाती है।

चिन मुद्रा में भी अंगूठे और तर्जनी के सिरों को हल्के से स्पर्श कराया जाता है, लेकिन हथेलियां ऊपर की ओर रहती हैं। आंखें बंद करके सांसों पर ध्यान केंद्रित करें। इसे प्राणायाम और ध्यान के दौरान किया जा सकता है। नियमित अभ्यास से मानसिक स्थिरता और ध्यान केंद्रित करने में मदद मिल सकती है।

महाबंध को योग में तीन प्रमुख बंधों—मूलबंध, उड्डियान बंध और जालंधर बंध—के संयुक्त अभ्यास के रूप में बताया जाता है। इसमें सांस छोड़ने के बाद अपनी क्षमता के अनुसार श्वास रोककर क्रम से बंध लगाए जाते हैं। यह अपेक्षाकृत उन्नत अभ्यास है, इसलिए इसे किसी प्रशिक्षित योग शिक्षक की देखरेख में सीखना बेहतर है।

उड्डियान बंध में सांस पूरी तरह बाहर निकालकर पेट को अंदर और ऊपर की ओर खींचने का अभ्यास किया जाता है। हठ योग में इसे महत्वपूर्ण आंतरिक अभ्यास माना जाता है। इसे खाली पेट और सही तकनीक के साथ करना चाहिए। इसे सीखते समय जल्दबाजी या जरूरत से ज्यादा देर तक सांस रोकने से बचें।

जालंधर बंध में सांस रोकते हुए ठोड़ी को छाती की ओर लाया जाता है। इसे भी योग की उन्नत तकनीकों में गिना जाता है। गलत तरीके से या लंबे समय तक सांस रोककर करने के बजाय प्रशिक्षक से तकनीक सीखना जरूरी है।

अगोचरी मुद्रा या नासाग्र दृष्टि में आंखों की दृष्टि को नाक की नोक पर टिकाने का अभ्यास किया जाता है। शुरुआत में कुछ सेकंड तक ही अभ्यास करें और आंखों पर जोर न डालें।

स्वाद ही नहीं, सेहत का खजाना भी है इमली, पाचन से लेकर इम्यूनिटी तक के लिए फायदेमंद

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रसोई में खट्टापन घोलने वाली इमली सिर्फ स्वाद नहीं बढ़ाती, बल्कि सेहत का खजाना भी है। टैमारिंडस इंडिका वैज्ञानिक नाम वाली इमली में विटामिन-सी, एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर और आयरन भरपूर मात्रा में होते हैं। आयुर्वेद में इसे पाचन, कब्ज और पित्त दोष के लिए रामबाण माना गया है।

नमामि गंगे ने एक्स पोस्ट माध्यम से बताया कि इमली की उत्पत्ति उष्णकटिबंधीय अफ्रीका मानी जाती है, लेकिन यह भारत में बड़े पैमाने पर उगाई जाती है। यह दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका तथा अन्य उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में भी व्यापक रूप से वितरित है। भारत में यह मैदानी एवं पठारी क्षेत्रों में विशेष रूप से सामान्य है।

इमली का जैव-भौगोलिक क्षेत्र दक्कन प्रायद्वीप, मध्य उच्चभूमि, गंगा का मैदानी क्षेत्र, पूर्वी एवं पश्चिमी घाट, अर्ध-शुष्क एवं शुष्क है। इसका वृक्ष बड़ा, दीर्घायु एवं सदाबहार से अर्ध-सदाबहार होता है। इमली उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में शुष्क से

लेकर आर्द्र जलवायु तक अच्छी तरह विकसित होती है। यह विभिन्न प्रकार की मिट्टियों में उग सकती है, किंतु अच्छी जल निकासी वाली दोमट एवं बलुई-दोमट मिट्टी में सर्वोत्तम वृद्धि करती है। यह सूखा एवं उच्च तापमान सहन करने की क्षमता रखती है।

इमली भारत में प्राचीन काल से प्राकृतिक रूप से है। इमली का फूल अप्रैल - जून के बीच आता है, जबकि फल दिसंबर-अप्रैल के बीच में आता है।

इमली के घने वृक्ष पक्षियों, गिलहरियों एवं अन्य छोटे वन्यजीवों को आश्रय प्रदान करते हैं, जबकि इसके फल अनेक जीवों के भोजन का स्रोत होते हैं। इसकी विस्तृत जड़ प्रणाली मिट्टी के कटाव को कम करने तथा कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह वृक्ष शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उत्कृष्ट छायादार वृक्ष के रूप में भी महत्वपूर्ण है। इमली के गूदे का उपयोग भोजन, पेय पदार्थ, चटनी, अचार तथा विभिन्न व्यंजनों में खट्टे स्वाद के लिए किया जाता है। इसके फल विटामिन एवं खनिजों से भरपूर होते हैं। पत्तियों, छाल एवं फल का उपयोग आयुर्वेद एवं पारंपरिक चिकित्सा में पाचन, ज्वर तथा अन्य रोगों के उपचार में किया जाता है।

गौतमबुद्धनगर में स्वाइन फ्लू के 120 मामले; स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, 20 बेड का वेंटिलेटर युक्त आईसीयू तैयार

विश्व केसरी ■

नोएडा । गौतमबुद्धनगर में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। जिले में अब तक स्वाइन फ्लू के करीब 120 मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने नागरिकों से भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचने, साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने और खांसी या छींक आने पर मुंह और नाक को ढकने की अपील की है। साथ ही लोगों को बिना डॉक्टर की सलाह के किसी भी तरह की दवा लेने से बचने की सलाह दी गई है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक मौसम में बदलाव और वायरल संक्रमण के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। स्वाइन फ्लू के संभावित मरीजों की पहचान, जांच और उपचार के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। जिले में स्वास्थ्य केंद्रों पर जरूरी दवाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है, ताकि मरीजों को उपचार के लिए परेशानी का सामना न करना पड़े। स्वास्थ्य विभाग ने गंभीर मरीजों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए 20 बेड का वेंटिलेटर युक्त आईसीयू भी तैयार रखा है।

अधिकारियों का कहना है कि आवश्यकता पड़ने पर गंभीर मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा। अस्पतालों में चिकित्सकीय सुविधाओं और दवाओं की उपलब्धता की लगातार निगरानी की जा रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मदन मोहन मणि त्रिपाठी ने लोगों से अपील की है कि स्वाइन फ्लू के लक्षण दिखाई देने पर घबराने के बजाय चिकित्सकीय सलाह लें। उन्होंने कहा कि खांसी, गले में खराश, बुखार, शरीर में दर्द, कमजोरी और सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

विशेष रूप से बुजुर्गों, छोटे बच्चों और पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोगों को संक्रमण से बचाव के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने एनसीआर में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई, जारी की एडवाइजरी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है। खबरों के अनुसार, अब तक 2000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं।

दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन दिल्ली में इन्फ्लूएंजा की स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है और इस संक्रमण से होने वाली बीमारी और मौतों की निगरानी कर रही है। इन्फ्लूएंजा के मामलों में मौसमी बढ़ोतरी को देखते हुए डीएमए ने लोगों से सतर्क रहने और बचाव के ज़रूरी उपाय अपनाने की अपील की है। एसोसिएशन ने लोगों को सलाह दी है कि वे सांस से जुड़ी स्वच्छता का ध्यान रखें, साफ-सफाई बनाए रखें, भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें और इन्फ्लूएंजा के लक्षण दिखने पर समय रहते डॉक्टर की सलाह लें।

डीएमए ने स्वाइन फ्लू से संक्रमण से बचने के लिए उपाय बताए हैं। डीएमए ने कहा कि खांसते या छींकते समय अपना मुंह और नाक रूमाल या टिश्यू से ढकें। साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोएं या अल्कोहल-बेस्ड हैंड सैनिटाइज़र का इस्तेमाल करें। बिना धुले हाथों से अपनी आँखों, नाक और मुंह को छूने से बचें। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें, खासकर तब जब इन्फ्लूएंजा का असर ज्यादा हो। एच1एन1 या इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी से पीड़ित लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। इसके अलावा, पर्याप्त आराम करें और अच्छी नींद लें और खूब तरल पदार्थ पिएं और पौष्टिक भोजन करें। दोबारा इस्तेमाल होने वाले रूमाल को ठीक से साफ़ करें और इस्तेमाल किए गए टिश्यू को सुरक्षित रूप से फेंक दें। सार्वजनिक जगहों पर थूकने से बचें। फ्लू के लक्षण होने पर वायरस को फैलने से रोकने के लिए एन95 मास्क पहनें। हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को खुद को और मरीज़ों को बचाने के लिए क्लीनिक, अस्पतालों और ओपीडी में मास्क जरूर पहनना चाहिए।

नशा, ओवरडोज और विदड्रॉल में क्या है अंतर? सामाजिक न्याय मंत्रालय ने समझाए नशे से जुड़े 5 शब्द

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने नशा मुक्ति को लेकर एक अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत हेल्पलाइन नंबर 14446 जारी करते हुए मंत्रालय ने कहा, 'नशे को ना कहने, जागरूकता फैलाने और नशामुक्त भारत के संकल्प को मजबूत करने की शपथ लें।' इसके साथ ही नशा करने से होने वाले प्रभाव के बारे में बताया है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने नशीले पदार्थों से जुड़े शब्दों को भी समझाया है।

तीव्र नशा-नशीले पदार्थ के सेवन के बाद चेतना, व्यवहार और धारणा में बदलाव।

ओवरडोज-दवा/पदार्थ की अधिक मात्रा से गंभीर शारीरिक या मानसिक प्रभाव।

विदड्रॉल-लंबे समय तक सेवन के बाद अचानक छोड़ने पर होने वाले लक्षण। हानिकारक उपयोग-ऐसा सेवन जो स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन को नुकसान पहुंचाए। निर्भरता-पदार्थ के सेवन की बढ़ती इच्छा और उस पर नियंत्रण खोने की स्थिति।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने एक अन्य एक्स पोस्ट में कहा, 'नशामुक्ति मित्र बनें और स्वस्थ, नशामुक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। सहायता के लिए राष्ट्रीय नशामुक्ति हेल्पलाइन 14446 पर कॉल करें।'

6 अगस्त को मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, भारत सरकार 'नशा मुक्त भारत अभियान' (एनएमबीए) को एक देशव्यापी अभियान के तौर पर लागू कर रही है। इसका उद्देश्य जागरूकता फैलाकर, समुदाय की भागीदारी से और नशा-मुक्ति के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाकर नशीले पदार्थों के सेवन को रोकना और कम करना है। 15 अगस्त 2020 को नशीले पदार्थों के सेवन के प्रति संवेदनशील 272 जिलों में शुरू किए गए इस अभियान का दायरा अगस्त 2023 से देश के सभी जिलों तक बढ़ा दिया गया है। इसमें उच्च शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों और स्कूलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कोलंबो टेस्ट: संकट में फॉलोऑन खेलने उतरी श्रीलंकाई टीम, दूसरी पारी में गंवाए 6 विकेट, जीत के करीब भारत

विश्व केसरी ■

कोलंबो । भारतीय टीम सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में जारी दूसरे टेस्ट मैच में जीत के बेहद करीब है। बुधवार को, चौथे दिन का खेल बारिश के चलते जल्द खत्म हो गया। दिन की समाप्ति तक श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट खोकर 229 रन बना लिए हैं। यहां से श्रीलंका के पास सिर्फ 16 रन की लीड है। ऐसे में भारत मुकाबले के अंतिम दिन श्रीलंकाई टीम को जल्द समेटकर जीत के 'गोल्डन चांस' को भुनाने उतरेगा।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने पहली पारी 503/9 के स्कोर पर घोषित की। टीम इंडिया ने 66 रन तक केएल राहुल (18) और यशस्वी जायसवाल (45) के विकेट गंवा दिए थे। यहां से देवदत्त पड्डिकल ने कप्तान शुभमन गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। शुभमन 6 चौकों के साथ 50 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद पड्डिकल ने मोर्चा संभाला। उन्होंने रवींद्र जडेजा (43) के साथ 74 रन की साझेदारी करते हुए भारत को 281 के स्कोर तक पहुंचाया। पड्डिकल 193 गेंदों में 117 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 12 चौके शामिल रहे।

पहले दिन बल्लेबाजी के दौरान चोटिल होकर 'रिटायर्ड हर्ट' होने वाले ऋषभ पंत दूसरे दिन के पहले सेशन में फिर से बल्लेबाजी के लिए उतरे। उन्होंने ध्रुव जुरेल के साथ 112 रन जुटाकर टीम को 400 के पार पहुंचा दिया।

पंत भारत के खाते में 63 रन जोड़कर वापस लौटे, जिसके बाद जुरेल ने 2 छक्कों और 9 चौकों के साथ 115 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को 503 के स्कोर तक पहुंचाया। मेजबान टीम की तरफ से असिथा फर्नांडो ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि प्रभात जयसूर्या और केशरा नुवानथा को 2-2 विकेट हाथ लगे।

इसके जवाब में श्रीलंका की पहली पारी 290 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 35 के स्कोर तक 3 विकेट खो दिए थे, जिसके बाद पसिंदु सूरियाबंदारा ने कामिंदु मेंडिस के साथ चौथे विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शतक के पार पहुंचाया।

कामिंदु 32 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पसिंदु ने 9 चौकों के साथ 80 रन टीम के खाते में जोड़े। इसके बाद सोनल दिनुषा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने केशरा नुवानथा के साथ 57 रन, जबकि लाहिरू कुमारा के साथ 58 रन की साझेदारी की। सोनल (103) टीम को फॉलोऑन बचाने के बेहद करीब लेकर गए, लेकिन श्रीलंका इससे सिर्फ 14 रन पीछे रह गई। भारत के लिए प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट हासिल किए, जबकि सारांश जैन ने 2 शिकार किए। इनके अलावा, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को 1-1 विकेट हाथ लगा।

टीम इंडिया के पास पहली पारी के आधार पर 213 रन की बढ़त थी। ऐसे में भारत ने मेजबान टीम को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया। श्रीलंकाई टीम मुकाबले के चौथे दिन फिर से बल्लेबाजी के लिए उतरी और 5 के स्कोर पर लाहिरू उडारा (3) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद पसिंदु सूरियाबंदारा ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने कामिल मिशारा के साथ दूसरे विकेट के लिए 58 रन, जबकि कामिंदु मेंडिस के साथ तीसरे विकेट के लिए 115 रन जोड़कर टीम को पारी के अंतर से हार के खतरे से बचा लिया।

कामिंदु मेंडिस 55 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पसिंदु ने 11 बाउंड्री के साथ 92 रन बनाए। इनके अलावा, कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने टीम के खाते में 23 रन का योगदान दिया। श्रीलंका ने दूसरी पारी में 72.4 ओवरों के खेल तक 6 विकेट खोकर 229 रन बना लिए थे। इसी बीच बारिश ने मैच में दखल दे दिया, जिसके कुछ देर बाद स्टंप्स की घोषणा कर दी गई। भारत की तरफ से इस पारी में मानव सुथार सर्वाधिक 2 विकेट हासिल कर चुके हैं। इनके अलावा, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, सारांश जैन और रवींद्र जडेजा ने 1-1 विकेट चटकाया है।

एशियन गेम्स में जब तक पदक नहीं जीतूंगी, घर नहीं जाऊंगी: मीराबाई चानू

एजेंसी ■

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक एशियन गेम्स 2026 का आयोजन होना है। भारत की दिग्गज पावरलिफ्टर साइखोम मीराबाई चानू एशियन गेम्स में अपना पहला पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। उनकी पहली प्राथमिकता चोट से मुक्त रहना है।

मीराबाई के कोच विजय शर्मा और अमेरिकी स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच डॉ. एरॉन हॉर्शिग हैं। डॉ. हॉर्शिग के साथ उनका जुड़ाव नवंबर 2020 में शुरू हुआ और आज तक जारी है।

साई मीडिया से बात करते हुए मीराबाई ने कहा, 'हम हर गुरुवार को उनके साथ वीडियो कॉल पर बात करते हैं और ट्रेनिंग, रिकवरी और अगले स्टेप्स के बारे में चर्चा करते हैं। हर चीज की बारीकी से समीक्षा करते हैं। डॉ. हॉर्शिग खुद एक वेटलिफ्टर थे, इसलिए उन्हें शरीर की हर मसल के बारे में पता है।

ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने के बाद मीराबाई और टीम ने एक दिन भी बर्बाद नहीं किया। कॉमनवेल्थ आयोजकों ने वेटलिफ्टिंग हॉल को हटा दिया था, लेकिन मीराबाई, शर्मा और फिजियो रोहित छाबड़िया ने एक जिम ढूंढा और ग्लासगो में ट्रेनिंग सेशन के लिए पैसे दिए। मीराबाई ने कहा, 'मैं सीधे मोदीनगर में ट्रेनिंग के लिए वापस आ गई। असल में, मैं घर (मणिपुर) नहीं गई। मैंने खुद को एक चुनौती दी है कि जब तक मैं एशियन गेम्स में पदक नहीं जीत लेती, घर नहीं जाऊंगी।

इंजरी की वजह से मीराबाई का एशियन गेम्स में पदक जीतने का सपना टूटा है। हांगझोउ में पिछले एशियन गेम्स में, मीराबाई 49 किग्रा कैटेगरी में चौथे स्थान पर रही थीं। जकार्ता में 2018 में, मीराबाई पीठ की गंभीर चोट के कारण बाहर हो गई थीं। कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल की हैट्रिक के बावजूद, मीराबाई ग्लासगो में कॉम्पिटिशन के लेवल को ज्यादा अहमियत नहीं दे रही हैं।

उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो, कॉमनवेल्थ गेम्स में प्रतियोगिता मेरे लिए मुश्किल नहीं थी। मुझे ग्लासगो में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी।

न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है: रोजर फेडरर

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर का आर्थर ऐश स्टेडियम में एक यादगार एग्जिबिशन नाइट के दौरान हीरो जैसा स्वागत किया गया। दुनिया के सबसे बड़े टेनिस स्टेडियम में घुसते ही तालियों से स्वागत किया गया। इस अवसर पर 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कहा कि न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है।

फेडरर ने कहा, 'न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय है। मेरे पास इस कोर्ट, यहां के फैंस, शहर की अविश्वसनीय यादें हैं। 2004, 2005 में — यहीं से सब कुछ शुरू हुआ, यहां की जीतों के साथ न्यूयॉर्क के लिए मेरा प्यार।'

फेडरर ने कहा, 'मुझे पहले दिन से ही इस शहर और इस कोर्ट से प्यार हो गया था।'

पूर्व खिलाड़ी ने 2004-2008 तक लगातार पांच यूएस ओपन जीते और टूर्नामेंट और शहर के साथ अपने खास कनेक्शन के बारे में बात की।

स्विस खिलाड़ी ने आर्थर ऐश स्टेडियम के सेंटर कोर्ट पर अपनी पहली मौजूदगी को याद किया, जो 2001 में अगासी के खिलाफ थी। फेडरर वह मुकाबला सीधे सेटों में हार गए थे।

उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि सेंटर कोर्ट पर मेरा पहला मुकाबला आंद्रे के खिलाफ 2001 में था। उन्होंने मुझे 6-1, 6-2, 6-4 से हराया। मेरे पास कोई शॉट नहीं था। मैं ऐसा था, 'ठीक है, इतना आसान नहीं है, इतना तेज

सीए भवानी देवी: ओलंपिक खेलने वाली पहली भारतीय तलवारबाज, कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में जीते 2 स्वर्ण पदक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। तलवारबाजी एक पारंपरिक कला है। प्राचीन समय में तलवारबाजी का कौशल युद्ध क्षेत्र में शत्रु पर विजय प्राप्त करने के लिए हासिल किया जाता है। युद्ध का तरीका अब बदल चुका है। युद्ध अब तलवार नहीं, बल्कि रासायनिक हथियारों से लड़े जाते हैं। आधुनिक समय में तलवारबाजी एक खेल का रूप ले चुकी है। इस खेल में सीए भवानी देवी भारत का वैश्विक चेहरा हैं।

सीए भवानी देवी ने अपने तलवारबाजी कौशल का प्रदर्शन वैश्विक मंचों पर किया है और देश की इस परंपरागत कला को आधुनिक रूप में दुनिया के सामने प्रस्तुत किया है।

भवानी देवी का जन्म 27 अगस्त 1993 को चेन्नई में हुआ था। उनका पूरा नाम चदलवाड़ा आनंदा भवानी देवी है। भवानी ने 11 साल की उम्र में 2004 में तलवारबाजी शुरू की थी। दसवीं कक्षा पास करने के बाद वे थालास्सेरी, केरल के साई केंद्र पहुंची और यहीं तलवारबाजी के गुर सीखे। 14 साल की उम्र में वह

तुर्की में अपने पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शामिल हुई थीं। इसके बाद से भवानी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार इस खेल में सफलता की सीढ़ियां चढ़ती गईं।

उनकी उपलब्धियों पर गौर करें, तो जूनियर स्तर पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दमदार प्रदर्शन के बाद 2014 में एशियन अंडर-23 चैंपियनशिप में भवानी ने व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा में रजत पदक जीता था। भवानी ने व्यक्तिगत स्पर्धा में केनबरा में 2018 में आयोजित कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में स्वर्ण और 2022 में लंदन में आयोजित कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। 2023 में एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने कांस्य पदक जीता था। भवानी ने 2020 ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

भवानी देवी का भारतीय तलवारबाजी के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। वह ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय तलवारबाज हैं। वह एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली भी पहली भारतीय तलवारबाज हैं। राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में उनके नाम दो स्वर्ण हैं। 33 वर्ष की हो रही भवानी देवी अभी भी खेल में सक्रिय हैं और देश के नाम पदक लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं।

भारत सरकार ने तलवारबाजी में असाधारण प्रदर्शन के लिए भवानी देवी को 2021 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया था।

एशियन गेम्स से पहले सिंड्रेला दास और पायस जैन 'टॉप्स डेवलपमेंट स्कीम' में हुईं शामिल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। उभरती हुए भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी सिंड्रेला दास और पायस जैन को 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' (टॉप्स) डेवलपमेंट स्कीम में शामिल किया गया है। इससे एशियन गेम्स 2026, कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 और ओलंपिक 2036 के लिए युवा प्रतिभाओं को तैयार करने पर देश का फोकस और मजबूत हुआ है।

कोलकाता की रहने वाली 17 साल की सिंड्रेला ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर इस डेवलपमेंट प्रोग्राम में अपनी जगह बनाई है। इस साल की शुरुआत में थाईलैंड में हुई एशियाई यूथ चैंपियनशिप में इस युवा खिलाड़ी ने गर्ल्स डबल्स इवेंट में सिल्वर मेडल और गर्ल्स सिंगल्स प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

सिंड्रेला का 2023 का सीजन भी बहुत सफल रहा था, जिसमें उन्होंने अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 सिंगल्स कैटेगरी में नेशनल रैंकिंग एज-ग्रुप खिताब जीते थे। इसके बाद उन्होंने सीनियर नेशनल सर्किट में कदम रखा। इस साल की शुरुआत में टॉप्स ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 और ओलंपिक खेलों 2036 के लिए भारत की बेंच स्ट्रेंथ (बैकअप खिलाड़ियों की ताकत) बढ़ाने की कोशिश के तहत 14-17 साल की उम्र के युवा टेबल टेनिस खिलाड़ियों के लिए एक खास ग्रुप बनाया था।

सिंड्रेला उस ग्रुप का हिस्सा थीं और अब अपने हालिया प्रदर्शन के दम पर उन्हें टॉप्स डेवलपमेंट स्कीम में शामिल किया गया है। वह इस स्कीम में साथी भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी पायस जैन और अंकुर भट्टाचार्जी के साथ शामिल हुई हैं। पायस और अंकुर भारत की मेंस डबल्स जोड़ी भी बनाएंगे।

सिंड्रेला को एशियन गेम्स 2026 के लिए भारत की 10 सदस्यीय टीम में भी चुना गया है। महिला टीम में श्रीजा अकुला, दिया चितले, यशस्वी घोरपड़े, सुतीर्था मुखर्जी और सिंड्रेला शामिल हैं।

यूएस ओपन: सेरेना विलियम्स, कार्लोस अल्काराज की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी क्वार्टरफाइनल में हारी

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क । सेरेना विलियम्स और कार्लोस अल्काराज का यूएस ओपन मिक्स्ड डबल्स का सफर क्वार्टरफाइनल में फ्लेवियो कोबोली और बेलिंडा बेनसिक से हारकर समाप्त हो गया। विलियम्स और अल्काराज की जोड़ी को 5-4(4), 4-1 से हार का सामना करना पड़ा।

विलियम्स और अल्काराज ने शुरुआत में कई गलतियां कीं, जिससे कोबोली और बेनसिक को फायदा मिला। कोबोली ने टाई-ब्रेक में अपना दम दिखाया और ऐस लगाकर पहला सेट अपने नाम कर लिया। स्विस-इटैलियन जोड़ी दूसरे सेट में और भी जबरदस्त नजर आई। उन्होंने बिना किसी गलती के जीत हासिल की और अमेरिकी-स्पेनिश जोड़ी के सफर को समाप्त कर दिया। कोबोली और बेनसिक

का सेमीफाइनल में एलिना स्वितोलिना और गेल मोनफिल्स के खिलाफ मुकाबला होगा।

बेनसिक ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मैं इस कोर्ट पर कैसे आ गई – कार्लोस और सेरेना के साथ खेलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है।

विलियम्स के लिए, यह हार यूएस ओपन वेन्यू पर इमोशनल वापसी के बाद आई। उन्होंने आखिरी बार 2022 में यूएस ओपन में हिस्सा लिया था। 44 साल की विलियम्स का आर्थर ऐश स्टेडियम में जोरदार तालियों से स्वागत किया गया। फैंस उनकी मौजूदगी का जश्न मना रहे थे।

विलियम्स और अल्काराज ने अपने शुरुआती राउंड की जीत में तालमेल दिखाया था, और पूरे मैच में मुस्कुराते और हंसते रहे। विलियम्स ने अपनी खास ताकत का भी नमूना दिखाया, 120 एमपीएच की रफ्तार से ऐस मारा जिससे भीड़ जोर-जोर से चिल्लाने लगी।

अलकाराज, जो चोट की वजह से अप्रैल से नहीं खेले थे, ने अपनी शुरुआती थकान को दूर किया और मैचिंग रॉयल पर्पल कपड़ों में कोर्ट पर गले मिलने से पहले फोरहैंड विनर से शुरुआती राउंड की जीत पक्की कर ली।

विलियम्स ने कहा, 'यहां होना हमेशा शानदार है। मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी कि मैं इस कोर्ट पर वापस आ पाऊंगी।

एशियन गेम्स 2026: आखिर क्यों सीधा क्वार्टर फाइनल मैच खेलने उतरेगा भारत? जानिए टूर्नामेंट का पूरा शेड्यूल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 का आगाज 19 सितंबर से जापान की धरती पर होना है। टूर्नामेंट में इस बार क्रिकेट को भी शामिल किया गया है। टूर्नामेंट में महिलाओं के मुकाबले 17 सितंबर से शुरू हो जाएंगे, जबकि पुरुष टीम के मैचों की शुरुआत 24 सितंबर से होगी।

भारतीय टीम टूर्नामेंट में सीधा क्वार्टर फाइनल राउंड में उतरेगी। दरअसल, एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट में कुल 10 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें से 4 टीमों को बेहतर आईसीसी रैंकिंग के कारण डायरेक्ट क्वार्टर फाइनल का टिकट दिया गया है। इस लिस्ट में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका का नाम शामिल है। वहीं, अफगानिस्तान, जापान, नेपाल, हांगकांग, मलेशिया और ओमान ग्रुप स्टेज में खेलेंगी।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम अपने अभियान का आगाज 28 सितंबर को ग्रुप ए के उपविजेता के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम 1 अक्टूबर को दूसरे सेमीफाइनल मैच खेलने मैदान पर

उतरेगी। सेमीफाइनल जीतने पर भारतीय टीम 3 अक्टूबर को फाइनल मैच खेलेगी। इसी तारीख को तीसरे स्थान के लिए ब्रॉन्ज मेडल मैच भी होगा।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपने अभियान की शुरुआत 18 सितंबर को जापान के खिलाफ करेगी, जबकि 20 सितंबर को टीम अपना सेमीफाइनल मैच खेलने उतरेगी। 22 सितंबर को ब्रॉन्ज और फाइनल मुकाबला खेला जाना है।

एशियन गेम्स 2026 में पुरुष क्रिकेट टीम का पूरा शेड्यूल:

24 सितंबर – जापान बनाम अफगानिस्तान
24 सितंबर – मलेशिया बनाम हांग कांग
25 सितंबर – नेपाल बनाम अफगानिस्तान
25 सितंबर – ओमान बनाम हांग कांग
26 सितंबर – नेपाल बनाम जापान
26 सितंबर – ओमान बनाम मलेशिया
28 सितंबर – पहला क्वार्टरफाइनल – ग्रुप ए की उपविजेता टीम बनाम भारत
28 सितंबर – दूसरा क्वार्टरफाइनल – ग्रुप बी की उपविजेता टीम बनाम पाकिस्तान
29 सितंबर – तीसरा क्वार्टरफाइनल – ग्रुप बी की विजेता टीम बनाम बांग्लादेश
29 सितंबर – चौथा क्वार्टरफाइनल – ग्रुप ए की विजेता टीम बनाम श्रीलंका
1 अक्टूबर – पहला सेमीफाइनल
1 अक्टूबर – दूसरा सेमीफाइनल
3 अक्टूबर – ब्रॉन्ज मेडल मैच
3 अक्टूबर – गोल्ड मेडल मैच।

एशियन गेम्स 2026 में महिला क्रिकेट टीम का पूरा शेड्यूल: 17 सितंबर – जापान बनाम भारत – पहला क्वार्टरफाइनल।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415